শৰ্মা হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील
वर्ष : 10 | अंक : 336 | गुवाहाटी | शनिवार, 6 जुलाई, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

लंबित मामलों के तत्काल समाधान के लिए विशेष लोक अदालतों का लाभ लें — पेज 2
मंत्री रंजीत कुमार दास ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का किया दौरा, वित्तीय सहायता प्रदान की — पेज 3
प्रदेश के कई जिलों में बारिश का दौर जारी, बीसलपुर बांध में पानी की आवक, टोंक... — पेज 5
इक्वाडोर को पेनल्टी में शूट कर अर्जेंटीना सेमीफाइनल में — पेज 7

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

निर्धनता प्रकट करना निर्धन होने से अधिक दुखदायी होता है।
-प्रेमचंद

न्यूज गैलरी

टीम इंडिया के विजय जुलूस में मची भगदड़ 11 लोग घायल

मुंबई (हि.स.)। मरीन ड्राइव पर गुरुवार को टीम इंडिया के विजयी जुलूस में मची भगदड़ में 11 लोग घायल हो गए हैं। इन सभी का इलाज जीटी, सेंट जार्ज, नायर और कामा अस्पतालों में चल रहा है। घायलों में एक गर्भवती महिला भी है, जिसका इलाज कामा अस्पताल के आईसीयू में हो रहा है। टीम इंडिया के विश्व विजेता खिलाड़ी गुरुवार को मुंबई पहुंचे थे। -शेष पृष्ठ दो पर

बिहार में पुल गिरने के मामले पर 14 इंजीनियर्स सस्पेंड

पटना। बिहार में पिछले एक सप्ताह में पुल ढहने की सिलसिलेवार घटनाओं पर नीतीश सरकार ने कड़ा एक्शन लेते हुए 14 इंजीनियरों को सस्पेंड कर दिया है। यह निलंबन गुरुवार को सारण में एक पुल गिरने के एक दिन बाद आया है। वहीं अब बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने दो सप्ताह के भीतर बिहार में सभी निर्माणाधीन और पुराने पुलों की निरीक्षण रिपोर्ट मांगी है। बिहार में -शेष पृष्ठ दो पर

बाढ़ से हाल बेहाल, 21 लाख लोग प्रभावित, पीड़ितों से मिलने पहुंचे सीएम

गुवाहाटी (हि.स. /एजे)। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने राज्य में बाढ़ की स्थिति का आकलन करने के लिए शुक्रवार को असम में जलजमाव वाले क्षेत्रों का दौरा किया। 29 जिलों में लगभग 21.13 लाख लोग प्रभावित हुए हैं और मरने वालों की संख्या बढ़कर 62 हो गई है। राज्य के 3,208 गांवों में युद्ध स्तर पर राहत और बचाव कार्य किए जा रहे हैं। कुल 40 हजार से अधिक लोग राहत शिविरों में रह रहे हैं। वहीं, प्रशासन द्वारा 247 राहत शिविर एवं 451 राहत वितरण केंद्र खोले गए हैं। इस वर्ष बाढ़ से मरने वालों की संख्या 62 पर पहुंच गई। असम सरकार का फायर एंड एमरजैंसी सर्विस, एसडीआरएफ, एनडीआरफ के साथ ही जिला प्रशासन व्यापक पैमाने पर राहत व बचाव कार्य में जुटा हुआ है। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा, जल संसाधन मंत्री पीयूष हजारिका समेत सरकार के कई मंत्री एवं विधायक राहत एवं बचाव कार्य की निगरानी में लगे हुए हैं। इसी बीच मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को सोशल मीडिया के जरिए कहा कि मैंने डिब्रूगढ़ जिले के टेंगाखात समेत कई स्थानों का दौरा किया। बाढ़ के कारण संपर्क बाधित हुआ है और घरों को नुकसान पहुंचा है। हम जल्द से जल्द संपर्क बहाल करने के लिए युद्ध स्तर पर काम कर रहे हैं। असम भर में जिला प्रशासन बाढ़ प्रभावित पीड़ितों को आपातकालीन राहत उपाय प्रदान करने के लिए लगन से काम कर रहे हैं। ग्वालपाड़ा में जिला आयुक्त सक्रिय रूप से आपातकालीन राहत प्रदान कर रहे हैं, जिसमें स्वास्थ्य जांच, शिशु आहार का वितरण और आवश्यक वस्तुओं की नियमित आपूर्ति शामिल है। राहत गतिविधियों के प्रभावी कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने और किसी भी उभरती हुई जरूरत को तुरंत संबोधित करने के लिए अधिकारी नियमित रूप से साइट का दौरा कर रहे हैं। उधर मुख्यमंत्री ने बाढ़ग्रस्त इलाकों का निरीक्षण किया और डिब्रूगढ़ में बाढ़ प्रभावित पीड़ितों से बातचीत की। यह जिला पिछले आठ दिनों से जलमग्न है और यहां बिजली व्यवस्था भी ठप पड़ी है। उन्होंने डिब्रूगढ़ के कुछ इलाकों का पैदल दौरा किया और लोगों से बातचीत की। उन्होंने जोर देकर कहा कि स्थिति में सुधार हुआ है, जल स्तर नीचे जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि जिन क्षेत्रों में तटबंध टूटे हैं वे बाढ़ से प्रभावित हैं। शर्मा ने यह भी बताया कि डिब्रूगढ़ क्षेत्र में नालों की सफाई के लिए छोटे उपकरणों की आवश्यकता होगी। उन्होंने कहा कि अतिक्रमण भी है, जिस पर पानी रुकने के बाद ध्यान दिया जाएगा। शर्मा ने पिथुबोर गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल में -शेष पृष्ठ दो पर

गुवाहाटी में भूस्खलन से मां-बेटे की मौत

गुवाहाटी (हि.स.)। गुवाहाटी के बाहरी इलाका आठ माईल के निकट गारो बस्ती में हुए भूस्खलन से मां-बेटे की मौके पर ही मौत हो गई जबकि स्थानीय लोगों की मदद से रातुल दास की 14 साल की बेटी रीना दास को बचा लिया गया। रीना दास को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि आज सुबह 6:00 बजे के आसपास हुए इस भूस्खलन की वजह से रातुल दास की पत्नी रूमी दास (35) और उसके 5 साल के बेटे चंपक दास की मौके पर ही मौत हो गई। हीरेन पाठक के किराए के मकान में रातुल दास पत्नी और दो बच्चों के साथ पिछले दो महीने से रह रहा था। घर के पास पहाड़ की कटाई की गई थी, जहां से लगातार थोड़ा-थोड़ा पहाड़ से भूस्खलन हो रहा था। रातुल भूस्खलन की वजह से शुक्रवार को घर खाली करने वाला ही था। -शेष पृष्ठ दो पर

अपने ही पिता की आलोचना कर रहे हैं गौरव गोगोई : डॉ शर्मा

डिब्रूगढ़ (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई पर तंज कसते हुए कहा कि यदि गौरव को अपने दिवंगत पिता की ही आलोचना कर रहे हैं तो इस पर उनके कहने के लिए कुछ नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में अब तक जो भी तटबंध टूटे हैं, उनका निर्माण तत्कालीन मुख्यमंत्री तरुण गोगोई के कार्यकाल में हुआ था। उनकी सरकार के दिनों में बने हुए तटबंध कहीं भी नहीं टूटे हैं। उल्लेखनीय है कि गुरुवार को गौरव गोगोई ने डिब्रूगढ़ में कहा था कि असम सरकार के जल संसाधन विभाग को कमाने-खाने का एक जरिया बना लिया गया है। ठेकेदारों से पैसे लेकर कमजोर तटबंध बनाए जा रहे हैं। गौरव गोगोई ने यह भी कहा था कि -शेष पृष्ठ दो पर

सावधान! 15 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली। मानसून की बारिश ने देशभर में कहर बरपा रखा है। जहां एक तरफ लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली है, वहीं भारी बारिश के कारण जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। पूर्वोत्तर के तीन राज्य बाढ़ की चपेट में हैं और हिमाचल प्रदेश में भी बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। उत्तर प्रदेश, बिहार और उत्तराखंड में नदियां उफान पर हैं, जबकि उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में पहाड़ों से मलबे और पत्थरों के साथ भारी पानी ने कहर ढाया है। असम के कांजीरंगा नेशनल पार्क में बाढ़ के कारण 15 से ज्यादा जानवरों की मौत हो चुकी है। बिहार में 11 पुल नदी के उफान में बह चुके हैं और उत्तराखंड में चार धाम यात्रा रुकी हुई है। मौसम विभाग ने आज भी देश के करीब 15 राज्यों में भारी बारिश की संभावना जताई है। दिल्ली-एनसीआर में पिछले दो दिनों से बारिश हो रही है और आज भी अच्छी बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग ने आज और कल के लिए दिल्ली में बारिश -शेष पृष्ठ दो पर

काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में 31 पशु डूबे

काजीरंगा। काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में अभी तक 31 पशुओं की डूबने के कारण मौत हो चुकी है और 82 अन्य को बाढ़ के पानी से बचाया गया है। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि उद्यान में 23 हॉग हिरण की मौत डूबने से हुई जबकि 15 की मौत इलाज के दौरान हुई। वन अधिकारियों ने 73 हॉग हिरण, दो-दो ऊदबिलाव व साम्भर और एक स्कोप उल्लू सहित अन्य जानवरों को बचा लिया है। अधिकारी ने बताया कि अभी 20 जानवरों का उपचार हो रहा है -शेष पृष्ठ दो पर

अगस्त तक गिर सकती है मोदी सरकार, कार्यकर्ता तैयार रहें : लालू

पटना। आरजेडी मुखिया और बिहार के पूर्व सीएम लालू यादव ने पार्टी के स्थापना दिवस पर कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने बड़ा दावा किया। लालू ने कहा कि दिल्ली में मोदी सरकार बहुत कमजोर है। अगस्त तक ये सरकार गिर सकती है। इसको देखते हुए सभी पार्टी कार्यकर्ताओं से मेरा कहना है कि वो चुनाव के लिए तैयार रहें क्योंकि चुनाव कभी भी हो सकते हैं। आरजेडी के स्थापना दिवस समारोह में तेजस्वी यादव ने भाजपा और नीतीश कुमार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि सत्ता के लालच में जेडीयू -शेष पृष्ठ दो पर

ब्रिटेन के 58वें प्रधानमंत्री बने कीर स्टार्मर

लंदन (हि.स.)। ब्रिटेन के आम चुनाव में ऐतिहासिक जीत दर्ज कर लेबर पार्टी सरकार बनाने जा रही है। लेबर पार्टी के अध्यक्ष कीर स्टार्मर ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री होंगे। 650 संसदीय सीटों के लिए हुए मतदान में लेबर पार्टी ने अब तक 412 सीट और प्रधानमंत्री ऋषि सुनक की कंजर्वेटिव पार्टी ने 120 सीट हासिल की हैं। बाकी सीटों पर अन्य छोटे दलों के उम्मीदवार विजयी हुए हैं। इस चुनाव में कुल 392 पंजीकृत पार्टियां रहीं लेकिन मुख्य मुकाबला ऋषि सुनक की कंजर्वेटिव और मुख्य विपक्षी नेता कीर स्टार्मर की लेबर पार्टी के बीच हुआ। द गार्जियन की रिपोर्ट के अनुसार अब 17 सीटों के नतीजे आने ही शेष हैं। -शेष पृष्ठ दो पर

ऋषि सुनक ने जनादेश स्वीकारा राष्ट्र के नाम संबोधन में कार्यकाल की उपलब्धियां गिनाईं

लंदन (हि.स.)। ब्रिटेन के आम चुनाव में कंजर्वेटिव पार्टी की करारी हार को स्वीकार करते हुए प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने अपने छोटे कार्यकाल की उपलब्धियां गिनाईं और कहा कि उन्होंने मतदाताओं के गुस्से, निराशा और बदलाव की इच्छा को भी सुना है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री के आधिकारिक आवास 10, डाउनिंग स्ट्रीट के बाहर आज उन्होंने देश को -शेष पृष्ठ दो पर

भाजपा ने 24 राज्यों के लिए संगठन प्रभारियों की नियुक्ति की

नई दिल्ली (हि.स.)। लोकसभा चुनाव के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने संगठन में बड़ा फेर बदल किया है। शुक्रवार को पार्टी ने 24 राज्यों/ केंद्र शासित प्रदेशों के संगठन प्रभारियों और सह प्रभारियों में बदल या नई नियुक्ति की है। पार्टी कार्यालय से जारी विज्ञप्ति के अनुसार पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने नई नियुक्तियों की घोषणा की है। इसमें राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ को केंद्र शासित प्रदेश जम्मू एवं कश्मीर और लद्धाख का प्रभारी बनाया गया है। महासचिव विनोद तावड़े को बिहार का संगठन प्रभारी बनाया गया है और सांसद दीपक प्रकाश -शेष पृष्ठ दो पर

पीएम मोदी की टीम इंडिया से बातचीत, कहा-

हर्ष के आंसू बताते हैं कि पराजय के पल कितने कठिन रहे होंगे

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को अपने आवास पर टी-20 विश्व कप विजेता भारतीय क्रिकेट टीम के सदस्यों से मुलाकात की और हाल ही में अमेरिका और कैरेबिया में संपन्न आईसीसी प्रतियोगिता में उनके सफर पर चर्चा की। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने शुक्रवार को इस मुलाकात का वीडियो जारी किया। इसमें भारतीय क्रिकेट टीम के साथ बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि यह हमारे लिए खुशी की बात है कि आपने देश को उत्साह और उत्सव से भर दिया है और देशवासियों की सभी आशाओं और अपेक्षाओं को पूरा किया है। मेरी ओर से आपको बहुत-बहुत बधाई। प्रधानमंत्री ने मैच के दौरान भारतीय खिलाड़ियों की टीम भावना, प्रतिभा और धैर्य की सराहना की। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों में आत्मविश्वास नजर आ रहा था। मोदी ने कहा कि आप देश के युवाओं के लिए प्रेरणा हैं। मैच जीतने के बाद टीम इंडिया के कप्तान सहित अनेक खिलाड़ियों की आंखों के नम होने का स्मरण करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि हर्ष के आंसू बताते हैं कि पराजय के पल कितने कठिन रहे होंगे। प्रधानमंत्री ने 2028 यूएसए -शेष पृष्ठ दो पर

बदला : एक बार काटने के जवाब में शख्स से दो बार काटा, तड़प-तड़प कर मरा सांप

पटना। बिहार में एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया। यहां एक शख्स को पहले सांप ने काट लिया जिसके बाद बदला लेने के लिए, आदमी ने सांप को दो-तीन बार काट लिया, जिससे सांप की मृत्यु हो गई। यह अजीबोगरीब घटना नवादा के रजौली इलाके में घटी। रजौली में रेलवे लाइन प्रोजेक्ट पर काम करने वाला मजदूर संतोष लोहार मंगलवार की रात अपने बेस कैंप पर सो रहा था, तभी एक जहरीले सांप ने उसे काट लिया। घबराने के बजाय, क्रोधित संतोष ने सांप को लोहे की छड़ से पकड़ लिया और उसे एक बार नहीं बल्कि तीन बार काटा, जिससे अंततः सांप की मौत हो गई। जब उनसे उनकी असामान्य प्रतिक्रिया के बारे में पूछा गया, तो संतोष ने बताया कि मेरे गांव में, ऐसी मान्यता है कि -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact
97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc.
ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
Ph. : 94350-48866, 94018-06952

नागरिकों से सीजेआई की अपील, कहा-
लंबित मामलों के तत्काल समाधान के लिए विशेष लोक अदालतों का लाभ लें

नई दिल्ली। सर्वोच्च न्यायालय कोर्ट में लंबित मामलों के निपटारे के लिए विशेष लोक अदालत लगाएगा। इसी को लेकर मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने शुक्रवार को नागरिकों से आग्रह किया कि अपने विवादों के जल्द समाधान के लिए इसका लाभ लें। बता दें, उच्चतम न्यायालय के स्थापना के 75वें वर्ष में विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट ओर से जारी बयान में कहा गया है कि संविधान के लागू होने के साथ ही 26 जनवरी, 1950 को उच्चतम न्यायालय की स्थापना हुई थी। शीर्ष अदालत की बेवसाइट पर जारी वीडियो संदेश में सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट 29 जुलाई से तीन अगस्त तक एक विशेष लोक अदालत लगाने जा रहा है। इसका आयोजन सुप्रीम कोर्ट की स्थापना के 75वें वर्ष के उपलक्ष्य में किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि

सबसे जरूरी बात यह है कि न्यायाधीश काफी समय से लंबित पड़े मामलों की संख्या को लेकर परेशान हैं। उन्होंने कहा कि लोक अदालतें देश में न्याय प्रणाली का अभिन्न हिस्सा हैं, जो सौहार्दपूर्ण समाधान की प्रक्रिया तेज करके वैकल्पिक तरीके से विवाद निपटारा करती है। न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने कहा कि सभी सहयोगियों और सुप्रीम कोर्ट के कर्मचारियों की ओर से मैं उन सभी नागरिकों से अपील करता हूं कि जिन लोगों के सुप्रीम कोर्ट के समक्ष काफी समय से मामले लंबित हैं, वो इस मौके का लाभ उठाएं। जिला एवं सत्र न्यायाधीश नीरजा कुलवंत कलसन ने कहा था कि न्यायालय में लंबे समय से चलने वाले मामलों को केस से संबंधित पार्टियां यदि विशेष लोक अदालत के सामने रखना चाहती है तो वे स्थानीय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यालय में संपर्क कर सकती हैं। स्थानीय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यालय में ऑनलाइन या हाइब्रिड मोड के माध्यम से प्री-कंसिलीएटॉरी बैठकें आयोजित की जाएंगी। जिन मामलों में पार्टी सरकार है ऐसे मामले विशेष लोक अदालत में निपटाए जाने की संभावना है।

अमृतपाल सिंह और इंजीनियर राशिद ने लोस सांसद के रूप में ली शपथ

नई दिल्ली। जेल की सजा काट रहे अमृतपाल सिंह और कश्मीरी नेता शेख अब्दुल राशिद ने लोकसभा सदस्य के तौर पर शपथ ली। दरअसल, पुलिस ने दोनों को लोकसभा में शपथ लेने के लिए जेल से छूट दी थी। इसके बाद शुक्रवार को दोनों नेताओं ने लोकसभा सांसद के रूप में शपथ ली। शेख अब्दुल राशिद को इंजीनियर राशिद के नाम से भी जाना जाता है। वह दिल्ली की तिहाड़ जेल में सजा काट रहे हैं। इसके अलावा अमृतपाल सिंह असम के डिब्रूगढ़ की जेल में राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के तहत सजा काट रहे हैं। शुक्रवार की सुबह सुरक्षा कर्मचारियों के घेरे में दोनों नेताओं को संसद भवन लाया गया। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार दोनों सांसदों को लोकसभा के एक कमरे में पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। अमृतपाल सिंह ने हाल ही में संपन्न हुए लोकसभा चुनाव में खदूर साहिब से जीत हासिल की थी। इसके अलावा इंजीनियर राशिद ने बारामुला लोकसभा सीट से जीत हासिल की है। दोनों ही सांसद 18वीं लोकसभा में 24 जून और 25 जून को शपथ नहीं ले पाई थे। राशिद इंजीनियर को शपथ लेने के लिए पुलिस ने दो घंटे की छूट दी थी। इसमें तिहाड़ से संसद तक आने जाने का समय अलग से जोड़ा गया था। इसके अलावा अमृतपाल सिंह को असम से दिल्ली आने जाने और शपथ लेने के लिए चार दिन का समय दिया गया था। दोनों को सख्त निर्देश दिए गए थे कि इस समयावधि के दौरान मीडिया को संबोधित नहीं कर सकते। इसके अलावा यह भी निर्देश दिए गए थे कि दोनों के परिजन भी मीडिया में कोई बयान नहीं देंगे। खालिस्तानी समर्थक अमृतपाल सिंह *वारिस पंजाब दे* संगठन के प्रमुख हैं। उन्हें दिल्ली में अपने परिवार से मिलने की इजाजत दी गई थी। उधर, इंजीनियर राशिद के परिवार को उनके शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने की अनुमति दी गई थी।

मणिपुर पुलिस ने 51 लोगों को लिया हिरासत में

इंफाल (हिंस)। मणिपुर पुलिस ने राज्य के विभिन्न जिलों के संवेदनशील तथा दुर्गम इलाकों में सघन छापामारी तथा तलाशी अभियान चलाया। अभियान में कानून की अलग-अलग धाराओं के उल्लंघन के सिलसिले में 51 लोगों को हिरासत में लिया गया। पुलिस ने आज बताया कि आवश्यक वस्तुओं के साथ राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-37 पर 170 तथा राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-2 पर 253 वाहनों की आवाजाही सुनिश्चित की गई है। वाहनों की स्वतंत्र और सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए सभी संवेदनशील स्थानों पर कड़े सुरक्षा उपाय किए गए हैं। संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा बलों को व्यापक पैमाने पर तैनात किया गया है। पुलिस ने बताया कि पहाड़ी और घाटी दोनों में मणिपुर के विभिन्न जिलों में 124 नाके और जांच चौकियां स्थापित की गई हैं।

गुवाहाटी में अतिवृष्टि से बने बाढ़ के हालात, नाले के पानी में बच्चा बहा

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी में अतिवृष्टि से बाढ़ के हालात बन गए हैं। इसके कारण नाले में उफान मार रहे पानी में आठ साल का एक बच्चा बह गया। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि गुरुवार की रात राजधानी के चांदमारी थाना क्षेत्र के पूब ज्योतिनगर इलाके में यह बच्चा अचानक बाढ़ के पानी से भरे हुए नाले में गिर गया। शिशु की उम्र 8 वर्ष बताई गई है। वह

दूसरी कक्षा का छात्र था। परिवार वालों ने तत्काल ही बच्चे की तलाश की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। इसकी सूचना वहां नजदीक में सालबाड़ी में तैनात पुलिसकर्मियों को दी गई। एसडीआरएफ के जवानों ने आकर इधर-उधर बच्चे की तलाश की लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। समाचार लिखे जाने तक बच्चे के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल सकी है।

असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी की अनुशासन समिति का पुनर्गठन

गुवाहाटी (हिंस)। असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी की अनुशासन समिति का शुक्रवार को पुनर्गठन किया गया। नई अनुशासन समिति का अध्यक्ष वरिष्ठ कांग्रेस नेता और असम प्रदेश कांग्रेस समिति के उपाध्यक्ष नृपेन ठाकुरिया को बनाया गया है। असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी की एक अन्य उपाध्यक्ष बबीता शर्मा को समिति का सह अध्यक्ष नियुक्त किया गया। सिराजुल हुसैन सैकिया को समिति में सदस्य सचिव का प्रभार दिया गया है। विधायक भरत चंद्र नरह के समिति के अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने के बाद असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष भूपेन बोरा के निर्देशों पर नई समिति का गठन किया गया है।

महुआ मोइत्रा की अभद्र टिप्पणी पर भड़कीं महिला आयोग

नई दिल्ली। राष्ट्रीय महिला आयोग की प्रमुख रेखा शर्मा ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और दिल्ली पुलिस के कमिश्नर संजय अरोरा को उनके हाथरस दौरे पर टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा की कथित टिप्पणी पर पत्र लिखा है। बता दें कि इस वीडियो पर तृणमूल कांग्रेस सांसद ने लिखा था कि वह अपने बॉस का पजामा संभालने में बहुत व्यस्त हैं। वहीं भाजपा ने भी राष्ट्रीय महिला आयोग की प्रमुख रेखा शर्मा के बारे में टिप्पणी के लिए टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा पर निशाना साधते हुए उन्हें उनकी पार्टी से निकाले जाने की मांग की है। दरअसल तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा ने एक्स पर डाले गए एक वीडियो पर टिप्पणी की थी, जिसमें एनसीडब्ल्यू प्रमुख हाल ही में उत्तर प्रदेश के हाथरस में भगदड़ मचने के बाद घटनास्थल पर आती हुई दिख रही हैं।

ब्रह्मपुत्र के तटबंध पर भारी वाहन चलने पर रोक

लखीमपुर (हिंस)। ब्रह्मपुत्र नद में पानी के उछाल को देखते हुए इसके तटबंध पर भारी वाहन चलने पर रोक दिया गया है। खासकर जिले के ढकुवाखाना उप-मंडल का सुरक्षा कवच सीसी टेकेलीफुटा बांध है और इस पर होते हुए टेकेलीफुटा से लोटाचू तक हमेशा ही गाड़ियां चलती हैं। यह निर्देश लखीमपुर जिला आयुक्त और जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अध्यक्ष ने जारी किया। तत्काल प्रभाव से जारी निर्देश में नवनिर्मित ब्रह्मपुत्र पर बांध और टेकेलीफुटा से लोटाचू तक सड़क पर यात्री बसें, नाइट सुपर बसों, अल्ट्रा बसें, तेल टैंकर, ट्रक, डंपर, ट्रैक्टर ट्रेलर आदि जैसे भारी वाहनों की आवाजाही पर पूरी तरह से रोक लगा दी गई है। यह प्रतिबंध आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 की धारा 34 (बी) के तहत जन सुरक्षा और बांध की संरचनात्मक स्थिरता के हित में लगाया गया है। क्योंकि भारी

APOLLO HOSPITALS CHENNAI
ORTHOPAEDIC SURGEON
DR. ARUN KANNAN
MS Ortho(aims),FAOA(Aus),FARS(USA) Fellowship in Hip and Knee/Tumors (Minneapolis, USA) &Hip & Knee Replacement (Richmond, USA)
Will be available only for consultation at Guwahati
on 20th July'2024(3.00 PM- 7.00 PM)
Specialized in Computer Assisted Orthopaedic Surgery,Hip & Knee replacement, Arthroscopic Surgery,Modern Fracture treatment,Spine Surgeries, Back Pain related problems can register their names at:
APOLLO HOSPITALS REGIONAL OFFICE
Rajgarh Main Road, Opp-By Lane -10
Ph :8404037649, 03613102669, 0361-3102166

पृष्ठ एक का शेष

बाढ़ से हाल बेहाल...

स्थापित राहत शिविर का दौरा किया, जिसमें 173 व्यक्तियों को रखा गया था और खोवांग हायर सेकेंडरी स्कूल में, जहां 380 बाढ़ प्रभावित निवासियों को आश्रय दिया गया है। उन्होंने उनकी दैनिक आवश्यकताओं की समीक्षा की और जिला प्रशासन को चिकित्सा सुविधाएं, सुरक्षित पेयजल और कपड़े जैसी आवश्यक वस्तुओं की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। इसके अतिरिक्त, मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि राहत सामग्री वितरित करने के अलावा, बाढ़ पीड़ितों के क्षतिग्रस्त घरों की मरम्मत या पुनर्निर्माण के लिए आवश्यक उपाय तुरंत किए जाएंगे। उन्होंने आगे कहा कि हम डिब्रूगढ़ शहर में बाढ़ की समस्या का समाधान निकालने के लिए विशेषज्ञों और स्थानीय निवासियों को शामिल करेंगे। स्थानीय लोगों ने मुख्यमंत्री से बिजली आपूर्ति बहाल करने का आग्रह किया, उन्होंने बताया कि यह सुनिश्चित करने के लिए बिजली बंद कर दी गई थी कि बिजली के झटके के कारण कोई दुर्घटना न हो। इसके बाद, हिमंत विश्व शर्मा ने उपायुक्त को सार्वजनिक एलान करके बिजली आपूर्ति बहाल करने का निर्देश दिया ताकि लोग सतर्क रहें। एक रिपोर्ट के अनुसार, असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) के अधिकारियों के अनुसार, पिछले 24 घंटों में दो बच्चों सहित कम से कम छह लोग डूब गए। रिपोर्ट में बताया गया है कि बाढ़ से कम से कम 11,20,165 जानवर भी प्रभावित हुए हैं। प्रशासन ने बाढ़ से प्रभावित 3.86 लाख से अधिक लोगों के लिए लगभग 515 राहत शिविर और वितरण केंद्र स्थापित किए हैं। मालूम हो कि राज्य में इस साल बाढ़, भूस्खलन और तूफान में मरने वालों की संख्या बढ़कर 56 हो गई है तथा तीन अन्य लोग लापता हैं। असम में जारी बाढ़ के संकट के कारण धुबड़ी में सबसे ज्यादा 6,48,806 लोग प्रभावित हैं, इसके बाद दरंग में लगभग 1,90,261 लोग और कछार में 1,45,926 लोग प्रभावित हैं। वर्तमान में, 39,338 प्रभावित लोगों ने 698 राहत शिविरों में शरण ली हुई हैं। वहीं, 7,24,322 लोगों को राहत-सामाग्री उपलब्ध कराई जा चुकी है। ब्रह्मपुत्र, डिगारू और कोलोंग नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। वहीं, कामरूप (मेट्रो) जिले में अलर्ट जारी किया गया है। ब्रह्मपुत्र नदी निमातीघाट, तेजपुर, गुवाहाटी, ग्वालपाड़ा और धुबड़ी में खतरे के निशान से ऊपर बह रही है।

गुवाहाटी में भूस्खलन...

इससे पहले ही उसकी बेटे और पत्नी की भूस्खलन की वजह से मौत हो गई। घटना की खबर मिलते ही मौके पर पहुंचे मजिस्ट्रेट के मौजूदगी में पुलिस ने दोनों शवों का पंचनामा कराकर पोस्टमार्टम के लिए गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल भेज दिया। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

अपने ही पिता ...

कमजोर होने के कारण तटबंध टूट जाते हैं। गौरव गोगोई के आरोपों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री डॉ शर्मा ने कहा कि तरुण गोगोई के समय में बने हुए तटबंधों को लेकर गौरव गोगोई बात कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस के समय में बनाए गए तटबंधों की स्थिति अच्छी नहीं है, यह स्वयं गौरव को ही कह रहे हैं। मुख्यमंत्री आज बाढ़ की स्थिति का निरीक्षण करने के बाद यहां पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे।

सावधान! 15 राज्यों ...

का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। पूरे जुलाई महीने में दिल्ली में बारिश का यलो अलर्ट रहेगा। राजधानी में 28 जून को मानसून ने दस्तक दी थी। हिमाचल प्रदेश में मानसून की बारिश के कारण हालात खराब हो गए हैं। शिमला समेत कई जिलों में बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। मौसम विभाग ने हिमाचल में बारिश और बिजली गिरने का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मंडी, चंबा, सोलन, कांगड़ा समेत कई जिलों में 100 से ज्यादा सड़कें ब्लॉक हैं। चंडीगढ़-मनाली हाईवे लैंडस्लाइड के कारण धंस गया है, जिससे केवल वन-वे ट्रैफिक ही संभव है। मौसम विभाग ने प्रदेशवासियों को पहाड़ी इलाकों में नहीं जाने की सलाह दी है और टूरिस्टों से अपील की है कि वे अभी हिमाचल का ट्रिप न बनाएं। उत्तराखंड में मानसून की बारिश के कारण लैंडस्लाइड की घटनाएं हो रही हैं। प्रदेश सरकार ने भारी बारिश के रेड अलर्ट को देखते हुए स्कूल बंद करने के आदेश दिए हैं। पौड़ी और नैनीताल में स्कूल एक जुलाई से ही बंद हैं। गढ़वाल और कुमाऊं में बारिश के कारण बद्रीनाथ हाईवे पर लैंडस्लाइड हुआ, जिससे चारधाम यात्रा बाधित हुई है। पिथौरागढ़ जिले में चट्टान दरकने से हाईवे ब्लॉक है और चीन-तिब्बत बॉर्डर तक जाने वाली सड़कों को नुकसान पहुंचा है। मौसम विभाग ने चारधाम यात्रियों को संभलकर यात्रा करने की सलाह दी है। देशभर में मानसून की बारिश ने राहत के साथ-साथ परेशानियों का भी सामना कराया है। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में भी भारी बारिश की संभावना है, जिससे जनजीवन प्रभावित हो सकता है।

काजीरंगा राष्ट्रीय ...

जबकि 31 अन्य पशुओं को इलाज के बाद छोड़ दिया गया है। काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में बुधवार तक डूबने के कारण 11 पशुओं की मौत हो गयी थी जबकि 65 अन्य को बाढ़ प्रभावित क्षेत्र से बचाया गया था। इस बीच, एक रॉयल बंगाल टाइगर बाढ़ग्रस्त पार्क से भटककर नागांव जिले के एकगांव में पहुंच गया और वन अधिकारी उसे बेहोश करने की कोशिश कर रहे हैं। किसी भी अप्रिय घटना को रोकने तथा गांव में दहशत के माहौल को देखते हुए लोगों को नियंत्रित करने के लिए पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया है। अधिकारी ने बताया कि पूर्वी असम वन्यजीव प्रभाग में कुल 233 शिविर में से 141 अब भी जलमग्न हैं।

अगस्त तक गिर ...

ने अपनी विचारधारा से समझौता कर लिया। आरजेडी ही एकमात्र ऐसी पार्टी है, जिसने न तो समझौता किया और न ही भाजपा के सामने घुटने टेके। तेजस्वी ने कहा कि सत्ता में होना सबसे बड़ी बात नहीं है। हम गरीबों और वंचितों के लिए लड़ाई लड़ रहे हैं। हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव में हमारा वोट शेयर 9 फीसदी बढ़ा है, जबकि एनडीए का वोट शेयर 6 प्रतिशत कम हुआ है। आरजेडी ने 4 सीटें जीती हैं। हम और भी जीत सकते थे। हालांकि, हमारे गठबंधन ने इस चुनाव में 9 सीटें जीती हैं। राज्य में नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली सरकार पर हमला बोलते हुए तेजस्वी ने कहा कि लोग कहते हैं कि डबल इंजन की सरकार है। करीब 20 दिन के अंदर 1 दर्जन से अधिक पुल गिर चुके हैं। कई रेल दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। बिहार में अपराध चरम पर है। पेपर लीक हो रहा है। इन सबके बावजूद डबल इंजन सरकार के लोग इस पर बोलने के लिए तैयार नहीं हैं। राजद नेता ने कहा कि अगर ये लोग बोलते हैं तो कहते हैं कि सब तेजस्वी ने किया है। मैं मुख्यमंत्री और भाजपा के नेताओं को चुनौती देता हूं कि जो-जो पुल गिरे हैं उनकी स्वीकृति, टेंडर, शिलान्यास, उद्घाटन की तिथि जारी कर दें, सब दूध का दूध और पानी हो जाएगा।

ब्रिटेन के 58वें ...

वर्ष 1997 में तत्कालीन प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर के नेतृत्व में लेबर पार्टी ने कुछ ऐसा ही प्रदर्शन किया था। उसे कीर स्टार्मर ने दुहरा दिया। कीर स्टार्मर आज दोपहर प्रधानमंत्री के रूप में राष्ट्र को संबोधित करेंगे। उम्मीद है कि ऋषि सुनक प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने के लिए बकिंघम पैलेस जाने से पहले 10, डाउनिंग स्ट्रीट के बाहर एक बयान देंगे। उधर ब्रिटेन के प्रधानमंत्री और कंजर्वेटिव पार्टी के नेता ऋषि सुनक ने आम चुनाव में अपनी हार मान ली। उन्होंने लेबर पार्टी के नेता कीर स्टार्मर को जीत के लिए बधाई दी है। ब्रिटेन में लेबर पार्टी 14 साल बाद सत्ता में वापसी करने जा रही है। लेबर पार्टी सरकार बनाने के लिए जरूरी 326 सीटों का आंकड़ा पार कर चुकी है। प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने अपने पहले बयान में इस्तीफा देने की भी घोषणा की है। चुनाव परिणाम के अब तक के रुझानों में कीर स्टार्मर के नेतृत्व में लेबर पार्टी 1997 वाली बड़ी जीत की तरफ बढ़ रही है। लेबर पार्टी अभी तक 352 सीटें जीत चुकी है। मौजूदा प्रधानमंत्री ऋषि सुनक की कंजर्वेटिव पार्टी 74 सीटें ही अभी तक जीत सकी है। ब्रिटेन का नया प्रधानमंत्री लेबर पार्टी के स्टार्मर का बनना तय है। स्टार्मर साल 2020 में जर्मी कोर्बिन की जगह लेबर पार्टी के नए नेता चुने गए थे। एग्जिट पोल में ब्रिटेन की कुल 650 सीटों में से 410 सीट लेबर पार्टी को और कंजर्वेटिव पार्टी को 131 सीटें मिलने का अनुमान जताया गया है। ब्रिटेन के रक्षामंत्री ग्रांट शैप्स अपनी सीट हार गए हैं। ग्रांट अब तक हारने वाले सबसे वरिष्ठ कंजर्वेटिव कैबिनेट सदस्य बन गए हैं। शैप्स को लेबर के एंड्रयू लेविन ने दक्षिणी इंग्लैंड के वेल्विन हैटफील्ड निर्वाचन क्षेत्र से हराया।

ऋषि सुनक ने जनादेश ...

संबोधित किया। इस मौके पर उनकी पत्नी अक्षता मूर्ति भी मौजूद रहीं। सुनक ने प्रधानमंत्री पद से अपने इस्तीफे की पुष्टि करते हुए कहा कि देश से मैं सबसे पहले कहना चाहूंगा कि मुझे खेद है। आपने स्पष्ट संकेत दिया है कि यूनाइटेड किंगडम की सरकार को बदलना होगा। आपका ही निर्णय मायने रखता है। मैंने आपका गुस्सा और आपकी निराशा सुनी है। मैं इसकी जिम्मेदारी लेता हूं। उन्होंने कहा कि उत्तराधिकारी के चयन की व्यवस्था हो जाने के बाद वे कंजर्वेटिव नेता के रूप में पद छोड़ देंगे। ऐसी संभावना है कि पार्टी केवल 121 से अधिक सीटें जीत पाएगी, जो पार्टी के इतिहास में सबसे खराब परिणाम है। कीर स्टार्मर की शानदार जीत पर बधाई देते हुए सुनक ने कहा कि मैं उन्हें और उनके परिवार को शुभकामनाएं देता हूं। चुनाव में हमारी चाहे जो भी असहमति रही हों, वह सभ्य, सार्वजनिक-उत्साही व्यक्ति हैं। उनका मैं सम्मान करता हूं। उम्मीद है कीर और उनका परिवार इस इमारत के दरवाजे के पीछे नए जीवन में बड़ा परिवर्तन महसूस करेंगे। सुनक ने कहा अब हमें देश के पुनर्निर्माण के लिए विपक्ष में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी। उन्होंने पार्टी उम्मीदवारों और प्रचारकों से माफी भी मांगी। कहा कि मुझे आपकी उम्मीदों के अनुरूप परिणाम नहीं दे पाने का खेद है। यह सोचकर दुख होता है कि उनके कुछ अच्छे सहयोगी अब हाउस ऑफ कॉमंस में नहीं बैठेंगे। देश को संबोधित करने से पहले ऋषि सुनक परंपरा के अनुरूप सम्राट से मिलने बकिंघम पैलेस पहुंचे। ब्रिटेन के पहले ब्रिटिश-एशियाई प्रधानमंत्री के रूप में अपनी ऐतिहासिक उपलब्धि का उल्लेख करते हुए सुनक ने कहा कि ब्रिटेन के बारे में सबसे विशेष बात यह है कि मैं दादा-दादी के आने के दो पीढ़ियों के बाद भी सामान्य व्यक्ति से प्रधानमंत्री के पद तक पहुंच सका। मैंने अपनी दो बेटियों को डाउनिंग स्ट्रीट की सीढ़ियों में दीपावली पर मोमबत्तियां जलाते हुए देखा। हमें ब्रिटेन के दयालुता, शालीनता और सहिष्णुता के दृष्टिकोण को कभी नहीं भूलना चाहिए। उल्लेखनीय है कि भारतीय मूल के ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने उत्तरी इंग्लैंड में रिचमंड एवं नॉर्थलेरटन सीट पर 23,059 वोट के अंतर के साथ दोबारा जीत हासिल की है। मगर वह देश में 14 साल की सरकार के बाद अपनी पार्टी को दोबारा जीत हासिल कराने में विफल रहे।

भाजपा ने 24 राज्यों ...

को सहप्रभारी बनाया गया है। अंडमान और निकोबार में रघुनाथ कुलकर्णी को प्रभारी बनाया गया है। अरुणाचल प्रदेश में विधायक अशोक सिंघल को प्रभारी बनाया गया है। छत्तीसगढ़ में विधायक नितिन नबीन को प्रभारी बनाया गया है। गोवा में आशीष सूद को प्रभारी बनाया गया है। हरियाणा में डॉ. सतीश पूनिया को प्रभारी और सुरेंद्र सिंह नागर को सह प्रभारी बनाया गया है। हिमाचल में विधायक श्रीकांत शर्मा को प्रभारी बनाया गया है और संजय टंडन को सह प्रभारी बनाया गया है। महासचिव डॉ. राधा मोहन अग्रवाल को कर्नाटक का प्रभारी बनाया गया है। पूर्व मंत्री प्रकाश जावड़ेकर को केरल का प्रभारी बनाया गया है और अपराजिता सारंगी को सह प्रभारी बनाया गया है। पंजाब में विजयभाई रूपाणी को प्रभारी बनाया गया है। उत्तराखंड में दुष्यंत कुमार गौतम को प्रभारी और रेखा वर्मा को सह प्रभारी बनाया गया है। नागालैंड और मेघालय में अनिल एंटनी को प्रभारी बनाया गया है। झारखंड में लक्ष्मीकांत बाजपेयी को प्रभारी बनाया गया है। मध्य प्रदेश में एमएलसी महेंद्र सिंह को प्रभारी और सतीश उपाध्याय को सह प्रभारी बनाया गया है। ओडिशा में विजयपाल सिंह तोमर को प्रभारी बनाया गया है। यह सभी नियुक्तियां तत्काल प्रभाव से लागू होंगी।

हर्ष के आंसू बताते हैं ...

ओलंपिक को लेकर सवाल किया कि क्रिकेट को ओलंपिक में स्थान मिल चुका है। ऐसे में विश्व कप से ज्यादा लोगों का ध्यान उस पर होगा। इस पर आपकी तैयारी कैसी होगी। इस पर कोच राहुल द्रविड़ ने कहा कि क्रिकेटरों को पहली बार ओलंपिक में खेलने का मौका मिलेगा यह अपने आप में बड़ी बात है। प्रधानमंत्री मोदी से बातचीत के दौरान भारतीय क्रिकेट टीम के कोच राहुल द्रविड़ ने कहा कि मैं आपका शुक्रिया अदा करना चाहूंगा कि आपने हमें आपसे मिलने का मौका दिया। उन्होंने नवंबर में अहमदाबाद मैच के कठिन समय के दौरान प्रधानमंत्री से मुलाकात को भी याद किया। उन्होंने कहा कि अहमदाबाद में जब हम मैच हारे थे, हमारा समय उतना अच्छा नहीं था आप उस समय वहां भी आए थे, इसलिए हम बहुत खुश हैं कि हम आज इस खुशी के मौके पर आपसे मिल पाए। मैं बस इतना कहना चाहूंगा कि रोहित और इन सभी लड़कों ने जो जुझारूपन दिखाया है, जो कभी हार न मानने वाला रवैया दिखाया है, वह बहुत मायने रखता है, इसका श्रेय लड़कों को जाता है, उन्होंने इसके लिए बहुत मेहनत की है। यह बहुत खुशी की बात है कि इन लड़कों ने युवा पीढ़ी को प्रेरित किया है। मैच जीतने के बाद मैदान की मिट्टी को चूमने के वीडियो को दिखाते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि वह इस पल के पीछे के मन को जानना चाहता हूं। ट्रॉफी लेने के दौरान कुछ अलग अंदाज में चलकर आने का कारण भी पूछा। इस पर रोहित शर्मा ने कहा कि वह इस जीत के पल को यादगार बनाना चाहते थे। कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि हम सभी ने इस जीत के लिए बहुत इंतजार किया था, इसके लिए बहुत मेहनत की थी। कई बार हम विश्व कप जीतने के बहुत करीब पहुंच गए थे, लेकिन हम आगे नहीं बढ़ पाए, लेकिन इस बार सभी की वजह से हम यह हासिल कर पाए। ट्रॉफी लेने के लिए विशेष अंदाज में जाने का विचार युजवेंद्र चहल और कुलदीप यादव का आईडिया था। ऋषभ पंत के दुर्घटना में घायल होने के बाद मैदान पर लौटने के लिए प्रधानमंत्री ने पंत की सराहना की। प्रधानमंत्री से बातचीत के दौरान ऋषभ पंत ने कहा कि डेढ़ साल पहले मेरा एक्सीडेंट हुआ था, तो मैं बहुत मुश्किल दौर से गुजर रहा था, मुझे वो बहुत अच्छे से याद है क्योंकि आपका फोन मेरी मां के पास आया था और मेरी मां ने मुझे बताया था कि सर ने कहा है कि कोई दिक्कत नहीं है, तब मैं मानसिक रूप से थोड़ा शांत हुआ था। उसके बाद रिकवरी के दौरान मैं लोगों से सुनता था कि क्या मैं कभी क्रिकेट खेल पाऊंगा या नहीं, तो पिछले डेढ़ साल से मैं सोच रहा था कि मुझे मैदान पर वापस आना चाहिए और जो मैं कर रहा था उससे बेहतर करना चाहिए। पीएम मोदी से बातचीत के दौरान विराट कोहली ने कहा कि हम सभी को यहां बुलाने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद और यह दिन हमेशा मेरे दिमाग में रहेगा क्योंकि इस पूरे टूर्नामेंट में मैं वो योगदान नहीं दे पाया जो मैं देना चाहता था और एक समय मैंने राहुल भाई से भी कहा था कि मैंने अभी तक खुद और टीम दोनों को न्याय नहीं दिया है। तो उन्होंने मुझसे कहा कि जब स्थिति आएगी तो मुझे यकीन है कि तुम फॉर्म में आ जाओगे। जब हम खेलने गए तो मैंने रोहित से कहा कि मुझे इतना भरोसा नहीं था कि मैं जिस तरह से बल्लेबाजी करना चाहता हूं, कर पाऊंगा। जब हम खेलने गए तो मैंने पहली 4 गेंदों पर 3 चौके खाए तो मैंने जाकर उनसे कहा कि ये कैसा खेल है, एक दिन ऐसा लगता है कि एक भी रन नहीं बनेगा और फिर दूसरा दिन आता है और सब कुछ होने लगता है। पीएम मोदी से बातचीत के दौरान जसप्रीत बुमराह ने कहा कि जब भी मैं भारत के लिए गेंदबाजी करता हूं, तो मैं बहुत ही महत्वपूर्ण चरणों में गेंदबाजी करता हूं। जब भी स्थिति कठिन होती है, मुझे उस स्थिति में गेंदबाजी करनी होती है। इसलिए मुझे बहुत अच्छा लगता है जब मैं टीम की मदद करने में सक्षम होता हूं और अगर मैं किसी भी कठिन परिस्थिति से मैच जीतने में सक्षम होता हूं, तो मुझे बहुत आत्मविश्वास मिलता है और मैं उस आत्मविश्वास को आगे भी ले जाता हूं। विशेष रूप से इस टूर्नामेंट में, ऐसी कई परिस्थितियां थीं जहां मुझे कठिन ओवर करने थे और मैं टीम की मदद करने और मैच जीतने में सक्षम था। प्रधानमंत्री से बातचीत के दौरान क्रिकेटर हार्दिक पांड्या ने कहा कि पिछले 6 महीने मेरे लिए बहुत मनोरंजक रहे हैं, बहुत सारे उतार-चढ़ाव आए और जनता ने मुझे बुइंग किया। बहुत सारी चीजें हुईं और मुझे हमेशा लगता था कि अगर मैं कोई जवाब दूंगा, तो वह खेल के माध्यम से दूंगा इसलिए मुझे विश्वास था कि मैं मजबूत रहूंगा, कड़ी मेहनत करूंगा। सूर्यकुमार यादव ने गेम चेंजिंग कैच पकड़ने पर कहा कि उस पल मुझे नहीं लगता था कि मैं गेंद पकड़ पाऊंगा या नहीं और एक बार जब गेंद मेरे हाथ में आई, तो मुझे उसे उठाकर दूसरी तरफ पास करना था। हमने इस तरह का काफी अभ्यास किया था। प्रधानमंत्री ने इस कैच को पकड़ने के लिए सूर्यकुमार यादव की तारीफ की।

बदला : एक बार ...

यदि कोई सांप आपको काटता है, तो जहर को बेअसर करने के लिए आपको उसे दो बार काटना होगा। स्थानीय ज्ञान की इस अनोखी बात ने ही संतोष को इतनी कठोर कार्रवाई करने के लिए प्रेरित किया। घटना की सूचना मिलते ही रेलवे अधिकारियों ने संतोष को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। इस असामान्य घटना की खबर तेजी से फैल गई और संतोष की एक झलक पाने और उसकी कहानी सुनने के लिए अस्पताल में भीड़ जमा हो गई। कई स्थानीय लोगों ने अनुमान लगाया कि सांप जहरीला नहीं होगा, अन्यथा संतोष की जान को गंभीर खतरा हो सकता था। उनका इलाज कर रहे चिकित्सक डॉ.सतीश चंद्रा के मुताबिक, झारखंड के रहने वाले संतोष की हालत अब ठीक हो रही है और वह खतरे से बाहर हैं।

टीम इंडिया के विजय ...

इन खिलाड़ियों का स्वागत मुंबई एयरपोर्ट से नरीमन प्वाइंट तक सड़कों पर दोनों ओर खड़े प्रशंसकों ने किया। इसके बाद टीम इंडिया के रण बांकुरों ने ओपन बस पर मरीन ड्राइव से वानखेड़े स्टेडियम तक विजय जुलूस निकाला। इस दौरान यहां जमा लाखों प्रशंसकों में भगदड़ मच गई थी, जिससे 11 लोग घायल हो गए। हर्षोल्लास और बारिश के कारण मरीन ड्राइव चौपाटी पर भारी संख्या में चप्पलें छूट गईं, जिसे सफाईकर्मियों ने आज सुबह साफ किया।

बिहार में पुल...

लगातार पुल गिरने के मामले ने प्रदेश में सियासी तुफान ला दिया है। जहां तेजस्वी यादव एनडीए सरकार को इसके लिए जिम्मेदार ठहरा रहे हैं, वहीं बिहार सरकार के मंत्री अशोक कुमार चौधरी ने तेजस्वी पर ही हमला बोल दिया है। उन्होंने कहा कि अच्छी पुल रखरखाव नीति लागू नहीं करने के लिए तत्कालीन डिप्टी सीएम तेजस्वी प्रसाद यादव जिम्मेदार हैं।

मंत्री रंजीत कुमार दास ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का किया दौरा, वित्तीय सहायता प्रदान की

गुवाहाटी। संरक्षक मंत्री रणजीत कुमार दास ने अतिरिक्त जिला आयुक्त (राहत और आपदा प्रबंधन) तिनसुकिया, मार्घेरिटा उप मंडल अधिकारी (नागरिक) और मार्घेरिटा सर्कल अधिकारी के साथ शुक्रवार को मार्घेरिटा राजस्व सर्कल के तहत विभिन्न बाढ़ राहत शिविरों का दौरा किया क्योंकि उनका उद्देश्य उपखंड में चल रही बाढ़ की स्थिति का आकलन करना और राहत सामग्री का कुशल वितरण सुनिश्चित करना था। अपने दौरे के दौरान मंत्री रणजीत कुमार दास ने दिवंगत बिक्की किशन के परिवार के सदस्यों को 4 लाख की अनुग्रह राशि वितरित की, जिनकी 2 जुलाई को मार्गेरिटा के एक आश्रय शिविर में दुखद मृत्यु हो गई थी। पिछले कुछ दिनों में अत्यधिक बारिश के कारण बुरहीदेहिंग और तिरप नदियां अपने खतरे के निशान से 3.06 मीटर और 2.29 मीटर ऊपर बह गईं, जिससे निवासियों के लिए गंभीर खतरा पैदा हो गया और उन्हें खतरनाक तरीके से आपदा की ओर धकेल दिया गया। स्थानीय रिपोर्टों के अनुसार, मार्गेरिटा में 1995/96

के बाद से इतनी भयंकर बाढ़ नहीं आई थी, जिससे स्थानीय लोगों को अचानक झटका लगा। मार्गेरिटा में स्थापित 47 राहत शिविरों में से 20 शिविर बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के वयस्कों और नाबालिगों को सक्रिय रूप से आश्रय प्रदान कर रहे हैं। इन शिविरों में चिकित्सा सहायता, स्वच्छ जल और पोषण जैसी आवश्यक आपूर्तियां उपलब्ध हैं, ताकि बाढ़ से प्रभावित लोगों की भलाई सुनिश्चित की जा सके। इस तबाही के बीच भी समुदाय ने उल्लेखनीय लचीलापन और एकता का प्रदर्शन किया है। प्रशासन के आपातकालीन प्रत्युत्तरकर्ताओं के दृढ़ प्रयास और निवासियों का सामूहिक समर्थन इस क्षेत्र के लिए आशा की किरण के रूप में खड़ा है, जो पुनर्प्राप्ति और पुनर्निर्माण की दिशा में एक मार्ग का वादा करता है। संरक्षक मंत्री रंजीत कुमार दास और उनकी टीम का दौरा प्राकृतिक आपदाओं से उत्पन्न चुनौतियों का समाधान करने और प्रभावित समुदायों को समय पर सहायता प्रदान करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है और राहत प्रयासों में तेजी आने के साथ ही मार्गेरिटा प्रतिकूल परिस्थितियों पर काबू पाने और पहले से अधिक मजबूत होकर उभरने के अपने संकल्प पर अडिग है।

दो शातिर महिला ने ज्वैलरी दुकान से उड़ाया ब्रासलेट

नगांव (निसं)। शहर के सदर थाना अंतर्गत मारवाड़ी पट्टी स्थित एक स्वर्ण आभूषण की दुकान से एक सोने की ब्रासलेट उड़ा लेने का दो सातीर महिला पर आरोप लगाया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार बीकानेर जेम्स एंड ज्वैलरी नामक प्रतिष्ठान की ओर से सदर थाने में एक चोरी का मामला दर्ज करवाते हुएं शिकायत की है तीन जुलाई को दो महिलाएं ग्राहक बन कर दुकान में आई और जल्दीबाजी आभूषण देखने लगी और बाद में बिना कुछ खरीदारी किए बिना चली गई। शाम को जब स्टाक मिलाया गया तो 26.34 ग्राम एक सोने का ब्रासलेट गायब था। जिसका मूल्य दो से ढाई लाख के बीच बताया गया है। प्रतिष्ठान ने आरोपी दोनों महिलाओं के फोटो सीसीटीवी से निकाल लियें है। इस आशय की जानकारी प्रतिष्ठान के हिमांशु माहेश्वरी ने देते हुए बताया कि दोनो आरोपी महिला शाम 4.55 मिनट पर दुकान में आई और 5.06 मिनट पर दुकान से निकल गई। इन 11 मिनट में वो अपना काम सेल्स गर्ल को चकमा देकर भाग गई। मामला थाना में दर्ज करवा दिया गया है और पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

काजीरंगा में शाम 4 बजे से सुबह 8 तक ट्रकों के प्रवेश पर रोक

गोलाघाट (हिंस)। काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में वन्य प्राणियों की आवाजाही के मद्देनजर व्यावसायिक ट्रकों के प्रवेश को लेकर समय सीमा निर्धारित कर दी गई है। गोलाघाट के पुलिस अधीक्षक ने शुक्रवार को जारी आदेश में कहा है कि शाम 4 बजे से लेकर सुबह 8 बजे तक काजीरंगा नेशनल पार्क में कोई भी वाणिज्यिक ट्रक प्रवेश नहीं कर सकेंगे। ऊपरी असम की ओर से आनेवाले वाणिज्यिक ट्रक नुमलीगढ़ से सुबह 7 बजे से दोपहर 3 तक काजीरंगा में प्रवेश कर सकेंगे। इनके अलावा निचले और मध्य असम की ओर से आने वाले ट्रक पानबाड़ी, बोकाखात तथा बागड़ी से सुबह 8 बजे से शाम 4 तक ही काजीरंगा में प्रवेश कर सकेंगे। इसके बाद इनका प्रवेश पूरी तरह से स्थगित रहेगा। आदेश में कहा गया है कि छोटी गाड़ियां तथा यात्री बसें हर समय निर्धारित गतिसीमा और पुलिस एवं वन सुरक्षाकर्मियों के मार्गदर्शन में काजीरंगा होकर आवाजाही कर सकेंगे। काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में बाढ़ का पानी घुस जाने के कारण इसका अधिकांश इलाका डूब चुका है। इसके वन्य प्राणी अभ्यारण्य से निकलकर सड़क पार करके कार्बी आंग्लांग की ओर जाते हैं। इनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस अधीक्षक द्वारा यह निर्देश जारी किया गया है।

जल जमाव की वजह से राष्ट्रीय राजमार्ग 6 और 27 पर यातायात प्रभावित

गुवाहाटी (हिंस)। राज्य में कई दिनों से हो रही लगातार बारिश की वजह से जोराबाट तिनाली और इसके आसपास के इलाके में शुक्रवार को राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 27 और 6 से गुजरने वाले वाहन चालकों को काफी मुसीबत का सामना करना पड़ा। हल्की सी बरसात के बाद जोराबाट तिनाली और इसके आसपास इलाकों में जल जमाव की समस्या उत्पन्न हो जाती है। शुक्रवार सुबह मूसलाधार बरसात के बाद जोराबाट तिनाली, 11 माइल, 10 माइल 9 माइल 8 माइल आदि इलाके में राष्ट्रीय राजमार्ग पर जल जमाव की समस्या उत्पन्न हो गयी। जल भराव की वजह से इस मार्ग से गुजरने वाले वाहन चालकों को काफी मुसीबतों का सामना करना पड़ा। स्थानीय लोगों का कहना है कि राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण के समय सड़क के दोनों ओर नालों का सही तरीके से निर्माण नहीं किया गया, जिसकी वजह से आए दिन हल्की सी बरसात के बाद जल भराव की समस्या इलाके में उत्पन्न हो जाती है। स्थानीय लोगों ने कहा कि अवैध तरीके से राष्ट्रीय राजमार्ग के आसपास में पहाड़ों की कटाई की वजह से पहाड़ों की लाल मिट्टी बरसात में बहकर नालों में आ जाती है।

इंफाल में रथ यात्रा के लिए तैयार रथ पर गोलीबारी

इंफाल (हिंस)। इम्फाल में रथ यात्रा उत्सव के लिए तैयार किए जा रहे रथ पर अज्ञात हथियारबंद बदमाशों ने शुक्रवार तड़के हमला कर दिया। यह हमला इंफाल ईस्ट कोनुंग क्रॉसिंग के पास हुई। मणिपुर पुलिस ने आज बताया कि बदमाश एडवांस हॉस्पिटल की ओर से एक कार में आए और वहां खड़े रथ पर दो राउंड फायरिंग करके पैलेस गेट की ओर भाग गए। सूचना पाकर पहुंची इम्फाल ईस्ट पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी। उल्लेखनीय है कि आठ जून को रथयात्रा कार्यक्रम आयोजित किया जाना है। इस घटना के पीछे कौन लोग हैं इसकी जानकारी अभी तक नहीं मिल सकी है।

डिब्रूगढ़ जिला प्रशासन ने बाढ़ प्रभावित निवासियों को पहुंचाई राहत सामग्री

डिब्रूगढ़। डिब्रूगढ़ में आई विनाशकारी बाढ़ के बाद, जिला प्रशासन ने प्रभावित निवासियों को आवश्यक राहत प्रदान करने के लिए तेजी से काम किया है। नगर निगम के मेयर सैकत पात्रा के मार्गदर्शन में, कृत्रिम बाढ़ से बुरी तरह प्रभावित लोगों की सहायता के लिए आज एक महत्वपूर्ण वितरण अभियान शुरू किया गया। डिब्रूगढ़ नगर निगम द्वारा समन्वित वितरण अभियान का उद्देश्य वार्ड नंबर 14 के निवासियों को होने वाली कठिनाइयों को कम करना था। बड़ी संख्या में बाढ़ पीड़ितों के बीच चावल, दाल, नमक, खाना पकाने का तेल, मोमबत्तियां और अन्य आवश्यक सामग्री वितरित की गई। इस अवसर पर बोलते

हुए, नगर निगम के महापौर सैकत पात्रा ने इस चुनौतीपूर्ण समय में सबसे अधिक जरूरतमंद लोगों तक राहत पहुंचाने के लिए प्रशासन की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। यह पहल जिले भर में बाढ़ प्रभावित समुदायों को सहायता और पुनर्वास प्रदान करने के लिए चल रहे प्रयासों में एक महत्वपूर्ण कदम है। स्थानीय प्राधिकारी हाल की बाढ़ से हुए नुकसान का आकलन करने तथा राहत कार्यों के समन्वय में सक्रिय रूप से लगे हुए हैं। जिला प्रशासन की त्वरित प्रतिक्रिया आपदा के तत्काल प्रभाव को कम करने तथा प्रभावित परिवारों को आवश्यक राहत प्रदान करने के लिए किए गए ठोस प्रयास को दर्शाती है।

गणाचार्य विराग सागरजी महाराज का समाधि मरण

रंगिया (विभास)। दिगंबर जैन समाज के बड़े आचार्यों में से एक लगभग 350 दीक्षा प्रदाता बड़े संघ के जननायक 108 गणाचार्य श्री विराग सागरजी महाराज का बुधवार रात महाराष्ट्र के देवमूर्ति ग्राम शिंडखेड के निकट संलेखना पूर्वक समाधि मरण हो गया। उनकी इस खबर के बाद समूचे जैन समाज और उनके भक्तों में शोक की लहर छा गई। इस दुखद समाचार के बाद रंगिया जैन समाज द्वारा गुरुवार को श्री दिगंबर जैन मंदिर प्रांगण में एक विनयांजलि सभा का आयोजन किया गया, जिसमें आचार्यश्री के चित्र के समक्ष दीपक जलाकर जैन समाजबंधुओं ने मुनिश्री को विनयांजलि अर्पित की। इस अवसर पर मंदिर संचालन समिति के अध्यक्ष कैलाश चंद काला, महासचिव राज पहाड़िया, कोषाध्यक्ष विजय छाबड़ा और सभी पदाधिकारियों सहित बड़ी संख्या में स्थानीय जैन समाजबंधु मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान मंदिर संचालन

समिति के अध्यक्ष कैलाश चंद काला और सचिव राज पहाड़िया ने आचार्य श्री को विनयांजलि देते हुए उनके इस समाधि मरण को संपूर्ण श्रमण संघ और जैन समाज ही नहीं, मानव समाज के लिए अपूरणीय क्षति बताया।

एसएसबी ने किया अवैध लकड़ी जब्त

कोकराझाड़ (विभास)। छठीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), रानीगुली के बाह्य सीमा चौकी टुकड़ावस्ती को मिली गुप्त सूचना के आधार पर भारत-भूटान पिलर संख्या-166/4 से लगभग 9.4 किलोमीटर भारत की ओर बीओपी टुकड़ावस्ती, सोनापुर व वन विभाग रूनीखाता की संयुक्त टीम के द्वारा नाकेदारा-ढ्ढ फॉरेस्ट एरिया में गस्ती के दौरान अवैध रूप से कटे हुए इमारती लकड़ियों को पिकअप वाहन (न.-एएस-01 एनसी-4988) पर लाद कर ले जा रहे वन माफियों को देख कर सशस्त्र सीमा बल व फॉरेस्ट की टीम ने उनका पीछा किया, अपनी ओर आ रहे एसएसबी की टीम को देखते ही वन माफियों ने वाहन और उसमें लदी लगभग 120 सीएफटी इमारती लकड़ियों के अलावा 2 लकड़ी काटने की मशीन को जगंल में छोड़कर भाग गए। तदोपरान्त उनकी खोज टीम द्वारा की गई। परंतु वे भागने में सफल हुए। कटी हुई इमारती लकड़ी, मशीन और वाहन को जब्त किया गया। जब्त किए गए लकड़ी, मशीन व वाहन को वन विभाग रूनीखाता को अग्रिम कार्रवाई हेतू सूपुर्द कर दिया गया। छठीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल लगातार भारत-भूटान सीमा पर भारतीय वन क्षेत्रों में गस्ती एवं चौकसी के कारण तस्करों की अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने में सफल हुई है।

धुबड़ी के शोला पीठ कारीगर को राष्ट्रीय हस्तशिल्प पुरस्कार से नामित किया गया

धुबड़ी। धुबड़ी के शोला पीठ कारीगर दुलाल मालाकार की शिल्पकला को हाल ही में दिल्ली में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय हस्तशिल्प पुरस्कार 2023 के लिए नामांकित किया गया है, जिसमें *मनसमंगल काव्य* नामक एक मध्यकालीन बंगाली कथा काव्य से बेहुला और लखिंदर की कहानी को दर्शाया गया है। धुबड़ी के देबोत्तर हसदाहा गांव के निवासी मालाकार (41) ने कहा कि भक्ति, विश्वास और ईश्वर की शक्ति से बनी उनकी कृति, जो मनुष्य और ईश्वर के बीच जटिल संबंधों को दर्शाती है, के लिए लगभग 60 दिनों की कड़ी मेहनत और एक विशिष्ट आकार (4 से 5 फीट लंबी और 2 इंच की परिधि) की 25 छड़ियों की आवश्यकता थी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जटिल कृतियों को बनाने का उनका अभ्यास उनके जीवन का एक नियमित हिस्सा है, जो उनकी कला के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और जुनून को दर्शाता है। डीसी हस्तशिल्प गौरीपुर के कार्यालय के अधिकारी ने कहा कि शोला पीठ कला और धार्मिक महत्व की वस्तुओं को बनाने में इसका उपयोग हिंदू अनुष्ठानों में सदियों से इस्तेमाल की जाने वाली सांस्कृतिक परंपराओं को बनाए रखने में इसकी भूमिका का सुझाव देता है और इसका उल्लेख पुराणों और महाकाव्यों (महाभारत और रामायण) जैसे विभिन्न धर्मग्रंथों और पारंपरिक प्रथाओं में किया गया है। मालाकार की कला सृजन की कहानी मनसा द्वारा शिव के कट्टर भक्त चांद सदागर से मान्यता और पूजा मांगने से शुरू होती है, जो मनसा की पूजा करने से मना कर देता है, जिससे

उसका क्रोध भड़क उठता है। चांद सदागर को दंडित करने के लिए, मनसा उस पर कई विपत्तियां लाती है, और प्रतिशोध के अंतिम कार्य के रूप में, वह लखिंदर की शादी की रात उसे काटने के लिए एक साँप भेजकर उसकी हत्या करवा देती है। बेहुला अपने पति को पुनर्जीवित करने के लिए दृढ़ संकल्पित है, वह लखिंदर के मृत शरीर को लेकर एक कठिन यात्रा पर निकलती है। वह कई तरह के कष्टों और परेशानियों को झेलती है, तथा अपनी अटूट आस्था और भक्ति का प्रदर्शन करती है। बेहुला की दृढ़ता और धर्मनिष्ठा अंततः देवताओं को प्रभावित करती है। वह मनसा से भिड़ जाती है और अपने पति के जीवन के लिए विनती करती है। मनसा इस शर्त पर लखींदर को पुनर्जीवित करने के लिए सहमत हो जाती है कि चांद सदागर अंततः उसकी पूजा करेगा। अपने बेटे को वापस जीवित देखकर और बेहुला की भक्ति को पहचानकर, चांद सदागर अनिच्छा से मनसा की पूजा करने के लिए सहमत हो जाता है, इस प्रकार शांति लाता है और दैवीय संघर्ष को हल करता है। क्षेत्र की समृद्ध कहानी कहने की परंपरा और स्थानीय देवताओं और लोककथाओं के साथ इसके गहरे संबंध को समेटे हुए, बेहुला और लखिंदर की कहानी की स्थायी विरासत दर्शकों को आकर्षित करती है। मालाकार ने भारत में प्रतिष्ठित स्तर पर अपनी कड़ी मेहनत के लिए मिली मान्यता के लिए आश्चर्य और आभार व्यक्त किया। गौरीपुर जमींदार के पूर्वज प्रबीर कुमार बरुवा ने कहा कि शोला पीठ की कोमल, शुद्ध सफेद प्रकृति अक्सर शुद्धता और दिव्यता का प्रतीक होती है।

मणिपुर में हथियार और गोला-बारूद बरामद

इंफाल (हिंस)। मणिपुर में सुरक्षा बलों द्वारा सघन अभियान चलाया जा रहा है। इन अभियानों में हथियार और गोला बारूद की बरामदगी का सिलसिला लगातार जारी है। इसी सिलसिले में राज्य के अलग-अलग स्थानों से हथियार और गोला बारूद संयुक्त सुरक्षा बलों के अभियान में बरामद किए गए। मणिपुर पुलिस ने आज बताया कि पहाड़ी और घाटी जिलों के सीमांत और संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा बलों द्वारा तलाशी अभियान और क्षेत्र वर्चस्व चलाया गया। इस दौरान चुराचांदपुर जिले से तीन पंपी और एक इंप्रोवाइज्ड (पंपी) शेल बरामद किया गया। एक अन्य तलाशी अभियान में इंफाल पश्चिम जिले से आठ बिना प्लेट वाले बीपी जैकेट कवर, 20 स्लीपिंग बैग, एक जोड़ी बीपी प्लेट, दो बीपी हेलमेट, पांच छद्म पैंट, दो छद्म जैकेट, एक जैतून हरा फुल स्लीव और एक शोल्डर पिस्टल होल्स्टर बरामद किया गया। सुरक्षा बलों द्वारा पूरे राज्य में छापामारी अभियान चलाया जा रहा है।

मायुमं, नगांव समृद्धि शाखा का तीन दिवसीय ग्रीष्मकालीन शिविर संपन्न

नगांव (निसं)। गर्मियों की छुट्टी आते ही बच्चों को कुछ नया करने या सीखने की लगन होती है। बच्चों की इसी लगन को प्रोत्साहन देने हेतु मारवाड़ी युवा मंच नगांव समृद्धि शाखा द्वारा प्री-नर्सरी से कक्षा 5 तक के छात्रों के लिए तीन दिवसीय ग्रीष्मकालीन शिविर (समर कैंप) का आयोजन हैबरगांव स्थित महाराजा अग्रसेन भवन में किया गया। 2,3 एवं 4 जुलाई, 2024 को आयोजित इस तीन दिवसीय शिविर में 65 बच्चों ने उत्साहपूर्वक अंश ग्रहण किया। शिविर का उद्देश्य बच्चों को एक समग्र शैक्षिक अनुभव प्रदान करना था। जिसमें मनोरंजन के साथ-साथ शैक्षिक गतिविधियों का मिश्रण शामिल था। प्रथम दिन शिविर की शुरुआत एक परिचयात्मक सत्र के साथ हुई जिसमें छात्रों का स्वागत किया गया और एक दूसरे का परिचय कराया गया। इस दिन का मुख्य उद्देश्य अच्छे शिष्टाचार सिखाना था, जिसमें विनम्र अभिवादन, खाने के शिष्टाचार और बड़ों और साथियों के साथ आदरपूर्वक व्यवहार शामिल था। इसके साथ ही एक कठपुतली शो का आयोजन भी किया गया। जिससे बच्चों ने दया और सहानुभूति के मूल्यवान सबक मजेदार तरीके से सीखे। साथ ही बच्चों को वैदिक गणित के आधारभूत सिद्धांतों से परिचित कराया गया। इस सत्र में, उन्हें त्वरित गणना और सरल गणितीय तरकीब सिखाई गईं, जो उनके गणितीय कौशल को निखारने में सहायक होंगी। शिविर के दूसरे दिन की शुरुआत एक ताजगी भरे योग सत्र के साथ

हुई, जिसने छात्रों में शारीरिक फिटनेस और मानसिक शांति को बढ़ावा दिया गया। इसके बाद एक जीवंत नृत्य कार्यशाला का आयोजन हुआ, जहां बच्चों ने विभिन्न नृत्य की कला को सीखा और अपने भावों को अभिव्यक्त करने का आनंद लिया। इस के बाद बच्चों के लिए ध्यान सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें उन्हें विश्राम तकनीक और ध्यान केंद्रित करने के तरीके सिखाए गए। द्वितीय दिन का मुख्य आकर्षण मोबाइल का उपयोग न करें नाटक था, जिसमें मोबाइल के अधिक उपयोग के नकारात्मक प्रभावों को रचनात्मक ढंग से दिखाया गया और बच्चों को शारीरिक और सामाजिक गतिविधियों में अधिक भाग लेने के लिए प्रेरित किया गया। शिविर के अंतिम एवं तीसरे दिन का शुभारंभ पूल पार्टी से हुआ, जिसने बच्चों को जल क्रीड़ा के माध्यम से आनंदित किया। इसके साथ ही बच्चों के मनोरंजन और मानसिक विकास के लिए विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन खेलों ने उनके शारीरिक विकास के साथ-साथ उनकी टीम वर्क और प्रतिस्पर्धात्मकता को भी बढ़ावा दिया गया। इसके अलावा, एक टेबल मैनर्स सत्र भी आयोजित किया गया, जिसमें बच्चों को भोजन के दौरान अच्छे शिष्टाचार के महत्व के बारे में सिखाया गया। इसके बाद एक *अपने देश को जानो* क्विज का आयोजन किया गया, जिससे बच्चों को भारत की समृद्ध संस्कृति और इतिहास के बारे में जानकारी मिली और उनके भीतर राष्ट्रीय गर्व की भावना को बढ़ावा मिला। शिविर का समापन गैस रहित खाना पकाने की कला सीखने के साथ हुआ, जिसमें बच्चों ने बिना चूल्हे का उपयोग किए सरल और स्वास्थ्यवर्धक स्नैक्स बनाने का तरीका सीखा, जिससे उनमें आत्मनिर्भरता और स्वस्थय खाने की आदतें विकसित हुईं। उक्त कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों को शिक्षा, रचनात्मकता और मनोरंजन का संतुलित मिश्रण प्रदान किया गया। बच्चों के अभिभावकों ने शाखा द्वारा आयोजित इस शिविर की काफी प्रशंसा की एवं समाज के लोगों के द्वारा भी शिविर में आयोजित किए गए कार्यक्रमों को सराहा गया। मारवाड़ी युवा मंच नगांव समृद्धि शाखा बच्चों के सामाग्रिक विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है और भविष्य में भी ऐसे आयोजनों के लिए तत्पर रहेगा। शाखा अध्यक्ष ममता सिंधी एवं सचिव सपना पेड़ीवाल ने कार्यक्रम की सफलता हेतु सभी को धन्यवाद दिया है। कार्यक्रम को सफल बनाने में शाखा कोषाध्यक्ष मुस्कान जाजोदिया, कार्यक्रम संयोजिका अंजू गग्गड़, नीतू जैन, अंजना पुगलिया, स्वाति चौरड़िया, मधु जैन, प्रियंका अग्रवाल के साथ सभी सदस्याओं का सराहनीय सहयोग प्राप्त हुआ। यह जानकारी नगांव समृद्धि शाखा की जनसंपर्क अधिकारी पिंकी नागरका द्वारा दी गई।

संपादकीय

सामूहिक त्रासदी के गुनहगार

उप्र के हाथरस जिले में कथित 'भोले बाबा' का सत्संग सामूहिक मौत में तबदील हो गया। सत्संग एक स्वयंभू बाबा का था, जिनके श्रद्धालुओं में मुख्यमंत्री, सांसद, विधायक, अफसर भी शामिल हैं। हाथरस जिले के सत्संग में तब भगदड़ मच गई, जब गरीब, आम आदमी, महिलाएं आदि भक्त 'भोले बाबा' के पांव छूना चाहते थे। वह आस्था थी या धर्मान्धता थी, हम इस पर टिप्पणी नहीं करेंगे, लेकिन एक औसत इनसान 'भगवान' नहीं हो सकता। सत्संग की भीड़ में बाबा का आशीर्वाद लेने की होड़ लगी थी। वह होड़ ही भगदड़ में तबदील हो गई। वहां कुछ फिसलन थी, गड्ढा था, लिहाजा लोग फिसल कर एक के ऊपर एक गिरने लगे। वे आपस में रौंद भी रहे थे। भीड़ में इतनी हड़बड़ी थी कि लोगों ने इनसानों को ही कुचल दिया। अंततः सत्संग 121 मौतों के साथ त्रासदी में बदल गया। करीब 35 घायल हो गए और 20 लापता बताए गए हैं। ये आंकड़े ज्यादा भी हो सकते हैं। कितने घर अनाथ हो गए। कितने घरों की 'देवियां' नहीं रहीं। बताया गया है कि 108 महिलाओं की मौत हुई है। सवाल यह है कि क्या कथित 'भोले बाबा' और उनके सेवादार आयोजकों के खिलाफ 'गैर इरादतन हत्या' का केस दर्ज किया गया है अथवा कोई संभावना है? मुख्य सेवादार और कुछ अन्य पर प्राथमिकी तो दर्ज की गई है। प्राथमिकी में 'भोले बाबा' का नाम क्यों नहीं है? बताया जाता है कि करीब 1.25 लाख की भीड़ सत्संग में आई थी। दूसरा पक्ष 2.5 लाख की भीड़ का दावा कर रहा है। संख्या को लेकर राज्य के मुख्य सचिव, इलाके के आईजी, डीएम और एसडीएम आदि के अलग-अलग बयान हैं। सवाल हैं कि यदि स्थानीय प्रशासन ने सत्संग की अनुमति दी थी, तो क्या पर्याप्त बंदोबस्त देखे गए थे? जल, चिकित्सा, दवाई, डॉक्टर, एम्बुलेंस और प्रवेश-निकास दरवाजों आदि की व्यवस्था का निरीक्षण किया गया था? क्या पर्याप्त संख्या में पुलिस बल को तैनात किया गया था? एडीजी ने दावा किया है कि मौके पर 40 पुलिस वाले थे। क्या इतनी भीड़ के लिए 40 पुलिस वाले पर्याप्त थे? क्या छोटे से गांव में भीड़ का सैलाब देखकर प्रशासन और पुलिस सतर्क नहीं हुए, लिहाजा बंदोबस्त नहीं किए जा सके। एसडीएम दफ्तर का कहना है कि 50 हजार की भीड़ बताई गई थी, लेकिन 80 हजार से ज्यादा लोग पहुंच गए। स्थानीय पुलिस का कहना है कि हमें कार्यक्रम का जो पत्र मिला था, उसमें भीड़ का कॉलम खाली था। राज्य के सर्वोच्च अधिकारी मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह के बयान कुछ और ही हैं। प्रशासन के स्तर पर ये विरोधाभास क्यों हैं? आखिर किसकी जवाबदेही और जिम्मेदारी है? ऐसे धार्मिक और बाबाओं के आयोजनों में लोग आस्था और कष्टनिवारण की भावना से आते हैं। बेशक धर्मगुरु हों, सामाजिक नेता हों, प्रभावी लोग या आयोजक, हजारों-लाखों की भीड़ जुटा कर उन्हें उनके ही हाल पर छोड़ देते हैं। सरकारें और प्रशासन भी इन कथित बाबाओं पर हाथ नहीं डालते। कोरोना महामारी के दौरान इसी 'भोले बाबा' ने उप्र के फर्रुखाबाद में सत्संग किया था। उसमें भी खूब भीड़ जुटाई गई थी। सरकार और प्रशासन ने उस सत्संग की इजाजत कैसे दे दी थी? घटनास्थल का दृश्य इतना भयावह, हृदयविदारक, विचलित करने वाला था कि एक पुलिस कर्मी रवि यादव को दिल का दौरा पड़ा और उनकी मौत हो गई। हम कथित 'भोले बाबा' को बुनियादी गुनहगार मानते हैं। वह और उनके सेवादार तो अस्पताल तक नहीं पहुंचे कि उनके श्रद्धालु जीवित हैं अथवा दिवंगत हो चुके हैं! मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 24 घंटे में हादसे की रपट मांगी थी। वह उन्हें मिल चुकी होगी! वह खुद घटनास्थल पर पहुंचे और अस्पताल में घायलों का हाल-चाल पूछा। बाबा कहां हैं, किसी को कोई जानकारी नहीं। वह कब तक भूमिगत रहेंगे? आखिर प्राथमिकी में उनका नाम क्यों नहीं है? एक इनसान और देश के नागरिक की कीमत 2-4 लाख रुपए नहीं है। मुद्दा और सवाल समुचित व्यवस्था और संवेदनशीलता का है। अंधविश्वास को लेकर हम किसी को कुछ भी राय नहीं दे सकते। आखिर बाबा के पांव की धूल में कौनसा कल्याण निहित है? हमारे देश में बाबाओं की भरमार भी इसलिए है क्योंकि यहां अंधभक्तों की कमी नहीं है, विशेषकर महिलाओं को जागरूक होना होगा।

हाथरस जिले के सत्संग में तब भगदड़ मच गई, जब गरीब, आम आदमी, महिलाएं आदि भक्त 'भोले बाबा' के पांव छूना चाहते थे। वह आस्था थी या धर्मान्धता थी, हम इस पर टिप्पणी नहीं करेंगे, लेकिन एक औसत इनसान 'भगवान' नहीं हो सकता। सत्संग की भीड़ में बाबा का आशीर्वाद लेने की होड़ लगी थी। वह होड़ ही भगदड़ में तबदील हो गई। वहां कुछ फिसलन थी, गड्ढा था, लिहाजा लोग फिसल कर एक के ऊपर एक गिरने लगे। वे आपस में रौंद भी रहे थे। भीड़ में इतनी हड़बड़ी थी कि लोगों ने इनसानों को ही कुचल दिया। अंतत: सत्संग 121 मौतों के साथ त्रासदी में बदल गया। करीब 35 घायल हो गए और 20 लापता बताए गए हैं। ये आंकड़े ज्यादा भी हो सकते हैं। कितने घर अनाथ हो गए। कितने घरों की 'देवियां' नहीं रहीं। बताया गया है कि 108 महिलाओं की मौत हुई है।

हाथरस में सत्संग समागम हादसा, 120 की मौत

मौत का सत्संग

प्रमोद भार्गव

तीर्थस्थलों की आवाजाही में होने वाली वाहन दुर्घटनाओं में भी बड़ी संख्या में लोग हर साल काल के गाल में समा जाते हैं। पिछले माह संपन्न हुई हज यात्रा में भी एक हजार के करीब लोग भीशण गर्मी के चलते मक्का में मौत की नींद सो गए थे। इसमें 78 भारतीय थे। आजकल राजनेताओं और फिल्म जगत की बड़ी हस्तियों द्वारा बाबाओं की शरण में जाने से आम आदमी यह सोचने लगा है कि ब्रह्म और भविश्य के इन अलौकिक ज्ञाताओं के पास वाकई अदृश्य शक्तियां नियंत्रण में हैं।

उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले के ग्राम पुलराई में नारायण साकार हरि उर्फ भोले बाबा के सत्संग समागम में मची भगदड़ में 120 से ज्यादा श्रद्धालुओं की असमय मौत हो गई। इनमें ज्यादातर महिलाएं और बच्चे हैं। बड़ी संख्या में लोग घायल हुए हैं। मौत की यह भयावह त्रासदी कोई पहली घटना नहीं है। अंधभक्त धर्मपरायण देश में ब्रह्मज्ञान देने के आयोजन निरंतर होते रहते हैं, उसी अनुपात में दुर्घटनाएं भी घटती रहती हैं। तीर्थस्थलों की आवाजाही में होने वाली वाहन दुर्घटनाओं में भी बड़ी संख्या में लोग हर साल काल के गाल में समा जाते हैं। पिछले माह संपन्न हुई हज यात्रा में भी एक हजार के करीब लोग भीशण गर्मी के चलते मक्का में मौत की नींद सो गए थे। इसमें 78 भारतीय थे। आजकल राजनेताओं और फिल्म जगत की बड़ी हस्तियों द्वारा बाबाओं की शरण में जाने से आम आदमी यह सोचने लगा है कि ब्रह्म और भविश्य के इन अलौकिक ज्ञाताओं के पास वाकई अदृश्य शक्तियां नियंत्रण में हैं। गोया, बाबा बाघेश्वर धाम के धीरेंद्र शास्त्री और सीहोर के प्रदीप मिश्रा भी आसानी से अपने प्रवचनों के लिए लाखों की भीड़ जुटा लेते हैं। भीड़ उम्मीद से ज्यादा हो जाती है और प्रशासन प्रबंधन में अकसर चूक जाता है। फलतः भगदड़ में ही सैंकड़ों लोग मर जाते हैं। आज कल नेता बाबाओं की इस भीड़ को मतदाता समझने लगे हैं। अतएव वोट के लालच में इन समागमों में अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हैं और श्रद्धालुओं की धार्मिक भावनाओं का दोहन कथित बाबाओं के मध्ययम से स्वयं एवं अपने दल के लिए दोहन करने में कोई संकोच नहीं करते हैं। वैभव और विलास में डूबे बाबा भी इन नेताओं की पैरवी करने लग जाते हैं। नतीजतन उचित प्रबंधन की प्रशासन अनदेखी कर देता है। उत्तर प्रदेश की पुलिस सेवा में आरक्शक रहे सूरजपाल जाटव को एकाएक आध्यात्मिक ज्ञान हो गया और वे नारायण साकार उर्फ भोले बाबा के रूप में सत्संग कर ब्रह्मज्ञान की रसधारा बहाने लग गए। सूरजपाल

ने 1997 में नौकरी से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेकर आध्यात्मिक मार्ग पर चल पड़े थे। बाबा कांसीनगर में पटियाली तहसील के बहादुर नगर के रहने वाले हैं। यही उन्होंने अपने घर को आश्रम का रूप दे दिया और प्रवचन शुरू कर दिए। बीते कुछ सालों में ही उन्होंने उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा और पंजाब में अपने असंख्य भक्त बना लिए। चमत्कारी बाबा के रूप में प्रसिद्धि मिल गई तो उनकी पत्नी भी माताश्री कही जाने लगी। भोले बाबा के सत्संग में लोग अपनी परेशानियां लेकर पहुंचने लगे। उनके द्वारा हाथ से छूकर बीमारियों को दूर करने का चमत्कार जुड़ गया। अतएव चमत्कार से वशीभूत उनके अनुयायियों का कारवां बढ़ता चला गया। वे काशी नगर के अलावा अनेक जगह बुलावे पर प्रवचन देने जाने लगे। पुलराई में जहां यह त्रासदी घटी है, वहां 80,000 से ज्यादा भक्त पहुंचे थे। जबकि प्रशासन को सूचना 50,000 लोगों के पहुंचने की दी गई थी। सत्संग जब समाप्त हुआ तो अनुमान से ज्यादा पहुंचे भक्त बाबा के चरण छूने की होड़ में लग गए और एक-दूसरे को मची भगदड़ में कुचलने लग गए। ऐसे मामलों में कभी कोई कठोर कार्यवाही हुई हो अब तक देखने में नहीं आया है। गोया, यह मामला भी कुछ दिन चर्चा में रहने के बाद शून्य में बदल जाएगा। 2018 में अमृतसर में रावण दहन के अवसर पर हुए रेल हादसे में 61 लोग मारे गए थे। सीधे-सीधे यह प्रशासनिक लापरवाही थी। देश में धार्मिक मेलों और सांस्कृतिक आयोजनों के दौरान भीड़ में भगदड़ मचने से होने वाले हादसों का सिलसिला लगातार बढ़ रहा है। ठीक इसी किस्म की लापरवाही केरल में कोल्लम के पास पुत्तिंगल देवी मंदिर परिसर में हुई त्रासदी के समय देखने में आई थी। इस घटना में 110 लोग मारे गए थे और 383 लोग घायल हुए थे। यह ऐसी घटना थी, जिसे मंदिर प्रबंधन और जिला प्रशासन सचेत रहते तो टाला जा सकता था। क्योंकि मलयालम नववर्श के उपलक्श में हर वर्श जो उत्सव होता है, उसमें बड़ी मात्रा में आतिशबाजी की जाती है और इसका भंडारण मंदिर परिसर में ही किया जाता है। आतिशबाजी चलाने के दौरान एक चिंगारी भंडार में रखी आतिशबाजी तक पहुंच गई और भीशण त्रासदी में लोगों की दर्दनाक मौतें हो गईं। यह हादसा इतना बड़ा और हृदयविदारक था कि खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चिकित्सकों का दल लेकर कोल्लम पहुंचना पड़ा था। लेकिन इस तरह से संवेदना जताकर और मुआवजा देने की खानापूर्ति कर देने भर से मंदिर हादसों का क्रम टूटने वाला नहीं हैं। जरूरत तो शीर्श न्यायालय के उस निर्देश का पालन करने की है, जिसमें मंदिरों में होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए राश्ट्रव्यापी समान नीति बनाने का उल्लेख है। यदि प्रधानमंत्री इस हादसे से सबक लेकर इस नीति को बनाने का काम करते तो शायद यह हादसा नहीं हुआ होता ? दर्शनलाभ की जल्दबाजी व कुप्रबंधन से उपजने वाली भगदड़ व आगजनी का सिलसिला जारी है। धर्म स्थल हमें इस बात के लिए प्रेरित करते हैं कि हम कम से कम शालीनता और आत्मानुशासन का परिचय दें। किंतु इस बात की परवाह आयोजकों और प्रशासनिक अधिकारियों को नहीं होती। इसलिए उनकी जो सजगता घटना के पूर्व सामने आनी चाहिए, वह अकसर देखने में नहीं आती। लिहाजा आजादी के बाद से ही राजनीतिक और प्रशासनिक तंत्र उस अनियंत्रित स्थिति को काबू करने की कोशिश में लगा रहता है

दृष्टि कोण

राजनीतिक अविश्वास से उपजा सत्ता पलट

बिहार के सहरसा में जन्मे गिरिजा प्रसाद कोइराला नेपाल में चार बार प्रधानमंत्री रहे। मई, 2008 में जब वह अंतरिम सरकार के कार्यकारी प्रधानमंत्री थे, तब भी अपनी इकलौती संतान सुजाता कोइराला को प्रधानमंत्री बनते देखना चाहते थे, लेकिन उनका यह सपना उनके साथ ही चला गया। नेपाली कांग्रेस की राजनीति आज भी स्वर्गीय गिरिजा प्रसाद कोइराला को केंद्र में रखकर की जाती है। उसका उदाहरण मंगलवार को तब देखने को मिला, जब कोइराला की 100वीं जयंती के अवसर पर एक फोटो प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। 'क्रांति से शांति तक' नामक फोटो प्रदर्शनी नेपाली कांग्रेस के केंद्रीय कार्यालय, सानेपा, ललितपुर में आयोजित किया गया था, जहां वर्तमान प्रधानमंत्री प्रचंड आये, और इसके प्रकारांतर 'पीएम इन वेटिंग', केपी शर्मा ओली भी पधारे। उस अवसर पर प्रचंड का नेपाली कांग्रेस के नेता शेर बहादुर देउबा से क्या संवाद हुआ, वह सार्वजनिक नहीं हुआ है। मगर, बुधवार सुबह प्रचंड ने घोषणा की, कि पहले संसद में विश्वास मत करा लेते हैं, फिर मैं कुर्सी छोड़ूंगा। एक साल 180 दिनों से प्रचंड सत्ता में हैं। तीसरे टर्म प्रधानमंत्री पद पर बने रहना कितना कठिन होता है, उसे यों समझा जाये कि अब तक उन्हें चार बार विश्वास मत हासिल करना पड़ा है। आखिरी बार 20 मई, 2024 को प्रचंड को विश्वास मत हासिल करना पड़ा था, तब उपेन्द्र यादव के नेतृत्व वाली जनता समाजवादी पार्टी ने अपना समर्थन वापस ले लिया था। बुधवार शाम एमाले ने समर्थन वापसी की घोषणा कर दी। उसके आठ मंत्री सरकार में थे, उन्होंने भी त्यागपत्र दे दिया। एमाले ने चौबीस घंटे के भीतर प्रचंड से प्रधानमंत्री पद छोड़ने को कहा है। प्रचंड ने सुबह ही मना कर दिया था कि फ्लोर टेस्ट के बाद ही सब तय होगा। संविधान के अनुच्छेद 100 (2) में कहा गया है कि यदि गठबंधन में कोई राजनीतिक दल अपना समर्थन वापस ले लेता है, तो प्रधानमंत्री 30 दिन के भीतर विश्वास मत के लिए प्रतिनिधि सभा में एक प्रस्ताव पेश करेंगे। अब सबको लग गया है कि प्रचंड आसानी से पद छोड़ने वाले नहीं। सोमवार को जब 'सूर्य अस्त, नेपाल मस्त' था, तब रात सवा बारह बजे काठमांडो के बूढ़ा नीलकंठ स्थित चपली हाइट रिसोर्ट में नेकपा-एमाले (यूएमएल) और नेपाली कांग्रेस ने सत्ता परिवर्तन का समझौता किया था। चपली समझौते में तय हो गया कि बचे हुए टर्म के आधे कालखंड में केपी शर्मा ओली प्रधानमंत्री रहेंगे, और शेष समय शेर बहादुर देउबा प्रधानमंत्री की कुर्सी संभालेंगे। लिखित सहमति के अनुसार, 'ओली नेपाली कांग्रेस और अन्य सीमांत दलों के समर्थन से नई सरकार का नेतृत्व करेंगे। संविधान संशोधन किया जायेगा। समानुपातिक चुनाव प्रणाली बदली जाएगी, नेपाली कांग्रेस गृह सहित 10 मंत्रालयों का नेतृत्व करेगी। यूएमएल को वित्त सहित नौ मंत्रालय मिलेंगे। कांग्रेस और यूएमएल तीन-तीन प्रांतीय सरकारों का नेतृत्व करेंगे, मगर मधेश में सरकार का नेतृत्व एक क्षेत्रीय पार्टी करेगी।' चपली हाइट रिसोर्ट से ही सन्देश जारी किया गया कि इस समझौते का अनुमोदन हम मंगलवार से करने जा रहे हैं, राष्ट्रीय सहमति की सरकार में माओवादियों को छोड़कर, जो शेष दल आना चाहते हैं, उनका स्वागत है। 'चपली समझौते' को सत्ता पलट का प्रयास कहा जाये, तो अनुचित नहीं होगा। ओली ने यह ब्रह्मास्त्र चलाया क्यों, उसके पीछे की वजह अविश्वास है। प्रचंड अलग-अलग ठिकानों पर नेपाली कांग्रेस के नेताओं से बात कर रहे थे, यह खबर केपी शर्मा ओली को थी। एमाले के नेता प्रदीप कुमार ज्ञावाली ने बुधवार को कहा, 'पीएम प्रचंड राष्ट्रीय सर्वसम्मति वाली सरकार बनाने के लिए पिछले एक महीने से नेपाली कांग्रेस के नेताओं के साथ बातचीत कर रहे थे, जिससे अविश्वास की स्थिति पैदा हो गई। इसने अंततः हमें नेपाली कांग्रेस के साथ बातचीत शुरू करने के लिए मजबूर किया।' लेकिन केवल यही बात नहीं थी, राजदूतों की नियुक्तियों में भी दोनों नेताओं में तू-तू, मैं-मैं हुई थी। पांच टर्म प्रधानमंत्री रह चुके शेर बहादुर देउबा 26 दिसंबर, 2022 को सत्ता से बाहर हुए थे, उसी दिन केपी शर्मा ओली की पार्टी 'नेकपा-एमाले' की मदद से प्रचंड प्रधानमंत्री बन गए। लेकिन, ओली से पटरी बैठना प्रचंड के लिए भी आसान नहीं था। मंत्रालयों की फाइलें और राजदूतों की नियुक्तियां मतभेद का कारण बनती चली गईं। देश आर्थिक रूप से जर्जर और ज़रूरी वस्तुओं से अभावग्रस्त होने लगा। इंडस्ट्री धड़ाधड़ बंद होने लगी, मगर दोनों नेताओं में अहं का टकराव चरम पर था। ओली और दाहाल के बीच दरार की सबसे बड़ी वजह नेपाल प्रतिभूति बोर्ड (सेबन) में अध्यक्ष की नियुक्ति, झापा स्थित गिरीबन्धु चाय बगान भूमि स्कैंडल में फंसे ओली, और भूटानी शरणार्थियों की कबूतरबाज़ी का मामला भी रहा है। तीन महीने से अधिक समय से सेबन चेयरमैन का पद ख़ाली है, जिससे अरबों रुपये के प्रतिभूति के आवेदन अटके पड़े हैं। दोनों नेता अपने भरोसे के आदमी को शिखर पर बैठाना चाह रहे थे। पांच उम्मीदवार शॉर्टलिस्ट किए गए। लेकिन जब कोई निष्कर्ष नहीं निकला, तो शुक्रवार को वित्त मंत्रालय ने 'सेबन' में अध्यक्ष की नियुक्ति को रद्द करने की घोषणा कर दी।

कुछ अलग

भटकती गुलामी...

चिंता न करें, इस देश की समस्याओं को हल करने का एक नया तरीका तलाश लिया गया है। अंग्रेज जब भारत छोड़ कर गए थे, तो लगभग पौन सदी पहले जो देश आजाद कहलाता हुआ हमारे राष्ट्र निर्माताओं को नवनिर्माण के लिए मिला था, उसके पास अपने सांस्कृतिक गौरव के सिवा तब अभिमान करने के लिए संभवतः कुछ भी नहीं था। उस समय भारत के सीने पर एक लकीर खींच दी गई। करोड़ों लोगों को घरबार जमा जत्था छोड़ कर अपने पूर्वजों की धरती से निष्कासित हो नई धरती, नई मिट्टी को गले लगाना पड़ा था या उसे चंदन समझ माथे पर लगाना पड़ा था। तब देश के दो टुकड़े हो गए, अब टुकड़े-टुकड़े हो रहे हैं। तब आर्यवर्त बना, भारत, पाकिस्तान बना। जो लोग पीछे रह गए थे, वे विदेशी हो गए, शत्रु बने, युद्धों में उलझे और अब सरहदों का अतिक्रमण कर आतंकी हो सबका जीवन दूभर कर रहे हैं। तब दुनिया का सबसे बड़ा निष्क्रमण जो पाकिस्तान से भारत में हुआ, अपने देश में आ सिर छिपाने का आसरा तलाशने वाले शरणार्थी कहलाए, लेकिन अपना राज्य, अपना लोकतंत्र आजादी से सिर ऊंचा करके जीने की तमन्ना आज भी नहीं मिली। गर्व के न जाने कितने नए धरातल तब उभर आए थे। आजाद भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। दुनिया का सबसे बड़ा समाजवादी देश बनेगा। अमीर और गरीब में कोई अंतर नहीं रहेगा। ठीक है दो सौ बरस की गुलामी के कारण बहुत पिछड़ गया था अपना देश। इसे योजनाबद्ध आर्थिक विकास की पटरी पर कुछ इस प्रकार सरपट भगाया जाएगा कि सदियों की भूख, बेकारी, बीमारी और दरिद्रता दूर हो जाएगी। विश्व की चुनिंदा महाशक्तियों में एक बनेगा हमारा भारत। वह दिन भी आएगा, जब यह भारत सांस्कृतिक समृद्धि ही नहीं, भौतिक प्रगति की दृष्टि से भी दुनिया का नंबर एक राष्ट्र बनेगा। बरस दर बरस गुजरे, योजना आयोग का स्पूतनिक इंजन सपनों से पल्लवित विकास की गाड़ी को बारह पांचवर्षीय आर्थिक विकास योजनाओं के नाम से देश की सरपट भगाने की घोषणाओं के साथ भगाता चला गया, लेकिन सपनों के कांच टूटते गए। जब छह वर्ष पहले अच्छे दिन आने का कल्पतरु लेकर नए मसीहा देश की गद्दियों पर आसीन हुए तो पता चला कि परिवार नियोजन और जनसंख्या नियंत्रण कर लेने का दावा करने वाला देश 33 करोड़ से एक सौ तैंतीस करोड़ हो चुका था और अभी इस संख्या के नियंत्रित होने की कोई उम्मीद नहीं थी। देश के मसीहाओं ने अपने परिवार नियोजन कार्यक्रमों की असफलता को स्वीकार करने के स्थान पर इस बीच इसे दुनिया की सबसे बड़ी कार्यशील युवा शक्ति वाला देश कह कर सबका दिल बहलाना चाहा। लेकिन यह कैसी कार्यशील जनता थी कि जिसके पास कोई काम नहीं था। आबादी के लिहाज से हम चीन को पछाड़ दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश बनने जा रहे हैं, लेकिन किसी ने भी इन चिल्लाहट भरी विजय घोषणाओं के बीच यह नहीं बताया कि यह देश दुनिया की सबसे अधिक बेकार शक्ति का देश भी बनता जा रहा है। इस बीच दिल को बहलाने के लिए उपलब्धि और संतोष का एहसास प्राप्त करने के लिए हमने ऐसे नए-नए तरीके ईजाद कर लिए हैं कि आम लोगों को भी बारात जीमने का एहसास होने लगा है। बारह पंचवर्षीय योजनाओं ने सामाजिक और अर्थिक कायाकल्प के स्थान पर देश को आर्थिक मंदी का उपहार दे दिया, तो हमने योजना आयोग को विकास का स्पूतनिक इंजन के स्थान पर सफेद हाथी कह कर नकार दिया। इसी सफेद हाथी से छुटकारा पाकर नीति आयोग बनाया जो अभी तक अपने लिए किसी नई आर्थिक नीति की तलाश कर रहा है। पंचवर्षीय योजनाओं की रेलगाड़ी भारत की अधबनी अधूरी विकास यात्रा के किसी वीरान स्टेशन पर शंटिंग कर रही है और अभी तक अपने लिए किसी सही विकास अवधि की तलाश कर रही है।

देश दुनीया से

आस्था, निश्चय और अध्यात्म

भजन गाते-गाते अक्सर भाव विभोर होकर नाचने लगते। उनके बारे में मशहूर था कि जब कभी भी वे नाचते थे तो बारिश होने लगती थी। गांव की अधिकांश आबादी किसानों की थी जिनका काम ही खेती करना था। अपनी फसलों के लिए जब कभी भी उन्हें बारिश की जरूरत होती तो वे संत जी से प्रार्थना करते, संत नाचना शुरू करते, उमड़-घुमड़ करते बादल आ जाते और बारिश शुरू हो जाती। एक बार उस गांव में पास के एक शहर से दो युवक आए। गांव के लोगों से बातचीत में उन्हें संत की इस खूबी के बारे में पता चला तो उनका मन अविश्वास से भर गया। उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि भला किसी व्यक्ति के नाचने भर से बारिश कैसे हो सकती है।

प्राचीन समय की बात है कि एक गांव में एक संत का निवास था। मस्त मलंग संत थे। भजन गाते-गाते अक्सर भाव विभोर होकर नाचने लगते। उनके बारे में मशहूर था कि जब कभी भी वे नाचते थे तो बारिश होने लगती थी। गांव की अधिकांश आबादी किसानों की थी जिनका काम ही खेती करना था। अपनी फसलों के लिए जब कभी भी उन्हें बारिश की जरूरत होती तो वे संत जी से प्रार्थना करते, संत नाचना शुरू करते, उमड़-घुमड़ करते बादल आ जाते और बारिश शुरू हो जाती। एक बार उस गांव में पास के एक शहर से दो युवक आए। गांव के लोगों से बातचीत में उन्हें संत की इस खूबी के बारे में पता चला तो उनका मन अविश्वास से भर गया। उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि भला किसी व्यक्ति के नाचने भर से बारिश कैसे हो सकती है। वे जानते थे कि यह बात प्रकृति के नियमों के अनुकूल नहीं है। लेकिन गांव वालों ने उन्हें विश्वास दिलाया कि ऐसा होता है, हर बार होता है, लगातार होता है, बिना किसी अपवाद के होता है। गांव भर के बहुत से अलग-अलग लोगों ने जब इसकी गवाही दी तो उन्हें ये तो मानना ही पड़ा कि संत के नाचने की बात झूठ नहीं हो सकती, लेकिन वे फिर भी ये नहीं समझ पाए कि इसका रहस्य क्या है। आखिरकार एक युवक ने कहा कि हो सकता है कि यहां की मिट्टी में कोई खास बात हो जिसके कारण जब भी कोई नाचे तो बारिश होने लगे या यह गांव ही पृथ्वी पर किसी ऐसे कोण पर बसा हो जिसमें किसी के नाचने से बादलों को आकर्षित कर पाना संभव हो। यह बात दूसरे युवक को भी जंच गई। अब उन्होंने गांव वालों से कहा कि अगर एक संत के नाचने से बादल आ जाते हैं और बारिश होने लगती है, तो हमारे नाचने से भी वैसा ही होगा, और अगर हम नाचेंगे तो भी बारिश होगी ही होगी। गांव वाले उनकी बात सुन कर हंस पड़े, पर दोनों युवक अपनी बात पर अड़े रहे। आखिरकार गांव के मुखिया ने उन युवकों से कहा कि अगर आपके नाचने से बारिश हो जाए तो मैं मुखिया का पद छोड़ दूंगा और आप दोनों में से जो भी चाहे, वह गांव का मुखिया बन जाएगा। दोनों युवकों ने शर्त मंजूर कर ली और नाचना आरंभ कर दिया। समय बीतता गया, पर बादलों का कहीं अता-पता नहीं था। सवेरे से दोपहर हो गई। दोनों युवक थक कर चूर हो गए। भूख, प्यास और थकावट से परेशान होकर आखिरकार उन्होंने हार मान ली, लेकिन उन्होंने कहा कि अगर हमारे नाचने से बारिश नहीं हुई है तो हमें प्रमाण दीजिए कि संत के नाचने से बारिश हो जाती है। गांव के लोगों ने इकट्ठे होकर संत से प्रार्थना की कि वे नाचें और अपनी साधना से बादलों को बुलाएं, ताकि बारिश हो जाए। संत ने हमेशा की तरह भाव विभोर होकर भजन गाना शुरू किया और जैसे-जैसे तान बढ़ी, उनके शरीर में हिलोरें उठने लगीं और वे मस्त होकर नाचने लगे। दोपहर से शाम होने को आई, लेकिन इस बार भी बादलों का नामोनिशान नहीं था, पर संत थे कि मस्त होकर गाए जा रहे थे और नाचे जा रहे थे। उनकी गति में, उनके उत्साह में कहीं कोई कमी नहीं पड़ी। कुछ देर और गुजरी, सूरज छुपने को आया कि तभी बादलों के झुंड के झुंड आ गए और झमाझम बारिश होने लगी। गांव वाले खुश होकर तालियां बजाने लगे और दोनों युवकों को स्वीकार करना पड़ा कि संत जी के बारे में कही गई बात गलत नहीं है। संत ने जब नाचना बंद किया तो दोनों युवकों ने उन्हें दंडवत प्रणाम किया और उनसे पूछा कि उनके नाचने और बारिश आने का रहस्य क्या है? संत जी ने उनकी शंका का समाधान करते हुए उत्तर दिया कि बारिश आने के दो कारण हैं। पहला तो यह कि मुझे विश्वास है कि मैं नाचूंगा तो बारिश आएगी ही, और दूसरा यह कि कुछ भी हो जाए मैं तब तक नाचता ही रहूंगा, जब तक कि बारिश आ ही न जाए। आस्था और निश्चय के इस मेल को ही भक्त शिरोमणि गोस्वामी तुलसी दास जी ने अपनी इस चौपाई में बहुत ही सुंदर ढंग से व्यक्त किया है : 'जेहि के जेहि पर सत्य सनेहू, सो तेहि मिलहि न कछु संदेहू।' इस चौपाई का अर्थ है कि यदि हम किसी चीज को पूरे मन से चाहेंगे तो वह चीज हमें मिलकर रहेगी। हमारे धर्म ग्रंथों में ऐसे बहुत से मंत्र हैं, जी हां, इन्हें मंत्र ही कहा जाना चाहिए, जो हमारे लिए अध्यात्म की प्रकृति का खुलासा करते हैं, हमारा मार्गदर्शन करते हैं कि हम क्या करें, जिससे हमारा जीवन सुखी हो जाए, सफल हो जाए और जीवन में शांति आ जाए, या यह कि परमात्मा को प्राप्त करने के लिए हम क्या कर सकते हैं। अपने भाग-दौड़ वाले इस जीवन में हम अक्सर इन मंत्रों और टोटकों को अनदेखा कर देते हैं और इनके असीमित लाभ से वंचित रह जाते हैं। गुरु ग्रंथ साहिब में सिख गुरुओं की वाणी के अलावा भी तब के अन्य महान ऋषियों, संतों, फकीरों की वाणी संकलित है। गुरु ग्रंथ साहिब को जानने, पढने, सुनने वाले लोग जानते हैं कि गुरु ग्रंथ साहिब जी में जगह-जगह एक शब्द 'रहाउ' का प्रयोग किया गया है। इसका प्रयोग यूं ही नहीं किया गया है। इस शब्द के प्रयोग में एक गूढ़ रहस्य छुपा हुआ है। 'रहाउ' का शाब्दिक अर्थ है 'ठहरिए'।

आप का नजरीया

उपचुनावों को कहां खबर

उपचुनावों में सियासी चरित्र बिक रहा है, इस घर की घंटियां उसके आंगन में शोर कर रही हैं। तीन उपचुनाव या इससे पहले छह उपचुनावों में प्रदेश के सियासी चरित्र, निवेश और क्षमता का बदलता स्वरूप दिखाई दे रहा है। आश्चर्य यह कि चुनाव अब बोलते नहीं, तौले जाते हैं सत्ता के नसीब और सियासी रिश्तेदारी के करीब। अगर राजनीति प्रदेश के मुकद्दर बदलने का प्रण होती, तो राज्य में पहुंचे वित्तायोग तथा हिमाचल की वित्तीय स्थिति पर खुलकर बात या बहस होती। जिस राज्य को इस साल तक 94992 करोड़ रुपए का कर्ज उतारना हो, वहां चुनाव की चिंता में विपक्ष यह रखवाली कर रहा है कि डेढ़ सौ यूनिट मुफ्त बिजली आपूर्ति का फैसला कहीं पलट न जाए। हैरानी यह कि हमारे उपचुनाव को कानों-कान खबर नहीं कि बजट की कुल 58444 करोड़ की राशि से कहीं साढ़े छत्तीस हजार करोड़ अधिक की उधारी है। औकात यह कि वेतन, पेंशन और कर्ज उतारने के लिए ही ब्यालीस हजार करोड़ जा रहे हैं। जिस प्रदेश को साढ़े चवालीस हजार करोड़ के ही भरने हों, उसके कंधे पर करीब पचानवें हजार करोड़ का कर्ज राजनीति की तासीर बदल सकता है, लेकिन सरकार चलाने वालों के लिए आर्थिकी या वित्तीय व्यवस्था के क्या मायने। अगर रत्ती भर संवेदना होती तो उपचुनाव के प्रश्न बदल जाते, लेकिन ऐसा प्रचार हो नहीं रहा। ऐसे में चुनाव प्रचार में फुर्सत से तोहमतें और आगा-पीछा करते दोषारोपण का सामान चारों ओर बिखरा पड़ा है। उपचुनाव से कहीं भिन्न युवाओं का दर्द, गुस्सा, जनता की खामोशियां, सामाजिक व्यवहार की विद्रूपता, जातिवाद और सत्ता के लाभार्थियों की ख्वाहिशें, अपने-अपने स्वार्थ की दिशा खोज रही हैं। बहरहाल बयानों की दीर्घा में उपचुनावों की गर्मी अब एक अलहदा माहौल की परिपाटी खड़ी कर रही है, तो जिक्र बदलने लगा है। विपक्ष अब परिस्थितियों को सरकार की हैसियत से तौलने लगा है। जाहिर है बिलासपुर और बीबीएन की आपराधिक घटनाओं ने कुछ सुलगते प्रश्न बिखेर दिए हैं और इन्हीं के परिप्रेक्ष्य में विपक्ष को हल्ला बोलने का अवसर मिल गया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डा. राजीव बिंदल ने हिमाचल में पनपते माफिया की ओर इंगित करते हुए न केवल बिलासपुर और बीबीएन की बंदूक संस्कृति के लिए सरकार को आड़े हाथ लिया, बल्कि औद्योगिक कबाड़, खनन, नशा और शराब में घुसे माफिया पर ध्यान आकृष्ट किया है। सीधे-सीधे ये आरोप हिमाचल की बगल में छुरी देख रहे हैं। तरक्की के पैमानों के ठीक नीचे माफिया का हुलिया नया नहीं, बल्कि मुख्यमंत्री रहते हुए भी, वीरभद्र सिंह ने एक तरह से मान लिया था कि माफिया अब शिरकत करने लगा है। वीरभद्र सिंह ने ठेकेदारी प्रथा में माफिया घुसपैठ के आरोप भी लगाए थे। बहरहाल ये आरोप नए नहीं और जनता कबूल कर चुकी है कि हिमाचल अब भोले-भाले लोगों का राज्य नहीं है। तरक्की के सारे पैमाने एक ऐसा वर्ग तैयार कर चुके हैं, जो प्रभावशाली ढंग से शासन, प्रशासन और सरकारी मशीनरी से गलबहियां डालकर चलता है। बीबीएन के उत्पादन से कहीं अधिक चर्चित कबाड़ में हाथ, नशे की पड़ताल से कहीं दूर बिक्री का जाल, शराब की बिक्री में दौलत बेहिसाब और रेत में कमाई का जाल बुनने वाले सामान्य नहीं हैं।

प्रदेश के कई जिलों में बारिश का दौर जारी, बीसलपुर बांध में पानी की आवक, टोंक नदी में फंसे युवक

जयपुर (हिंस)। राज्य में मानसून सक्रिय हो गया है। कई जिलों में भारी बारिश का दौर जारी है। उमस और गर्मी से बेहाल लोगों को शुक्रवार को लगातार तीसरे दिन भी राहत मिली। लोग सुबह उठे तो रिमझिम बरसात ने उनका स्वागत किया। बारिश का दौर लगभग दिनभर ही चलता रहा। बारिश से तापमान में गिरावट आ गई। आज भी राजस्थान के 29 जिलों में तेज बारिश का अलर्ट है। सुबह से टोंक, सवाई माधोपुर सहित कई जिलों में हल्की से तेज बारिश हो रही है। इस कारण नदी-नाले उफान पर हैं और बाजारों में पानी भर गया है। टोंक के मालपुरा में सहोदरा नदी में अचानक पानी बढ़ने से तीन युवक फंस गए, जिन्हें मुश्किल से बाहर निकाला गया। जयपुर में दोपहर करीब 2.20 बजे तेज बारिश का दौर शुरू हुआ। दस मिनट तक तेज बारिश के बाद अब रिमझिम बारिश का दौर जारी है। मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर ने अगले दो सप्ताह का पूर्वानुमान जारी करते हुए प्रदेश में 18 जुलाई तक बारिश का दौर जारी रहने की संभावना जताई है। पिछले 24 घंटे के दौरान राजस्थान के जयपुर, सीकर, झुंझुनूं, अलवर, भरतपुर, दौसा, करौली, सवाई माधोपुर, नागौर, चित्तौड़गढ़, बारां, कोटा, बूंदी के अलावा पश्चिमी राजस्थान के जोधपुर, जैसलमेर, बीकानेर, चूरू और दक्षिण राजस्थान के उदयपुर, डूंगरपुर, बांसवाड़ा, प्रतापगढ़ में बारिश हुई। जयपुर में आज सुबह भी हल्की बरसात हुई। टोंक जिले में हमीरपुर गांव में लगातार मूसलाधार बारिश से हालात बिगड़ गए। यहां सभी 50 घरों के अंदर पानी भर गया। इल दौरान एक कच्चे घर की दीवार ढह गई। हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। घरों में पानी घुसने से खाने का सामान भीग कर खराब हो गया है। पूरी रात से रुक-रुक कर बारिश हो रही है। टोंक में शुक्रवार को दोपहर करीब 1.30 बजे एक बार फिर तेज बारिश शुरू हुई। एक घंटे तक हुई तेज बारिश से सड़कों, गलियों और निचले इलाकों में पानी भर गया। विवेकानंद सर्किल पर एक फीट तक पानी भर गया, जिससे लोगों को काफी परेशानी हुई। इस दौरान पानी में एक बाइक बंद हो गई, जिससे बाइक सवार महिला और पुरूष परेशान होते रहे। टोंक जिले में तेज बारिश का दौर लगातार जारी है। इसके चलते नानेर सीनियर सेकेंडरी स्कूल में पानी भर गया। तेज बारिश के आसार देखते हुए बच्चों की पहले ही छुट्टी कर दी गई थी। जयपुर में लगातार दो-तीन दिन से बारिश का दौर जारी है। दोपहर एक बजे बाद काले घने बादल छाए और दोपहर में 2.25 बजे से तेज बारिश शुरू हुई। कई इलाकों में तेज तो कई इलाकों में रिमझिम बरसात हो रही है। झुंझुनूं के खेतड़ी कस्बे के मुख्य बाजार में बरसात के दौरान पानी के बहाव के साथ एक युवक बह गया। जिसे आसपास के लोगों ने बचाया। घटना का शिकार हुआ विजेश कुमार बाजार के रास्ते से अपने घर जा रहा था। इस दौरान सड़क पर पानी के तेज बहाव में वो अनबैलेंस होकर गिर गया और पानी में बह गया। टोंक जिले के पीपलू में कस्बे से करीब 1 किमी दूर महात्मा गांधी राजकीय अंग्रेजी माध्यम विद्यालय के रास्ते का नाला शुक्रवार सुबह उफान पर आ गया। इसके चलते करीब 150 बच्चे स्कूल में फंस गए। प्रिंसिपल मधु सक्सेना ने बताया कि रास्ते में एक बरसाती नाला आता है, जिस पर छोटी पुलिया है। लगातार बारिश होने से इस नाले में करीब पांच फीट पानी चल रहा है। यह देखते हुए करीब 11 बजे बच्चों को दूसरे रास्ते से 13 किमी का चक्कर लगाकर कारों से घर भेजा गया। दोपहर 12 बजे तक सभी 150 बच्चों को सकुशल घर भेज दिया गया। टोंक जिले के मालपुरा क्षेत्र में अच्छी बारिश के चलते सहोदरा नदी उफान पर है। इसमें तीन युवक फंस गए थे। तहसीलदार ने बताया कि तीन लोग ट्रैक्टर लेकर खेत पर जा रहे थे। पहले नदी के कच्चे रास्ते में आधा-एक फीट पानी था। अचानक पानी बढ़ गया और ट्रैक्टर के इंजन में पानी घुसने से ट्रैक्टर बंद हो गया। इनके चिल्लाने पर आस पास के लोग दौड़े। तहसीलदार मौके पर पहुंचे और नदी में फंसे तीनों लोगों का रेस्क्यू शुरू करवाया। अलवर जिले में लगातार तीसरे दिन भी बादल छाए हुए है और रिमझिम बारिश का दौर जारी है। जिले के मंगलसर बांध में करीब 10 फीट पानी की आवक हुई है। सिलीसेढ़ बांध में भी नौ इंच पानी आया है। ग्रामीण इलाकों में जोहड़ पानी से भर गए हैं। सवाई माधोपुर जिले के चौथ का बरवाड़ा में शुक्रवार को सुबह करीब एक घंटे तक मूसलाधार बारिश हुई। इससे कस्बे की गलियों, बाजारों में पानी भर गया। सुबह करीब नौ बजे तेज बारिश शुरू हुई जो एक घंटे तक जारी रही। इसके बाद भी रिमझिम बारिश हो रही है। भीलवाड़ा जिले के बिजौलिया कस्बे में बीते 24 घंटों से अच्छी बारिश हो रही है। बारिश से नदी नालों में पानी की आवक होने लगी है। छोटी बिजौलिया स्थित *भड़क का झरना* अपने पूरे वेग से बह रहा है। राजस्थान में लगातार हो रही बारिश से प्रदेश के बांधों में भी पानी की आवक हो रही है। अजमेर और टोंक के आसपास हो रही तेज बारिश के चलते बीसलपुर के कैचमेंट एरिया में पानी आने से बांध का गेज आज 3 सेंटीमीटर बढ़ गया। आज बांध का गेज 309.69 आरएल मीटर हो गया, जबकि कल बांध का गेज 309.66 आरएल मीटर था। सीकर में ट्रैक पानी में डूबने के बाद लोगों को काफी परेशानी का सामना करना प ?ा। तेज बरसात से शहर के कई और इलाकों में भी पानी भर गया। तेज बरसात के कारण अलवर के कई बांध, तालाब और झीलों में पानी की आवक तेज हो गई है। दौसा के बसवा, सिकराय, बांदीकुई, झुंझुनूं के नवलगढ़, गुढ़ागौड़जी, करौली, जयपुर के कोटपूतली, पावटा, सीकर के नीमकाथाना, पाटन, रींगस और ग्रामीण क्षेत्र में 50 मिमी से ज्यादा बरसात हुई। मौसम केंद्र के निदेशक राधेश्याम शर्मा के अनुसार उत्तर-पूर्वी राजस्थान के ऊपर एक परिसंचरण तंत्र बना हुआ है और परिसंचरण तंत्र दक्षिण-पश्चिमी उत्तर प्रदेश व आसपास के पूर्वी राजस्थान के ऊपर बना हुआ है। तथा सतह से 5.4 किमी तक विस्तृत है। मानसून ट्रफ लाइन आज बीकानेर, सीकर से होकर गुजर रही है। पूर्वी राजस्थान के अधिकांश भागों में आज भी मानसून सक्रिय रहने तथा जयपुर, अजमेर, कोटा, भरतपुर, उदयपुर संभाग के अनेक भागों में बारिश होने तथा कहीं-कहीं अतिभारी बारिश होने की संभावना है।

विपक्ष खेल रहा है संसद में विदेशी इशारे पर देश द्रोह का खेल : लाजवंती झा

सहरसा (हिंस)। भाजपा महिला मोर्चा के निवर्तमान प्रदेशाध्यक्ष लाजवंती झा ने संसद सत्र के दौरान विपक्ष की भूमिका एवं आयरन पर क्षोभ व्यक्त कर आक्रोश जताया है। उन्होंने कहा कि 01 जुलाई को लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता के रूप में राहुल गांधी का पूरा भाषण एक भयानक खेल था, जिसके कारण सरकार भी स्तब्ध है। झा ने कहा कि इसे मंदबुद्धि बालक समझना भूल है। इसने तो देशद्रोही का अपना असली रूप दिखा दिया। वही विपक्ष और आम लोग ये शोर मचा रहे हैं कि राहुल गांधी ने हिंदुओं को हिंसक बताया, देवताओं का अपमान किया आदि आदि। किंतु मुझे आज लग गया कि यह दुष्ट देश में आग लगाने का भयानक खेल खेल रहा है, जो हिंदुओं में फूट डालकर विभिन्न जातियों को आपस में लड़ाने का, मुसलमानों को हिंदुओं से लड़ाने का, सैनिक विद्रोह कराने का षड्यंत्र कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी में शामिल करोड़ों हिंदू इस गद्दार राहुल गांधी, जिसकी न जाति का पता है। न धर्म का...इसके पीछे चलकर अपने देश और अपने धर्म को खतरे में डालने को कैसे और क्यों विवश हैं, समझ मे नहीं आ रहा! लेकिन इतना समझ लें। अब हमारे बच्चों का भविष्य अंधकार में और जीवन संकट में स्पष्ट दिख रहा है। विपक्षी पार्टियों के कुछ नेता विदेशी शक्तियों के इशारे पर जबरदस्त खेल खेल रहे हैं। हिंदुओं को एक होने की आवश्यकता है तभी देश बचेगा तभी सनातन बचेगा।

पीएम स्वनिधि योजना के लिए तीन दिवसीय शिविर का आयोजन सोमवार से

जयपुर (हिंस)। प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्म निर्भर निधि योजना के अन्तर्गत स्ट्रीट वेण्डर्स, अनौपचारिक क्षेत्र में सेवाऐ उपलब्ध करने वाले व्यक्तियों को दस, बीस और पचास हजार रुपए कार्यशील पूंजी बैंकों के माध्यम से अनुमादित ब्याज पर उपलब्ध करवाने के लिए नगर निगम ग्रेटर जयपुर द्वारा सोमवार को नगर निगम ग्रेटर जयपुर (मुख्यालय) लाल कोठी, मंगलवार को मानसरोवर जोन कार्यालय एवं बुधवार को विधाधर नगर जोन कार्यालय, अम्बाबाडी में तीन दिवसीय शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर में आवेदनकर्ता का नि:शुल्क आवेदन भरवाया जाकर नियमानुसार तुरन्त ऋ्रण वितरण की कार्रवाई सम्पादित की जाएगी। आवेदन करने के लिए आधार कार्ड, पैनकार्ड/ वोटर आई.डी. कार्ड, 4 पासपोर्ट फोटो एवं बैंक की पास बुक लाना अनिवार्य है।

विधानसभा चुनाव के लिए फील्ड में उतरें कार्यकर्ता : बिप्लब कुमार देव

त्रिपुरा के पूर्व सीएम ने फतेहाबाद में ली कार्यकर्ताओं की बैठक

फतेहाबाद (हिंस)। भाजपा के विधानसभा चुनाव को लेकर प्रदेश सह प्रभारी एवं त्रिपुरा के पूर्व सीएम बिप्लब कुमार देव ने शुक्रवार को फतेहाबाद में पार्टी कार्यालय में कार्यकर्ताओं की बैठक ली। बैठक में विशेष तौर पर राज्यसभा सांसद सुभाष बराला, फतेहाबाद के विधायक दूड़ाराम, रतिया के विधायक लक्ष्मण नापा, प्रदेश उपाध्यक्ष सतीश नांदल, पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल, डॉ. अशोक तंवर, जिला प्रभारी सुरेन्द्र आर्य, हरियाणा सरकार के चेयरमैन वेद फुलां, भारत भूषण मिड्ढ़ा मौजूद रहे। बैठक की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष बलदेव सिंह ग्रोहा ने की। बैठक में संगठनात्मक विषयों पर चर्चा की गई। इसके साथ ही उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी की 10 साल व राज्य की भाजपा सरकार की साढ़े 9 साल की उपलब्धियों व योजनाओं पर प्रकाश डाला। प्रदेश सहप्रभारी बिप्लब कुमार देव ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार सबसे ईमानदार सरकार साबित हुई है। युवाओं को पारदर्शिता के आधार पर बिना पर्ची बिना खर्ची के योग्यता के आधार पर नौकरियां दी गई। जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ एक एक लाभार्थी तक सीधे तौर पर पहुंचाया गया। किसान, मजदूर, महिलाओं, बुजुर्गों, दिव्यांगों, युवाओं हर वर्ग के हितों का ध्यान रखा गया है। ग्रामीण क्षेत्र के विकास को गति देने के लिए हाल ही में भाजपा सरकार ने पंचायत व सरपंचों के हित में अनेक कल्याकारी घोषणाएं की है। जनसंवाद कार्यक्रम के तहत प्रति दिन प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा जनता की समस्याओं को सुना जा रहा है और तत्परता से उनका समाधान करवाया जा रहा है। कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव सिर पर हैं। अपनी कमर कस लें और फिल्ड में उतर कर भाजपा सरकार की नीतियों व योजनाओं का पुरजोर प्रचार करें और कड़ी मेहनत के साथ प्रदेश में तीसरी बार भाजपा की सरकार बनाने का काम करें। इस अवसर पर अनेक भाजपा नेता व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से दो युवकों की मौत

जौनपुर (हिंस)। सिंगरामऊ थाना क्षेत्र के बछुआर गांव निवासी दो युवकों की गुरुवार की देर शाम हाई टेंशन तार की चपेट में आने से मृत्यु हो गई। बछुआर गांव के रहने वाले सूरज तिवारी (22) व श्याम यादव (22) गुरुवार की देर शाम को हाई टेंशन तार की चपेट में आने से झुल गए थे। ग्रामीणों ने आनन-फानन में पीएचसी लेकर पहुंचे, जहां शुरुआती इलाज के बाद गंभीर हालत में बदलापुर रेफर कर दिया गया। डॉक्टर संजय दुबे ने दोनों युवकों को मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही भाजपा विधायक रमेश मिश्रा पहुंचे। उन्होंने बिजली विभाग के एसडीओ और जेई की लापरवाही मानते हुए हादसा होना बताया। विधायक ने तत्काल जिलाधिकारी से बात कर दोनों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की बात कही। विधायक ने यह भी कहा कि इसके लिए उन्होंने कई बार जेई और एसडीओ को भी कहा था कि समय से पहले तारों को ठीक करवा लें लेकिन अधिकारियों ने उनकी बात पर ध्यान नहीं दिया। इसके चलते यह हादसा हुआ है।

अधिकारियों ने समाधान शिविर में सुनी नागरिकों की समस्याएं

फतेहाबाद (हिंस)। अतिरिक्त उपायुक्त राहुल मोदी ने लघु सचिवालय के सभागार में आयोजित हो रहे समाधान शिविर में जनता की शिकायतों की सुनवाई करते हुए अधिकारियों को इन शिकायतों के शीघ्र निपटारे के निर्देश दिए। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक आस्था मोदी ने पुलिस विभाग से सबंधित शिकायतों को सुना। शुक्रवार को समाधान शिविर में कुल 48 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमें से 28 का मौके पर समाधान किया गया। शेष समस्याओं के निदान के लिए मौके पर उपस्थित संबंधित अधिकारियों को सौंप दिया गया। शुक्रवार को लघु सचिवालय के सभागार में आयोजित किए गए समाधान शिविर में कुल 48 शिकायतों में से क्रीड की 35 शिकायतों में से 19, समाज कल्याण विभाग की 2 शिकायतों में से 2, खाद्य आपूर्ति विभाग की 4 शिकायतों में से 4, यूएलबी की एक शिकायत में से एक तथा स्वास्थ्य विभाग की 2 शिकायतों में से 2 शिकायतों का मौके पर समाधान किया गया। शिविर में पुलिस विभाग की 4 समस्या रखी गई, जो लंबित रही। एडीसी राहुल मोदी ने कहा कि सभी अधिकारी आमजन की शिकायतों को जल्द से जल्द दूर करें। आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान राज्य सरकार व जिला प्रशासन की पहली प्राथमिकता है। समाधान शिविर में दीवाना निवासी अनिल कुमार ने शिकायत रखी कि उसकी पीपीपी ने उसके बेटे का नाम दर्ज नहीं हो रहा है। सरवरपुर निवासी राकेश कुमार ने कंस्ट्रक्शन वर्कर व्यवसाय एड करने की गुजारिश की तो मौके पर ही उसका दर्ज करके दिया गया। भिरडाना निवासी शीला देवी का शिविर में राशन कार्ड बनाकर दिया गया। अगले महीने से उसे राशन मिलने लगेगा।

हाथरस भगदड़ कांड के पीड़ितों के साथ खड़ी है कांग्रेस : राहुल गांधी

हाथरस (हिंस)। लोकसभा में नेता विपक्ष एवं सांसद राहुल गांधी ने शुक्रवार को हाथरस भगदड़ कांड के प्रभावित परिवारों से मुलाकात की। राहुल गांधी ने उनसे मिलकर उनका दर्द बांटा और साथ खड़े होने का आश्वासन दिया। उन्होंने प्रशासन को इस घटना का दोषी करार देते हुए इस मामले को संसद में उठाने का भरोसा दिया। राहुल गांधी ने आगरा रोड विभव नगर नबीपुर खुर्द स्थित ग्रीन पार्क में सत्संग के दौरान भगदड़ में घायल और मृतकों के परिजनों से मुलाकात की। राहुल ने आशा देवी, मुन्नी देवी और ओमवती के परिवारीजनों से मुलाकात की और पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली। पीड़ितों से मुलाकात के बाद पत्रकारों से बातचीत के दौरान राहुल गांधी ने कहा कि हाथरस भगदड़ कांड में प्रशासन की कमी तो रही। गलतियां हुई हैं, उनका पता लगाना चाहिए। आर्थिक मदद ज्यादा से ज्यादा मिलनी चाहिए। ये गरीब परिवार थे। मैं यूपी के सीएम से अनुरोध करता हूं कि वो दिल खोलकर

आर्थिक मदद दें। पीड़ित परिवारों से मिलने के बाद राहुल गांधी दिल्ली के लिए रवाना हो गए। इससे पूर्व दिल्ली से सड़क मार्ग से राहुल गांधी अलीगढ़ जनपद के अकराबाद के गांव पिलखना पहुंचे। जहां राहुल गांधी ने हाथरस सत्संग के दौरान भगदड़ में मारे गए परिवारों से मुलाकात की। इनमें मंजू पत्नी छोटेलाल, पंकज पुत्र छोटेलाल, प्रेमवती और शांति देवी पत्नी विजय सिंह से मिले और पीड़ित परिवारों से मिलकर उनका दुख दर्द बांटा। इस दौरान कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय, सांसद इमरान मसूद के साथ स्थानीय पार्टी पदाधिकारी व कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि हाथरस के सिकंदराराऊ के फुलरई मुगल गढ़ी में मंगलवार को सूरज पाल उर्फ भोले बाबा के सत्संग के बाद मची भगदड़ में 121 लोगों की मौत हुई है। घटना के बाद सबसे पहले सरकार के तीन मंत्री राहत कार्यों के लिए पहुंचे थे। अगले ही दिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाथरस आकर घायलों का हाल जाना था और घटनास्थल का भी दौरा किया था। मुख्यमंत्री के बाद उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा, बसपा के प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ आर्य, यूपी सरकार के मंत्री धर्मवीर प्रजापति तथा समाजवादी पार्टी के प्रतिनिधिमंडल ने भी पीड़ित परिवारों से मुलाकात की है।

गहलोत सरकार की योजना में बदलाव : 300 बच्चे हर साल विदेश में और 200 छात्र देश के नामी संस्थानों में फ्री पढ़ेंगे

जयपुर (हिंस)। राजस्थान की भजनलाल सरकार ने विवेकानंद स्कॉलरशिप फॉर एकेडमिक एक्सीलेंस योजना के नियमों में भी संशोधन किया है। इसके बाद विवेकानंद स्कॉलरशिप फॉर एकेडमिक एक्सीलेंस योजना के तहत 300 विद्यार्थियों को विदेश में और 200 छात्रों को देश के ही नामी संस्थानों में पढ़ने भेजा जाएगा। उप मुख्यमंत्री और उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेम बैरवा ने कोटा ओपन यूनिवर्सिटी में बताया कि विवेकानंद स्कॉलरशिप फॉर एकेडमिक एक्सीलेंस योजना का रिव्यू करने के बाद सरकार ने इसमें आंशिक संशोधन करने का फैसला किया है। इसके तहत अब 300 छात्रों को ही विदेश में पढ़ने भेजा जाएगा, जबकि 200 छात्र को देश के ही नामी संस्थान में पढ़ाया जाएगा। बैरवा ने कहा कि भारत के शैक्षणिक संस्थान दुनिया में सर्वश्रेष्ठ है। यहां की टेक्निकल और हायर एजुकेशन सर्वश्रेष्ठ है। इसलिए सरकार ने इस योजना में संशोधन करने का फैसला किया है। बैरवा ने कहा कि पिछले कुछ दिनों से विवेकानंद स्कॉलरशिप योजना को बंद करने को लेकर कयास लगाए जा रहे थे, लेकिन सरकार इस योजना को बंद नहीं करने जा रही है। बल्कि, हम इस स्कॉलरशिप योजना

को और बेहतर बनाने के लिए काम कर रहे हैं, ताकि गांव और ढाणी में रहने वाले जरूरतमंद छात्र भी अच्छी और बेहतर एजुकेशन फ्री में हासिल कर सकें। इस दौरान उन्होंने रैंकिंग नियम में संशोधन को लेकर अभिभावकों द्वारा किए जा रहे विरोध पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि अगर किसी अभिभावक द्वारा तथ्यों के साथ मुझ तक इस तरह की शिकायत पहुंचाई जाएगी। इस पर भी जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

क्या जम्मू-कश्मीर में अक्तूबर माह में हो सकते है विधानसभा चुनाव!

जम्मू (हिंस)। जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनावों को लेकर एक तरफ जहां असमंझस की स्थिति बनी हुई है। इसी बीच एक दिन पहले प्रदेश भाजपा के नेताओं की नई दिल्ली में गृहमंत्री अमित शाह व पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा के साथ हुई बैठक से एक बार फिर से प्रदेश में विधानसभा चुनाव जल्द होने की आहट महसूस होना शुरू हो गई। हालांकि इस बैठक में यहां भाजपा ने जम्मू-कश्मीर की सभी 90 सीटों पर अपने प्रत्याशियों को उतारने का संकेत दिया और 50 प्लस के आंकड़े को पार करने का लक्ष्य रखा वहीं, इन चुनावों से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी जम्मू-कश्मीर का दौरा कर सकते है। ऐसे संकेत भी इस बैठक में प्रदेश के नेताओं को दिए गए है क्योंकि चुनावों में माहौल पूरी तरह से भाजपा के पक्ष में बनाने के लिए पीएम मोदी प्रदेश में कई परियोजनाओं का लोकार्पण व शुरुआत कर सकते है। जबकि इसमें एक नई रेल परियोजना की शुरुआत भी शामिल बताई जा रही है। पार्टी सूत्रों के अनुसार जम्मू-कश्मीर में चल रही श्री अमरनाथ यात्रा के समापन के साथ ही चुनाव आयोग संभवता विधानसभा चुनावों को लेकर अधिकारिक रूप से एलान कर सकता है और संभवता अक्तूबर माह में जम्मू-कश्मीर में पांच चरणों में विधानसभा चुनाव भी हो जाएं। क्योंकि माननीय सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को जम्मू-कश्मीर में सितंबर 2024 तक चुनाव करवाने का निर्देश दिया है। ऐसे में अगस्त के अंत या फिर सितंबर माह की शुरुआत में चुनाव आयोग चुनावों को एलान कर सकता है। हालांकि संकेत ऐसे भी मिल रहे है कि भाजपा प्रदेश में चुनावों से पहले किसी भी दल के साथ गठबंधन नहीं करेगी जबकि चुनावों के बाद सामान विधारधारा वाले दलों के साथ गठजोड़ जरूर किया जा सकता है। सूत्रों की माने तो जम्मू-कश्मीर में भजापा अध्यक्ष जेपी नड्डा के दौरे व प्रदेश कार्यकारिणी के साथ ही भाजपा एक विशाल जनसंपर्क अभियान भी शुरू करने जा रही है जिसमें लोगों को भाजपा सरकार की नीतियों से जमीनी स्तर पर अवगत करवाया जाएगा। जबकि दूसरी तरह कांग्रेस ने भी स्थानीय मुद्दों पर विधानसभा चुनावों से पहले भाजपा सरकार को घेरने की रणनीति बना ली है और नेशनल कांफ्रेंस ने भी चुनावों की आहट को महसूस करते हुए चुनावों को लेकर रणनीति बनाने की दिशा में काम शुरू कर दिया क्योंकि एक दिन पहले ही इन दोनों दलों ने अपने वरिष्ठ नेताओं के साथ अहम बैठक की है।

गुरुग्राम की तरह पाकिस्तान में भी निकाली जाएगी जगन्नाथ यात्रा : सर्वभौमा प्रभु

सात जुलाई को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर निकलेगी यात्रा

गुरुग्राम (हिंस)। इस्कॉन (अंतराष्ट्रीय कृष्ण भावनामृत संघ) पूरे भारत देश ही नहीं पूरी दुनिया में धर्म का प्रचार-प्रसार कर रहा है। भगवान प्रभुपाद की ओर से दुनिया में भारत को जगत गुरू बनाने की दिशा में काम शुरू कर दिया गया। अमेरिका में जाकर उन्होंने धर्म का प्रचार किया तो वहां का युवा नशे छोड़ भगवान जगन्नाथ की भक्ति में लीन हो गए। यह बात प्रसिद्ध श्रीमद् भागवत कथा वाचक एचजी सर्वभौमा प्रभु ने कही। यहां सेक्टर-45 स्थित इस्कॉन मंदिर में वे कथा करने पहुंचे हैं। गुरुग्राम में 7 जुलाई को जगन्नाथ यात्रा के आयोजन को लेकर पत्रकार वार्ता में उन्होंने इस्कॉन मंदिर सेक्टर-45 के अध्यक्ष अच्युत हरि दास के साथ मंच सांझा किया। एचजी सर्वभौमा प्रभु ने कहा कि पाकिस्तान के कराची शहर में 4 एकड़ में फैले स्वामी नारायण मंदिर के पास से गुरुग्राम की तरह से 7 जुलाई को भगवान जगन्नाथ यात्रा निकाली जाएगी। उन्होंने कहा कि वर्तमान में पाकिस्तान में 14 मंदिर हैं। अगले साल तक वहां भव्य राधा-कृष्ण मंदिर भी लोकार्पित होने जा रहा है। उन्होंने कहा कि वर्ष 1971 में प्रभुपाद भारत आए और यहां भगवान जगन्नाथ के नाम को जन-जन तक पहुंचाना शुरू किया। उनके द्वारा रखी गई नींव के बाद आज देशभर में 560 से अधिक मंदिर हैं। उन्होंने तीन विषयों को आगे बढ़ाते हुए इस्कॉन से जुड़े हर अनुयायी को यही संदेश दिया कि नाम का संकीर्तन होता रहना चाहिए। साहित्य पुस्तकों का वितरण होते रहना चाहिए और मंदिरों के 10 किलोमीटर के दायरे में कोई भूखा नहीं सोना चाहिए। आज इन तीनों विषयों का पूरा पालन किया जा रहा है। एच.जी. सर्वभौमा ने इस बात पर दुख जाहिर किया कि जो गंगा मां 5000 साल तक पतित-पावन थी, आज उसे पर्यटक केंद्र हो गई है। साथ ही कहा कि भगवान जगन्नाथ 10000 साल तक पतित पावन हैं। इस्कॉन मंदिर सेक्टर-45 के अध्यक्ष अच्युत हरि दास ने बताया कि आगामी 7 जुलाई को भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा की भव्य रथ यात्रा निकाली जाएगी। कई तरह के धार्मिक, सामाजिक व भक्तिमय कार्यक्रम रथ यात्रा में होंगे। इस यात्रा में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, अखिल भारतीय आतंकवाद विरोधी मोर्चा के अध्यक्ष एमएस बिट्टा मुख्य अतिथि होंगे। यात्रा दोपहर 2 बजे एक विशाल केक के भोग के साथ शुरू होगी। यात्रा सेक्टर-45 से शुरू होकर सेक्टर-40 मार्केट, सेक्टर-31 मार्केट से होते हुए सेक्टर-15 कंपनी बाग ग्राउंड पहुंचेगी। यहां से यात्रा सदर बाजार, सिद्धेश्वर चौक, सोहना चौक होते हुए कंपनी बाग पहुंचेगी। यात्रा के दौरान भगवान को छप्पन भोग प्रसाद एक विशाल क्रेन की मदद से हवा में चढ़ाया जाएगा।

महंगा हो रहा है वेज खाना, क्रिसिल ने बताया क्यों बढ़ रही है वेज थाली के दाम

नई दिल्ली।
क्रिसिल मार्केट इंटेलिजेंस एंड एनालिसिस ने जून के लिए रिपोर्ट जारी कर दी। आपको बता दें कि क्रिसिल हर महीने रिपोर्ट जारी करता है। इस रिपोर्ट में वेज थाली और नॉन-वेज थाली की कीमतों को लेकर जानकारी दी जाती है।

क्रिसिल की रिपोर्ट के अनुसार जून में वेज थाली के दामों में 10 फीसदी की तेजी आई है। देश में प्याज, आलू, टमाटर के दामों में तेजी आने के बाद इनके दाम बढ़ गए। वहीं, दूसरी तरफ नॉन-वेज थाली के दामों में नरमी आई है।

वेज थाली हुई महंगी

रिपोर्ट के मुताबिक वेज थाली जिसमें रोटी, सब्जियां (प्याज, टमाटर और आलू), चावल, दाल, दही और सलाद शामिल होती है। इस थाली की कीमत जून में 10 प्रतिशत बढ़कर 29.4 रुपये प्रति प्लेट हो गई, जो एक साल पहले की अवधि में 26.7 रुपये थी। मई में वेज थाली की कीमत 27.8 रुपये था। शाकाहारी थाली की कीमतों में कुल वृद्धि का कारण टमाटर की कीमतों में 30 प्रतिशत, आलू में 59 प्रतिशत और प्याज में 46 प्रतिशत की वृद्धि है।

क्यों महंगे हो रहे हैं सब्जियां

क्रिसिल रिपोर्ट के अनुसार प्याज के मामले में रबी के फसलों में गिरावट आई, जबकि मार्च में बेमौसम बारिश के कारण आलू की कम पैदावार देखी गई। टमाटर की कीमतों में उछाल को लेकर रिपोर्ट में कहा गया कि कर्नाटक और आंध्र प्रदेश के प्रमुख उत्पादक क्षेत्रों में उच्च तापमान के कारण टमाटर की आवक साल-दर-साल 35 प्रतिशत कम हो गई। रिपोर्ट के अनुसार चावल की कीमतों में 13 फीसदी की बढ़ोतरी हुई और दाल की कीमतों में 22 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले महीने की तुलना में सब्जी और गैर-सब्जी दोनों प्रकार के खाद्य पदार्थों की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है। सबसे ज्यादा सब्जियों की कीमतों में वृद्धि हुई है। नॉन-वेज थाली का हाल नॉन-वेज थाली में दाल की जगह चिकन ले लेता है। पिछले महीने यानी जून में नॉन-वेज थाली घटकर 58 रुपये हो गई, जबकि एक साल पहले की अवधि में यह 60.5 रुपये थी। वहीं मई में नॉन-वेज प्रति थाली की कीमत 55.9 रुपये थी।

न्यूज ब्रीफ

पेरिस के विश्व प्रसिद्ध गैलरीज लाफायेट में यूपीआई सेवा शुरू, भारतीय राजदूत जावेद ने भुगतान किया

नई दिल्ली । भारत ने पेरिस के ऐतिहासिक डिपार्टमेंट स्टोर गैलरीज लाफायेट में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) लॉन्च किया है। यह ऐतिहासिक कदम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के यूपीआई के वैश्विकरण के दृष्टिकोण को साकार करने की दिशा में एक और कदम है। 2016 में नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) द्वारा इसे विकसित किया गया था। फ्रांस में भारतीय दूतावास ने कहा कि 3 जुलाई 2024 को पेरिस के हॉसमैन में विश्व प्रसिद्ध गैलरीज लाफायेट के प्रमुख स्टोर पर यूपीआई सेवाएं शुरू हो गई। बयान में कहा गया कि इससे पहले प्रतिष्ठित एफिल टॉवर में यूपीआई को सफलता पूर्वक लॉन्च किया गया था। फ्रांस और मोनाको की रियासत में भारत के राजदूत जावेद अशरफ ने गैलरीज लाफायेट के सीईओ निकोलस हाउज और लाइरा ग्रुप के चेयरमैन एलेन लैकोर की मौजूदगी में स्टोर पर यूपीआई के जरिये भुगतान भी किया। अशरफ ने एक पोस्ट में यूपाआई सेवा के लॉन्च होने की पुष्टि की। राजदूत ने प्रधानमंत्री मोदी द्वारा 2018 में सिंगापुर में यूपीआई के पहले अंतरराष्ट्रीय लॉन्च को याद किया और यूपीआई की अंतरराष्ट्रीय यात्रा पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने उम्मीद जताई कि सीमा पार डिजिटल भुगतान का त्वरित, सुरक्षित और कुशल साधनों के अलावा, यूपीआई सीमा पार धन प्रेषण के माध्यम के रूप में विकसित होगा।

आरबीआई के बंपर लाभांश से विनिवेश की कम होगी जरूरत अंतरिम बजट में बना रह सकता है 50,000 करोड़ का लक्ष्य

नई दिल्ली । आरबीआई की ओर से मिले 2.1 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड लाभांश से सरकार को चालू वित्त वर्ष में विनिवेश की कम जरूरत हो सकती है। केयर रेटिंग्स ने कहा, नई सरकार विनिवेश से प्राप्तियों पर अंतरिम बजट में 50,000 करोड़ रुपये के लक्ष्य को बरकरार रख सकती है। रेटिंग एजेंसी ने बृहस्पतिवार को कहा, आरबीआई के बंपर लाभांश से केंद्र सरकार की राजकोषीय स्थिति आरामदायक बनी हुई है। ऐसे में बड़े विनिवेश की जरूरत खत्म हो सकती है। शिपिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया में सरकार चालू वित्त वर्ष में हिस्सा बेच सकती है। इससे 12,500 से 22,500 करोड़ मिल सकते हैं। अन्य संभावित बिक्री में कॉनकॉर और पवन हंस शामिल हैं। पिछले दस वर्षों में सरकार ने विनिवेश से 5.2 लाख करोड़ रुपये जुटाए हैं। सरकार अपनी कंपनियों में 51 फीसदी तक हिस्सेदारी रखती है तो भी उसे बिक्री से 11.5 लाख करोड़ मिल सकते हैं। केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों में हिस्सेदारी बेचने से सरकार को पांच लाख करोड़ रुपये मिलने की उम्मीद है।

सुजुकी मोटर ने 340 करोड़ का कोष नेक्स्ट भारत किया पेश

नई दिल्ली । जापान की मोटर वाहन कंपनी सुजुकी मोटर ने भारत में अपना पहला निवेश कोष नेक्स्ट भारत शुरू किया। यह 340 करोड़ रुपये का कोष है जो मझोले शहरों और उससे नीचे के क्षेत्रों में मूल्य सृजन करने वाले प्रभावशाली उद्यमियों को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है। कंपनी के अनुसार सुजुकी की इस पहल का मकसद एक रेजीडेंसी कार्यक्रम के जरिए कृषि, वित्तीय समावेशन, ग्रामीण आपूर्ति श्रृंखला तथा ग्रामीण परिवहन के क्षेत्रों में सामाजिक प्रभाव वाले स्टार्टअप को समर्थन देना है। नेक्स्ट भारत के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि नेक्स्ट भारत अपने प्रमुख रेजिडेंसी कार्यक्रम के जरिए उन कंपनियों में निवेश करना चाहता है जो वृद्धि के पहले चरण में हैं ।

सेबी और सैट का निवेश के स्थिर और विश्वसनीय माहौल बनाने में राष्ट्रीय महत्व, बोले सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़

नई दिल्ली ।
भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने मुंबई के मित्तल कोर्ट में प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण (एसएटी) के नए परिसर का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने शेयर बाजार में उछाल के बीच भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) और एसएटी के महत्व पर प्रकाश डाला। इस मौके पर सीजेआई ने कहा कि जब निवेशक आश्वस्त महसूस करते हैं कि उनका निवेश कानून द्वारा संरक्षित है और विवादों के समाधान के लिए प्रभावी तंत्र हैं, तो उनके देश के बाजारों में निवेश करने की अधिक संभावना होती है। उन्होंने कहा, जब हम कानून के शासन के विचार के बारे में सोचते हैं, तो हम अक्सर इसे केवल सामाजिक और राजनीतिक न्याय से जोड़ते हैं। 2005 की शुरुआत में, विश्व बैंक ने सिद्धांत दिया कि कानून के शासन की रक्षा करना भी आंतरिक रूप से बेहतर आर्थिक परिणामों और वित्तीय उन्नति से जुड़ा हुआ है। एक कानूनी प्रणाली जिसमें पर्याप्त प्रक्रियात्मक सुरक्षा उपाय, निष्पक्षता और मंच मौजूद हैं, जो मनमानेपन के बिना न्याय प्रदान करते हैं, देश के बाजारों और व्यापार परिदृश्य में निवेशकों के विश्वास का निर्माण करने का अभिन्न अंग है। सेबी और सैट के होने से निवेशक आश्वस्त महसूस करते हैं सीजेआई ने कहा, इसलिए सेबी जैसे नियामकों और सैट जैसे अपीलीय मंचों का निवेश के स्थिर और विश्वसनीय माहौल बनाने में राष्ट्रीय महत्व है। जब निवेशक आश्वस्त महसूस करते हैं कि उनके निवेश कानून द्वारा संरक्षित हैं और विवाद समाधान के लिए प्रभावी तंत्र हैं, तो वे देश के बाजारों में निवेश करने की अधिक संभावना रखते हैं। निवेश के इस प्रवाह से बेहतर आर्थिक परिणाम हो सकते हैं, जैसे पूंजी निर्माण, रोजगार सृजन और समग्र आर्थिक विकास में वृद्धि। रजिस्ट्रार, शोधकर्ता, प्रशासनिक कर्मचारी और अन्य अधिकारियों का काम अहम डीवाई चंद्रचूड़ ने इस बात पर भी जोर दिया कि हमारे न्यायाधिकरणों और अदालतों के प्रभावी कामकाज के पीछे रजिस्ट्रार, शोधकर्ता और कर्मचारी हैं जो मशीनरी को अच्छी तरह से चलाते हैं। सीजेआई ने कहा, जब हम न्यायिक मंचों के बारे में सोचते हैं चाहे वह हमारे न्यायाधिकरण, उच्च न्यायालय या सर्वोच्च न्यायालय हों हम अक्सर न्यायाधीशों, वकीलों और वादियों के बारे में सोचते हैं। हालांकि, इन मंचों के प्रभावी कामकाज के पीछे रजिस्ट्रार, शोधकर्ता, प्रशासनिक कर्मचारी और अन्य अधिकारी हैं जो मशीनरी को अच्छी तरह से व्यवस्थित रखते हैं। सीजेआई ने कहा कि प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण (एसएटी) एक रेफरी की तरह है, यह सुनिश्चित करता है कि वित्तीय क्षेत्र की कड़ी प्रतिस्पर्धा की दुनिया में, सभी हितधारक नियमों का पालन करें।किसी भी अच्छे रेफरी की तरह, एसएटी ने सफलतापूर्वक काम किया है।

पहली छमाही में मकानों की बिक्री 11 फीसदी बढ़कर 11 साल के शीर्ष पर, नाइटफ्रैंक इंडिया ने रिपोर्ट जारी की

नई दिल्ली । नाइटफ्रैंक इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक पहली छमाही में मकानों की बिक्री सालाना 11 फीसदी बढ़ गई है, जो कि पिछले 11 सालों में अब तक शीर्ष पर है। देश के आठ प्रमुख शहरों में 2024 की पहली छमाही (जनवरी-जून) में मकानों की बिक्री सालाना आधार पर 11 फीसदी बढ़कर 11 साल के उच्च स्तर पर पहुंच गई। इस अवधि में कुल 1,73,241 मकान बिके। कुल बिक्री में प्रीमियम मकानों की हिस्सेदारी 34 फीसदी रही। नाइटफ्रैंक इंडिया की बृहस्पतिवार को जारी रिपोर्ट के मुताबिक, जनवरी-जून, 2024 में आठ शहरों में कार्यालय के लिए जगह की मांग भी 33 फीसदी बढ़कर रिकॉर्ड 3.47 करोड़ वर्ग फुट पर पहुंच गई। नाइट फ्रैंक इंडिया के चेयरमैन-एमडी शिशिर बैजल ने कहा, मजबूत आर्थिक बुनियाद और स्थिर सामाजिक-राजनीतिक हालात के कारण देश का रियल एस्टेट बाजार कुछ तिमाहियों में तेजी से बढ़ा है। आवासीय और कार्यालय के लिए स्थानों की मांग दशक भर में सबसे अधिक रही। एक साल में नौ फीसदी तक बढ़े दाम आठ प्रमुख शहरों में पहली छमाही में सालाना आधार पर मकानों की कीमतें 9 फीसदी तक बढ़ी हैं। बंगलूरू में कीमत सबसे ज्यादा 9 फीसदी बढ़ी है। मकानों के दाम कोलकाता में 6 फीसदी, हैदराबाद-चेन्नई में पांच-पांच फीसदी, मुंबई-एनसीआर-पुणे में चार-चार फीसदी और अहमदाबाद में एक फीसदी बढ़े हैं। मुंबई में कार्य स्थल की सर्वाधिक मांग रिपोर्ट के मुताबिक, मुंबई में कार्यालय स्थल की मांग 79 फीसदी बढ़कर 58 लाख वर्ग फुट पहुंच गई। दिल्ली-एनसीआर में यह 11.5 फीसदी बढ़कर 57 लाख वर्ग फुट पहुंच गई। बंगलूरू में 21 फीसदी बढ़कर 84 लाख वर्ग फुट और पुणे में 88 फीसदी बढ़कर 44 लाख वर्ग फुट पहुंच गई। हैदराबाद, कोलकाता व अहमदाबाद में भी कार्यालय स्थल की मांग बढ़ी है। हालांकि, चेन्नई में इसमें गिरावट आई है। मुंबई-एनसीआर में सर्वाधिक बिक्री हुई है।

2024 की पहली छमाही में भारतीय एफएमसीजी सेक्टर में हुए 938 मिलियन डॉलर के विलय और अधिग्रहण

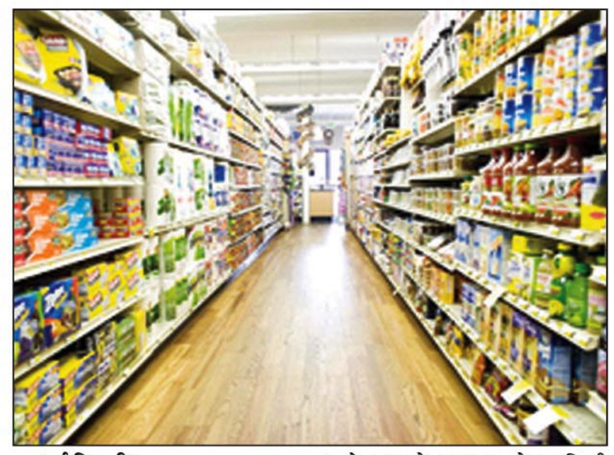

नई दिल्ली।
भारत के एफएमसीजी सेक्टर में 2024 के शुरुआती छह महीने में विलय और अधिग्रहण की गतिविधियां बढ़कर 938 मिलियन डॉलर रही।वेंचर इंटेलिजेंस द्वारा जारी किए गए डेटा के मुताबिक, यह पिछले चार वर्षों में घरेलू फास्ट मूविंग कंज्यूमर गुड्स (एफएमसीजी) मार्केट का यह सबसे बड़ा आंकड़ा है। जनवरी में इस वर्ष टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स ने ऑर्गेनिक इंडिया में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी थी। फेब इंडिया के स्वामित्व वाली यह कंपनी चाय, हर्बल सप्लीमेंट और पैक्ड फूड्स बेचती है। यह एक ऑल-कैश डील थी। इसका डील का साइज 1,900 करोड़ रुपये था। इससे पहले टाटा की ओर से कैपिटल फूड में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी गई थी। यह कंपनी चिंग्स सीक्रेट और स्मिथ एंड जोन्स ब्रांड्स के तहत उत्पाद बेचती है। यह भी ऑल-कैश डील थी। इसका साइज 5,100 करोड़ रुपये था। प्राइवेट इक्विटी (पीई) और वेंचर कैपिटल (वीसी) की ओर से इस साल की पहली छमाही में 593 मिलियन डॉलर की डील की गई है। इस हफ्ते जारी एक अन्य रिपोर्ट में बताया गया कि वित्त वर्ष 25 में एफएमसीजी सेक्टर की आय 7 से 9 प्रतिशत तक बढ़ सकती है। इसकी वजह अधिक वॉल्यूम का होना, ग्रामीण मांग का वापस आना और शहरी क्षेत्र में वृद्धि जारी रहना है। क्रिसिल रेटिंग्स की ओर से 77 कंपनियों पर की गई स्टडी में बताया गया कि वित्त वर्ष 24 में एफएमसीजी सेक्टर में वृद्धि दर 5 से 7 प्रतिशत थी। वहीं, वित्त वर्ष 25 में वृद्धि दर इसी तरह की रह सकती है। ग्रामीण भारत में सरकार द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के जरिए इन्फ्रास्ट्रक्चर पर अधिक खर्च करने के कारण ग्रामीण आबादी के पास अधिक पैसे बच रहे हैं। इससे उनकी खर्च योग्य आय में बढ़ोतरी हो रही है।

सोना-चांदी की कीमतों में आई तेजी, सोने के वायदा भाव 72,450, चांदी लगभग 92,200 रुपए

नई दिल्ली।
सोने और चांदी के वायदा कारोबार में तेजी देखने को मिल रही है। दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 72,450 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 92,200 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वैश्विक बाजार में सोने व चांदी के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट 45 रुपये की तेजी के साथ 72,412 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 54 रुपये की तेजी के साथ 72,421 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कॉन्ट्रेक्ट 250 रुपये की तेजी के साथ 92,211 रुपये पर खुला। इस समय यह 219 रुपये की तेजी के साथ 92,180 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में सोने और चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। कॉमेक्स पर सोना 2,365.80 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,369.40 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 1.70 डॉलर की गिरावट के साथ 2,367.70 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 30.82 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 30.84 डॉलर था। इस समय यह 0.07 डॉलर की गिरावट के साथ 30.77 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

अदाणी समूह पर हिंडनबर्ग के हमले के पीछे चीनी कनेक्शन, वरिष्ठ वकील ने किया दावा

नई दिल्ली ।
एक्स पर एक लंबी पोस्ट में, जेठमलानी ने कहा कि किंगडन कैपिटल मैनेजमेंट की आड़ में अमेरिकी व्यवसायी मार्क किंगडन ने अदाणी समूह पर एक रिपोर्ट तैयार करने के लिए हिंडनबर्ग को काम पर रखा था। सके बाद कोटक इंडिया अपॉर्चुनिटी फंड का निर्माण हुआ। वरिष्ठ वकील महेश जेठमलानी ने आरोप लगाया है कि चीनी लिंक वाले एक व्यापारी ने शॉर्ट-सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट तैयार करवाई थी, जिसके कारण अदाणी समूह की कंपनियों के शेयरों को झटका लगा। इस सप्ताह की शुरुआत में, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने कहा था कि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक किंगडन कैपिटल मैनेजमेंट एलएलसी और उसकी संस्थाओं ने अप्रत्यक्ष रूप से अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड के शेयरों को शॉर्ट करने में हिंडनबर्ग की सहायता की थी। बाजार नियामक की एक जांच से यह भी पता चला है कि कोटक महिंद्रा और हिंडनबर्ग ने अदाणी के शेयरों में शॉर्ट पोजीशन लेने के लिए एक साथ साजिश रची।

एक्स पर एक लंबी पोस्ट में जेठमलानी ने कहा कि किंगडन कैपिटल मैनेजमेंट की आड़ में अमेरिकी व्यवसायी मार्क किंगडन ने अदाणी समूह पर एक रिपोर्ट तैयार करने के लिए हिंडनबर्ग को काम पर रखा था। किंगडन ने अदाणी के शेयरों में कारोबार के लिए ऑफशोर फंड के साथ-साथ ऑफशोर अकाउंट स्थापित करने के लिए कोटक की अंतरराष्ट्रीय निवेश शाखा कोटक महिंद्रा इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड (केएमआईएल) से भी संपर्क किया।

स्मार्टफोन फोटोग्राफी में नए युग की शुरुआत, रियलमी 13 प्रो सीरीज 5जी में अल्ट्रा क्लियर कैमरा, एआई तकनीक

नई दिल्ली।
स्मार्टफोन फोटोग्राफी की दुनिया को एआई और मशीन लर्निंग ने और स्मार्ट बना दिया है, जिससे आज यह हर किसी की पहुंच में है। एआई एल्गोरिदम ने लाइटिंग में आने वाली परेशानियों को कम करने के साथ साफ-सुथरी तस्वीरों और शोर को कम करने पर काम किया गया है। एक्सपोजर के लिए एचडीआर में महारत हासिल करने का काम किया गया है।

इसमें एआई, फोटो खींचने में आ रही परेशानियों को दूर करने के साथ एक शानदार फोटो लेने में मदद करता है। वहीं रियलमी की आगामी पेशकश इसे और आगे ले जाती है। जिसमें 13 प्रो सीरीज 5जी दुनिया के पहले सोनी सेंसर के साथ आता है।

रियलमी ने लगातार कैमरा तकनीक की सीमाओं को आगे बढ़ाया है, खास तौर पर मिड-टू-हाई सेगमेंट में उसकी प्रतिबद्धता रियलमी 12 प्रो प्लस जैसी उपलब्धियों से स्पष्ट है, जो उनकी फ्लैगशिप नंबर सीरीज में नवीनतम है, जिसने फ्लिपकार्ट पर अपनी श्रेणी में नंबर 1 कैमरा स्मार्टफोन का खिताब अपने नाम किया।

इनोवेशन में रियलमी आगे बढ़ने के लिए मंच तैयार कर रहा है। जहां एआई महज एक फीचर के रूप में नहीं, बल्कि शानदार फोटोग्राफी अनुभव के रुप में भी सामने आता है। 12 प्रो सीरीज 5जी की सफलता के बाद रियलमी अब इसी साल अपना अगला फ्लैगशिप डिवाइस लॉन्च करने की तैयारी में है। लंबे समय से प्रतीक्षित रियलमी 13 प्रो सीरीज 5जी को एआई के साथ यूजर्स को अल्ट्रा कैमरा अनुभव देने के लिए डिजाइन किए गए पहले एआई प्रोफेशनल कैमरा स्मार्टफोन के रूप में पेश किया गया है। रियलमी इस महीने लॉन्च होने वाले अपने 13 प्रो सीरीज 5जी के साथ स्मार्टफोन फोटोग्राफी को फिर से परिभाषित करना चाहता है, जो सोनी सेंसर के साथ पहला एआई इमेजिंग फोन है। यह ग्राउंड ब्रेकिंग सेंसर 13 प्रो सीरीज 5जी में दो सोनी सेंसर में से एक है, डिवाइस में सोनी के साथ 50 एमपी ओआईएस मुख्य कैमरा और सोनी साथ 50एमपी पेरिस्कोप टेलीफोटो कैमरा है, जो कैमरा पावर हाउस के रूप में इसकी स्थिति को और मजबूत करता है।

डिवाइस को हाइपर इमेज प्लस पर बनाया गया है जो फुल-पाइप लाइन एआई आर्किटेक्चर है जो रियलमी के एआई इनोवेशन में नवीनतम उपलब्धि को दर्शाता है। इंडस्ट्री की पहली एआई फोटोग्राफी आर्किटेक्चर के रूप में हाइपर इमेज प्लस में तीन लेयर के स्ट्रक्चर के साथ डिवाइस एआई इमेजिंग एल्गोरिदम पर फ्लैगशिप ऑप्टिक्स और क्लाउड-आधारित एआई इमेज एडिटिंग की

सुविधा है।

इसमें कई लेंस, पेरिस्कोप लेंस और बड़े सेंसर से युक्त अत्याधुनिक ऑप्टिक्स बेस लेयर बनाते हैं, जो उच्च-गुणवत्ता वाली छवियों को कैप्चर करने में सक्षम है। इस एआई इमेजिंग एल्गोरिदम और एआई इमेज एडिटिंग के आधार पर फोटो और वीडियो कंटेंट की दृश्य गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए इमेज डेटा को प्रोसेस किया जाता है। यह व्यापक दृष्टिकोण मोबाइल फोटोग्राफी को नई ऊंचाइयों पर ले जाता है, जिससे उपयोगकर्ता अपने स्मार्टफोन की सुविधा से पेशेवर-ग्रेड फोटोग्राफी का आनंद ले सकते हैं। इस अत्याधुनिक तकनीक को प्रदर्शित करने के लिए रियलमी डिवाइस के अनावरण से पहले 4 जुलाई को बैंकॉक में एक विशेष एआई इमेजिंग मीडिया पूर्वावलोकन कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। द फ्यूचर इज हियर: एआई इज रेवोल्यूशनाइजिंग मोबाइल इमेजिंग नामक इस कार्यक्रम में उद्योग जगत के लीडर और विशेषज्ञ शामिल होंगे, जिनमें टीयूवी रीनलैंड के स्वेन ओलाफ स्टीनके और सोनी सेमीकंडक्टर सॉल्यूशंस के तोशिमित्सु कुरोसाका शामिल होंगे।

इस इवेंट में रियलमी न केवल स्मार्टफोन इमेजिंग में एआई के भविष्य की खोज करेगा, बल्कि सोनी के साथ एक नई सहयोगी पहल की भी घोषणा करेगा। रियलमी, सोनी के साथ मिलकर मोबाइल फोटोग्राफी की सीमाओं को आगे बढ़ाने के लिए तैयार है। जो डीएसएलआर स्तर की एआई कैमरा तकनीक को अपने व्यापक यूजर्स तक पहुंचाएगा। 13 प्रो सीरीज 5जी के साथ आप 120एक्स सुपरजूम पर भी आश्चर्यजनक स्पष्टता के साथ लुभावने शहरी दृश्यों, दूर के स्थलों और किसी मंच के क्षणों को कैप्चर कर सकते हैं। एआई क्लैरिटी बूस्ट आमतौर पर पिक्सेल के धुंधलेपन को दूर करने का काम करती है। साथ ही यह दूर की चीजों को कैमरे में कैद करने में आसान बनाता है। वहीं, हाइपरइमेज प्लस इसे जूम से कहीं आगे ले जाता है।

यह रॉ डोमेन इमेज एल्गोरिदम का उपयोग कर हर तस्वीर की पूरी क्षमता को अनलॉक करता है, जो इस कीमत में शायद कभी न देखा गया फीचर है। जो हर एक पिक्सेल से अधिकतम गुणवत्ता निकालने के लिए है। इसका मतलब है कि पेशेवर-ग्रेड पोर्ट्रेट डीएसएलआर से ली गई तस्वीर को भी मात देते हैं। साथ ही फोटो लेते हुए आने वाली आवाज को भी कम करता है। टेलीफोटो इमेज को चाहे आप कितना भी जूम करें, वह खराब नहीं होगी।

रियलमी 13 प्रो सीरीज 5जी में उन्नत एआई क्षमताएं भी हैं, जिनमें एआई हाइपररॉ एल्गोरिदम, एआई प्योर बोकेह, एआई नेचुरल स्किन टोन और एआई अल्ट्रा क्लैरिटी शामिल है, जो पोर्ट्रेट फोटोग्राफी और समग्र इमेज गुणवत्ता के लिए एक नया मानक स्थापित करते हैं।

रियलमी 13 प्रो सीरीज 5जी लॉन्च सिर्फ एक और स्मार्टफोन लॉन्च नहीं है। यह रियलमी की तकनीक को हर जगह पहुंचाने की प्रतिबद्धता को दिखाता है। साथ ही एआई संचालित इमेजिंग जैसी अत्याधुनिक प्रगति को सभी के लिए सुलभ बनाता है, खासकर युवा उपयोगकर्ताओं के लिए जो इसमें बेस्ट की मांग करते हैं।

13 प्रो सीरीज 5जी रियलमी की नंबर सीरीज को आगे लेकर जा रही है। जो स्मार्टफोन में कैमरा की तकनीक को आगे बढ़ाता है और मोबाइल फोटोग्राफी इनोवेशन में एक लीडर के रूप में रियलमी को मजबूत करता है।

इक्वाडोर को पेनल्टी में शूट कर अर्जेंटीना सेमीफाइनल में

ह्यूस्टन (अमेरिका)। अर्जेंटीना ने इक्वाडोर को पेनल्टी शूट आउट में 4-2 से हराकर कोपा अमेरिका कप में लगातार पांचवीं बार सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। अर्जेंटीना का सेमीफाइनल में वेनेजुएला बनाम कनाडा मैच के विजेता से मुकाबला होगा जो 9 जुलाई को ईस्ट रदरफोर्ड, न्यू जर्सी के मेटलाइफ स्टेडियम में खेला जाएगा।

एनआरजी स्टेडियम पर मौजूदा चैंपियन के कब्जे के बावजूद, इक्वाडोर अधिक खतरनाक था, मैच के पहले तीन शॉट्स में, जिसमें सरमिएंटो शॉट पर एमिलियानो मार्टिनेज द्वारा महत्वपूर्ण बचाव भी शामिल था।

अर्जेंटीना के लिए पहला अच्छा मौका एंज़ो फर्नांडीज के माध्यम से आया: एक हेडर और एक पलटवार के बाद एक कॉर्नर मिला। मेसी के कार्नर से, मैक एलिस्टर के बाद लिसेंड्रो मार्टिनेज का दूसरा हेडर, अलेक्जेंडर डोमिंगुएज़ ने बचा लिया लेकिन गेंद पहले ही गोल रेखा पार कर चुकी थी।

पहले हाफ के अंतिम मिनटों में, निकोलस गोंजालेज के एक प्रयास ने एल्बीसेलेस्टे को दूसरे गोल का मौका दिया, लेकिन इक्वाडोर की रक्षा फिर से संगठित होने और खतरे को बेअसर करने में कामयाब रही। स्कालोनी की टीम मध्यांतर के बाद 1-0 की बढ़त के साथ उतरी।

दूसरे हाफ की शुरुआत धीमी गति से हुई लेकिन मुकाबला काफी संघर्षपूर्ण रहा। 55वें मिनट में डिबू मार्टिनेज की लंबी गेंद के बाद लुटारो मार्टिनेज ने मौका बनाया। टूर्नामेंट के शीर्ष स्कोरर ने इसे अपनी छाती से नियंत्रित किया, मुड़े और डोमिंगुएज़ के गोल के ठीक सामने बाएं पैर से शॉट लगाने से चूक गया।

इक्वाडोर ने अपने खेल से अर्जेंटीना को परेशान कर दिया और रोड्रिगो डी पॉल के हैंडबॉल के बाद पेनल्टी अर्जित की, लेकिन एनर वालेंसिया का शॉट पोस्ट से टकरा गया, जिससे अर्जेंटीना ने जश्न मनाया। फ़ेलिक्स सांचेज़ की टीम आगे बढ़ी लेकिन स्टॉपेज टाइम तक स्पष्ट मौके बनाने में विफल रही जब येबोआ के क्रॉस पर केविन रोड्रिग्ज के हेडर ने मैच 1-1 से बराबर कर दिया, अर्जेंटीना ने कोपा अमेरिका में इस तरह अपना पहला गोल खाया।

पेनल्टी शूटआउट में, मेसी ने क्रॉसबार को हिट किया, लेकिन डिबू मार्टिनेज ने मेना और मिंडा के शॉट बचा लिए। जूलियन अल्वारेज़ ने गोल करके अर्जेंटीना का आगे बढ़ना सुनिश्चित किया।

न्यूज़ ब्रीफ

जुलाई के आखिर तक मुख्य कोच नियुक्त कर लेगा एआईएफएफ, कौन होगा स्टिमैक का उत्तराधिकारी

नई दिल्ली । अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ (एआईएफएफ) ने कहा कि वह इस महीने के आखिर तक राष्ट्रीय पुरुष टीम के मुख्य कोच की नियुक्ति कर लेगा जिसके लिए उसे दुनिया भर से आवेदन मिले हैं। इस पद के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि समाप्त हो गई और एआईएफएफ ने कहा कि उसे कुल 291 आवेदन मिले हैं। इसमें से 100 आवेदकों के पास यूईएफए प्रो लाइसेंस डिप्लोमा है, जबकि 20 के पास एएफसी प्रो लाइसेंस डिप्लोमा और तीन के पास कॉनमेबोल लाइसेंस हैं। एआईएफएफ के अध्यक्ष कल्याण चौबे ने बयान में कहा, हमें बड़ी संख्या में आवेदन मिले हैं और कई ख्याति प्राप्त कोच ने भारत में दिलचस्पी दिखाई है। हमें उम्मीद है कि हम जुलाई के आखिर तक मुख्य कोच की नियुक्ति कर देंगे ताकि भारत सितंबर में फीफा विंडो का फायदा उठा सके। एआईएफएफ ने भारतीय टीम के विश्व कप क्वालीफायर्स के तीसरे दौर में पहुंचने में नाकाम रहने के बाद पिछले महीने इगोर स्टीमक को मुख्य कोच पद से बर्खास्त कर दिया था। तभी से यह पद खाली पड़ा है।

शाकिब शायद ही भारत के खिलाफ खेलें

ढ़ाका । बांग्लादेश के स्पिन ऑलराउंडर शाकिब अल हसन का इस साल सितम्बर-अक्टूबर में होने वाले भारत दौरे में खेलना तय नहीं है क्योंकि उनना कार्यक्रम बेहद व्यस्त है। बांग्लादेश को 19 सितंबर से 12 अक्टूबर तक भारत के खिलाफ दो टेस्ट और तीन टी20 मैच खेलने हैं, जिसके मेजबान शहर चेन्नई, कानपुर, धर्मशाला, नई दिल्ली और हैदराबाद होंगे। वहीं शाकिब को 5 जुलाई से अमेरिका में शुरू होने वाले आगामी मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) सीज़न दो में लॉस एंजेलिस नाइट राइडर्स की ओर से खेलना है। शाकिब ने कहा,मेरे पास ज्यादा योजनाएं नहीं हैं। मेरे सामने दो टी20 टूर्नामेंट हैं एक एमएलसी है और दूसरा कनाडा में ग्लोबल टी20 लीग है और मुझे तय करने दीजिये कि इन दोनों टूर्नामेंटों को खेलने के बाद मैं कहां खड़ा हूं। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट है और पाकिस्तान के खिलाफ एक श्रृंखला है। इसलिए में ज्यादा आगे की नहीं सोच रहा। बढ़ती उम्र को देखते हुए अब मेरे पास तीन चार साल की योजना बनाने का समय नहीं है और इसलिए तीन से छह महीने की योजना बनाना बेहतर है और बाद में अपनी अगली योजना के बारे में सोचूंगा और इसलिए अब तक मैं पाकिस्तान श्रृंखला तक की योजना बना रहा हूं।

किरण रिजिजू ने पीवी सिंधु को दी जन्मदिन की बधाई

नई दिल्ली। भारत की स्टार स्टार शटलर पीवी सिंधु इस खास मौके पर उन्हें केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू ने जन्मदिन की मुबारकबाद दी। किरण रिजिजू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पुराना वीडियो रिपोस्ट किया, जिसमें पीवी सिंधु उन्हें रैकेट गिफ्ट करती नजर आ रही हैं। साथ ही उन्हें रैकेट के बारे में जानकारी दे रही हैं। किरण रिजिजू ने कैप्शन में लिखा, हमारे चैंपियन और डबल ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु को जन्मदिन की शुभकामनाएं। आप हमारे देश के लिए शक्ति और प्रेरणा की किरण हैं! आप हमेशा चमकते रहें और पेरिस ओलंपिक के लिए शुभकामनाएं!! बता दें, दुनिया के सबसे बड़े खेल महाकुंभ का आयोजन 26 जुलाई से 11 अगस्त तक पेरिस में होने जा रहा है। इसमें शानदार प्रदर्शन के लिए भारतीय दल तैयार है, जिसके लिए 28 सदस्यीय भारतीय एथलेटिक्स टीम की घोषणा कर दी गई है। टोक्यो ओलिंपिक के गोल्ड मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा भारतीय टीम का नेतृत्व करेंगे। पीएम मोदी ने भी पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए रवाना होने वाले भारतीय दल से बातचीत की। इस दौरान कई खिलाड़ी ऑनलाइन भी जुड़े, इनमें नीरज चोपड़ा, प्रियंका गोस्वामी और पीवी सिंधु भी शामिल थीं। पीवी सिंधु ने पीएम मोदी से कहा, मैं तीसरी बार ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करने जा रही हूं। मैंने 2016 में रजत पदक जीता और 2020 में मैंने कांस्य पदक जीता। ऐसे में मैं उम्मीद करती हूं कि इस बार मैं पदक का रंग बदल सकूं और मैं इस साल एक और मेडल लेकर आऊं।

टीम इंडिया की घर वापसी, 16 घंटे चला जश्न : दिल्ली से मुंबई तक रोहित, हार्दिक, कोहली-कोहली ; कप्तान बोले- यह ट्रॉफी देश की

नई दिल्ली/मुंबई।

4 जुलाई का दिन भारतीय क्रिकेट फैंस के लिए यादगार रहा। टी-20 वर्ल्ड कप की घर वापसी जो हुई। 2007 में पहले टी-20 वर्ल्ड कप का खिताब जीतने वाली टीम इंडिया दूसरी बार ट्रॉफी लेकर लौटी। फिर क्या था...17 साल इस ट्रॉफी की ओर टकटकी लगाए बैठे भारतीय फैंस अपने चहेते स्टार्स के स्वागत के लिए दिल्ली से लेकर मुंबई तक की सड़कों पर उतर आए। इस जीत का सेलिब्रेशन 16 घंटे तक चला।

रोहित की ब्रिगेड बारबाडोस से दिल्ली एयरपोर्ट पर उतरी तो फैंस स्वागत के लिए उमड़ आए। इसके बाद टीम पीएम नरेंद्र मोदी से मिली। फिर टीम मुंबई पहुंची। मरीन ड्राइव पर फैंस स्वागत के लिए बारिश के बीच 6 घंटे सड़क पर खड़े रहे। जश्न रात 10 बजे तक चला।

16 घंटे तक चले सेलिब्रेशन में कई फैंस की हालत बिगड़ गई। कुछ घायल भी हुए। मुंबई पुलिस ने कहा कि 10 फैंस को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया था, जिनमें से दो लोगों को भर्ती कर लिया गया है। एक को फ्रैक्चर और दूसरे को सांस लेने में दिक्कत हो रही है।

शुरुआत मुंबई में सम्मान से...बीसीसीआई ने 125 करोड़ दिए

मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में बीसीसीआई ने वर्ल्ड चैंपियन टीम इंडिया के खिलाड़ियों का सम्मान किया। यहां बोर्ड के प्रेसिडेंट रोजन बिन्नी और सेक्रेटरी जय शाह ने टीम को 125 करोड़ रुपए का चेक सौंपा। इस दौरान भारतीय खिलाड़ी वानखेड़े में ढोल-नगाड़ों पर डांस करते नजर आए।

रोहित ने हार्दिक को सैल्यूट किया, द्रविड़ बोले- मैं इस प्यार को मिस करूंगा

राहुल द्रविड़ ने कहा, इन लड़कों ने जो किया है, वह अविश्वसनीय है। कड़ी मेहनत, लचीलापन, कभी हार न मानने वाला रवैया, लगातार बेहतर होने की कोशिश। मैं इस प्यार को मिस करूंगा।

रोहित शर्मा ने कहा, सभी का शुक्रिया। जब से हम भारत आए हैं, तब से यह शानदार रहा है। यह ट्रॉफी पूरे देश के लिए है। हार्दिक पंड्या की गेंदबाजी की तारीफ की। कहा, उन्हें सैल्यूट। हार्दिक पंड्या ट्रॉफी लेकर वानखेड़े स्टेडियम पहुंचे। उनके स्टेडियम पहुंचते ही लोगों ने हार्दिक...हार्दिक के नारे लगाए।

जसप्रीत बुमराह बोले, मैं किसी क्रिकेट मैच के बाद रोता नहीं हूं, लेकिन उस जीत के बाद मैंने महसूस किया कि 2-3 बार मेरी आंखों से आंसू निकल आए।

विराट कोहली ने बताया, रोहित जब सीढ़ियों पर थे, तब मेरी और उनकी आंखों में आंसू थे। मैंने पहली बार उन्हें इतना ज्यादा इमोशनल होते देखा। 2011 में जब हमने वर्ल्ड कप जीता, तब सभी सीनियर प्लेयर्स इमोशनल थे, मुझे नहीं पता था कि उन्हें इतना रोना क्यों आ रहा है। आज जब मैंने इतने इंतजार के बाद ट्रॉफी जीती तो जाना कि तब वे इतने इमोशनल क्यों थे।

मुंबई की मरीन ड्राइव पर विक्ट्री परेड, 40 मिनट चली, 3 लाख से ज्यादा फैंस पहुंचे

सम्मान समारोह में रोहित ने कहा, मुंबई किसी को निराश नहीं करती। इसकी वजह थी कि फैंस मरीन ड्राइव पर टीम इंडिया के स्वागत के लिए दोपहर 2 बजे से ही जुटने शुरू हो गए थे। 3 किमी लंबी मरीन ड्राइव पर 3 लाख से ज्यादा लोग मौजूद थे। बिल्डिंग, पेड़, बसों और वाहनों पर चढ़े थे।

यहां विक्ट्री परेड शुरू हुई तो भारतीय स्टार ने भी फैंस को निराश नहीं किया। 48 मिनट की विक्ट्री परेड में रोहित हों या विराट, बुमराह हों या हार्दिक सभी खुशी से झूम रहे थे। जनसैलाब को देख वे खुद को भी नहीं रोक पा रहे थे। सीरियस मूड में नजर आने वाले राहुल द्रविड़ भी खुशी से चहकते नजर आए। लोगों का हाथ उठाकर अभिवादन कर रहे थे। उन्होंने ओपन रूफ बस पर कभी रोहित, कभी विराट तो कभी हार्दिक को गले लगाया।

नई दिल्ली में टीम इंडिया 8 घंटे रही: एयरपोर्ट पर स्वागत, पीएम मोदी से मिली

टीम इंडिया बारबाडोस से दिल्ली पहुंची थी। टर्मिनस से बाहर आकर कप्तान रोहित शर्मा, बीसीसीआई सचिव जय शाह और प्रेसिडेंट रोजर बिन्नी ने केक काटा। इस दौरान भारतीय फैंस अपने चहेते हीरोज की एक झलक पाने के लिए बेताब दिखे।

एयरपोर्ट से टीम होटल आईटीसी मौर्या पहुंची। यहां कप्तान रोहित शर्मा सहित ऋषभ पंत, सूर्यकुमार यादव और हार्दिक पंड्या ने भांगड़ा किया। होटल में भी एक स्पेशल केक काटा गया। इसके बाद सभी सुबह 10.46 बजे पीएम आवास पहुंचे। इस दौरान खिलाड़ियों ने पीएम को एक जर्सी गिफ्ट की, जिस पर नमो-1 लिखा है। पीएम आवास पर खिलाड़ी करीब 2 घंटे रहे।

टीम इंडिया तूफान की वजह से बारबाडोस में तीन दिन से फंसी थी। बीसीसीआई ने उसे लाने के लिए स्पेशल विमान भेजा था। इस प्लेन का नाम चैंपियंस 24 वर्ल्ड कप था।

श्रीलंकाई प्रीमियर लीग में छाये शादाब खान

श्रीलंका ।

टी20 विश्व कप 2024 में असफल रहे पाकिस्तानी स्पिनर शादाब खान आजकल श्रीलंकाई प्रीमियर लीग में कोलंबो स्ट्राइकर्स की ओर से खेल रहे हैं। शादाब ने यहां अच्छी गेंदबाजी करते हुए एक हैट्रिक भी अपने नाम की है और टीम को जीत दिलायी। लंका प्रीमियर लीग के तहत कोलंबो स्टाइर्क्स और कैंडी फाल्कन्स के बीच हुए मुकाबले में शादाब खान ने हैट्रिक लेकर कैंडी टीम की कमर ही तोड़ दी। इसके बाद कैंडी को इस मैच में 51 रनों से हार का सामना करना पड़ा। शादाब ने इस मैच में 4 ओवर में 22 रन देकर 4 विकेट लिए। वहीं शादाब ने इसके बाद गैले मार्वल्स के खिलाफ हुए मुकाबले में भी अपनी टीम की ओर से 4 विकेट लिए। उस मुकाबले में हालांकि वह अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाये। इस मैच में कप्तान डिकवेला ने 18 गेंदों पर 50, सहान ने 27 गेंदों पर 35 तो इसरु उडाना ने 34 गेंदों पर 52 रन बनाकर स्कोर 179 तक पहुंचाया था। वहीं कोलंबो की ओर से शादाब ने 4 ओवर में 21 रन देकर 4 विकेट लिए पर उनकी टीम के बल्लेबाजी लक्ष्य का पीछा करते हुए 172 रन ही बना पाये और उसे हार का सामना करना पड़ा।

जिम्बाब्वे की ओर से डेब्यू करेंगे कमर्शियल पायलट लाइसेंस धारी अंतुम

हरारे । भारत के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज के लिए जिम्बाब्वे की टीम में शामिल बल्लेबाज अंतुम नकवी के माता पिता पाकिस्तानी मूल के हैं। वहीं अंतुम कर जन्म बेल्जियम में हुआ है। अब वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू करने को तैयार है। अंतुम ने ऑस्ट्रेलिया में कमर्शियल एयरलाइन पायलट का लाइसेंस हासिल किया पर क्रिकेटर बनने उन्होंने विमानन क्षेत्र में काम करने की जगह जिम्बाब्वे का रुख किया। दाएं हाथ के बल्लेबाज अंतुम ने इस साल से ही काफी अच्छा खेलते हुए तिहरा शतक लगाया था। वह ये उपलब्धि हासिल करने वाले जिम्बाब्वे के पहले खिलाड़ी हैं। इस युवा ने मिड वेस्ट राइनो के लिए लोगन कप में नाबाद 300 रन बनाये थे। वह शीर्ष क्रम के बल्लेबाज हैं और घरेलू मैचों में उनका स्ट्राइक रेट 146.80 का रहा है। अंतुम ने अब तक 10 फर्स्ट क्लास मैचों में 72 के औसत से 792 रन बनाए हैं।

स्मिथ ने मार्कराम को शानदार कप्तान बताया

मुंबई। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान ग्रीम स्मिथ ने टीम के कप्तान एडन मार्कराम की जमकर प्रशंसा करते हुए उन्हें एक अच्छा कप्तान और रणनीतिकार बताया है। मार्कराम की कप्तानी में दक्षिण अफ्रीका टीम पहली बार विश्व कप के फाइनल में पहुंची थी। टीम को हालांकि फाइनल में भारतीय टीम के हाथों हार का सामना करना पड़ा था पर उसने इससे पहले के सभी मैच जीते थे। फाइनल में भी टीम ने अंत तक संघर्ष किया था।

स्मिथ ने कहा, 'मार्कराम ने टूर्नामेंट के दौरान काफी अच्छे तरीके से नेतृत्व किया। वह रणनीतिक रूप से बेहतर रहे। उनकी योजना अच्छी रहीं और वह बड़े फैसले लेने में वह घबराये नहीं। इसके अलावा उन्होंने सभी खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित भी किया। उन्होंने कहा, 'हमने निश्चित रूप से पहले भी एसए20 लीग के दौरान उनकी इस प्रकार की कप्तानी देखी थी जिसमें उन्होंने सनराइजर्स ईस्टर्न केप की कप्तानी करते हुए लगातार चैम्पियनशिप में जीत हासिल की थी। वहीं अब उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यही किया है। स्मिथ ने कहा कि कहा कि टीम के क्रिकेटरों को लीग टूर्नामेंट से लाभ हुआ है और अब वह बेहतर तरीके से दबाव का सामना कर पा रहे हैं।

पंकज आडवाणी एशियाई बिलियर्ड्स के फाइनल में

रियाद।

भारत के शीर्ष क्यूइस्ट पंकज आडवाणी ने क्वार्टरफाइनल में हमवतन श्रीकृष्ण सूर्यनारायणन को 5-0 से और सेमीफाइनल में सौरव कोठरी को 5-0 से हराकर एशियाई बिलियर्ड्स चैंपियनशिप के फ़ाइनल में प्रवेश कर लिया है। सूर्यनारायणन के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मैच में, पंकज ने अपने असाधारण कौशल का प्रदर्शन किया।

उनका प्रभुत्व स्पष्ट था क्योंकि उन्होंने लगातार अपने प्रतिद्वंद्वी को सटीकता और चालाकी से हराया। शुरुआती फ्रेम ने माहौल तैयार कर दिया, जिसमें पंकज ने 100 का स्कोर बनाया, जबकि श्रीकृष्ण ने कड़ी चुनौती पेश करते हुए 78 का ब्रेक हासिल किया।

हालांकि, पंकज की बेहतर ब्रेक-बिल्डिंग क्षमता ने उन्हें बढ़त दिलाई और पहले फ्रेम में जीत हासिल की। दूसरे फ्रेम में उनका कौशल और अधिक स्पष्ट हो गया, जहां उन्होंने श्रीकृष्ण के 26 की तुलना में 100 अंक और बनाए। तीसरे फ्रेम में पंकज ने 102 के ब्रेक के साथ अपना शानदार फॉर्म बरकरार रखा।

श्रीकृष्ण केवल 32 का स्कोर बनाने में सफल रहे। इसके बाद उन्होंने अपने कुशल स्कोरिंग के साथ श्रीकृष्ण को दूर रखने के लिए अभूतपूर्व ब्रेक बनाए। पंकज ने 101 के एक और ब्रेक के साथ मैच समाप्त किया, जबकि श्रीकृष्ण ने 2 अंक बनाए। सौरव के खिलाफ सेमीफ़ाइनल मैच में, पंकज एक उल्लेखनीय मैच में लगातार पाँच फ़्रेमों में अपने प्रतिद्वंद्वी पर हावी रहे। तालिका में उनकी महारत स्पष्ट थी क्योंकि उन्होंने प्रत्येक फ्रेम में 100 का स्कोर बनाया था।

मैच की शुरुआत में पंकज ने तेजी से नियंत्रण हासिल करते हुए 100 अंक बनाए, जबकि सौरव अपने सर्वोत्तम प्रयासों के बावजूद 29 अंक बनाने में सफल रहे, लेकिन पंकज के तेज खेल की बराबरी करने में असमर्थ रहे। दूसरे फ्रेम में पंकज ने अपनी गति जारी रखी और एक और 100 का स्कोर बनाया।

सौरव ने अपने प्रदर्शन में थोड़ा सुधार किया और 33 का स्कोर बनाया। अगले तीन फ्रेम में पंकज का कौशल पूरे प्रदर्शन पर था क्योंकि उन्होंने सौरव के 38, 21 और 0 की तुलना में 101, 100 और 100 का स्कोर बनाया। पूरे मैच के दौरान पंकज का प्रदर्शन शानदार रहा। लगातार 100 के ब्रेक और टेबल पर प्रभावी उपस्थिति के साथ, उन्होंने शीर्ष स्तरीय बिलियर्ड्स खिलाड़ी के रूप में अपनी स्थिति की पुष्टि की और फाइनल में अपना स्थान सुरक्षित किया।

पेरिस ओलंपिक 2024

ओलंपिक के लिए खिलाड़ियों की रवानगी से पहले पीएम मोदी ने की खास मुलाकात, दिया विजय-मंत्र

नई दिल्ली ।

पेरिस ओलंपिक के लिए खिलाड़ियों की रवानगी से पहले पीएम मोदी ने उनसे खास मुलाकात की और उन्हें विजय मंत्र दिया। भारत पेरिस ओलंपिक के लिए लगभग 120 खिलाड़ियों का दल भेज रहा है और उसे उम्मीद है कि इस बार वे तोक्यो ओलंपिक से बेहतर प्रदर्शन करेंगे। भारत ने तोक्यो ओलंपिक में सात पदक जीते थे जिनमें नीरज चोपड़ा का भाला फेंक में जीता गया स्वर्ण पदक भी शामिल है।

पीएम ने खिलाड़ियों को दिया विजय मंत्र

पीएम मोदी ने नीरज चोपड़ा, मुक्केबाज निकहत जरीन और ओलंपिक में दो बार की पदक विजेता बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु से वर्चुअल बातचीत भी की। इसके अलावा उन्होंने ओलंपिक के लिए पहली बार जाने वालों को विजय-मंत्र दिया। पीएम ने कहा, आप ओलंपिक में जाने और जीतने के मूड में हैं और मैं आपके जीतने के बाद वापस आने पर आपका स्वागत करने के मूड में हूं। मेरी कोशिश है कि मैं खेल जगत से जुड़े हमारे देश के सितारों से मिलता रहूं, नई चीजें सीखता रहूं और उनके प्रयासों को समझता रहूं और सरकार के तौर पर अगर व्यवस्था में कुछ बदलाव की जरूरत है, कुछ प्रयासों को बढ़ाने की जरूरत है तो मैं इस दिशा में काम करता रहता हूं। मेरी कोशिश है कि सभी से सीधा संवाद हो।

पीएम ने जताया खिलाड़ियों पर भरोसा

पीएम मोदी ने आगे कहा, हम खेलने जा रहे हैं, हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने जा रहे हैं। ओलंपिक भी सीखने का एक बहुत बड़ा क्षेत्र है... जो सीखने की प्रवृत्ति के साथ काम करता है, उसके लिए सीखने के अनेक अवसर हैं। जो शिकायत में जीना चाहते हैं, उनके लिए अवसरों की कोई कमी नहीं है...हमारे जैसे देशों से लोग वहां जाते हैं, उन्हें अनेक कठिनाइयों और असुविधाओं का सामना करना पड़ता है, लेकिन उनके दिल में उनका देश और उनका तिरंगा झंडा होता है। मुझे पूरा विश्वास है कि इस बार भी आप खेल के क्षेत्र में भारत का नाम रोशन करेंगे।

पीवी सिंधु से पीएम ने की चर्चा

इस दौरान पीएम ने शीर्ष बैडमिंटन खिलाड़ी और दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु से बातचीत की। सिंधु ने कहा, मैं तीसरी बार ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करने जा रही हूं। मैंने 2016 में रजत पदक जीता था और 2020 में मैंने कांस्य पदक जीता। मुझे इस साल पदक का रंग बदलने की उम्मीद है, मुझे इस साल एक और पदक की उम्मीद है। इसके अलावा पीएम ने पेरिस ओलंपिक में भाग लेने से पहले ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा से भी चर्चा की।

पीएम ने दी खिलाड़ियों को बधाई

पीएम मोदी ने आगे कहा, इस बार भी हमने खिलाड़ियों की सुविधा के लिए कुछ नया करने का प्रयास किया है। हमने वहां भारतीय समुदाय को थोड़ा सक्रिय करने का प्रयास किया है ताकि वो हमारे खिलाड़ियों से और ज्यादा जुड़ें...मैं अपनी तरफ से आपको शुभकामनाएं देता हूं और मैं आप लोगों का इंतजार करूंगा...मैं कोशिश करूंगा कि 15 अगस्त को जब लाल किले पर कार्यक्रम हो तो आप लोग भी वहां मौजूद रहें।

ब्रेड और कॉर्न खाने वाले हो जाएं सावधान

सुबह के नाश्ते में अधिकतर लोग ब्रेड, कार्न फ्लेक्स और कई तले-भुने पदार्थों का सेवन करते हैं लेकिन यही पदार्थ फेफड़ों के कैंसर का रोगी बना सकते हैं जिसका खुलासा एक नए शोध में हुआ है। व्हाइट ब्रेड, कार्न फ्लेक्स और तले-भुने चावल जैसे ग्लाइसेमिक इंडेक्स युक्त भोजन और पेय पदार्थ फेफड़ों के कैंसर के विकास को बढ़ा सकते हैं।

ग्लाइसेमिक सूचकांक और ग्लाइसेमिक इंडेक्स (जीआई) एक संख्या है जो एक विशेष प्रकार के भोजन से संबंधित है। यह व्यक्ति के रक्त में ग्लूकोज के स्तर पर भोजन के प्रभाव को संकेत करता है। गोरी त्वचा, हल्के रंग के बालों और नीली, हरे, रंग की आंखों वाले लोगों में यह एससीसी विकसित होने का सबसे ज्यादा खतरा होता है। शोधकर्ताओं ने अध्ययन में 1 हजार 905 रोगियों को शामिल किया था, जिन्हें हाल ही में फेफड़ों के कैंसर की शिकायत हुई थी। इसके साथ ही 2 हजार 413 स्वस्थ व्यक्तियों का भी सर्वेक्षण किया गया था। इस दौरान प्रतिभागियों ने अपनी पिछली आहार की आदतों और स्वास्थ्य इतिहास की जानकारी दी।

शोध के दौरान प्रतिदिन जीआई युक्त भोजन करने वालों में जीआई भोजन न करने वालों की तुलना में फेफड़ों के कैंसर का 49 प्रतिशत जोखिम देखा गया। आश्चर्य तौर पर कार्बोहाइड्रेट की सीमा मापने वाले ग्लाइसेमिक लोड (जीएल) का फेफड़ों के कैंसर से कोई महत्वपूर्ण संबंध नहीं मिला। शोधार्थियों का कहना है कि तंबाकू और धूम्रपान का सेवन न करने वालों में भी फेफड़ों के कैंसर के लक्षण मिले हैं जिससे पता चलता है कि आहार के कारक भी फेफड़ों के कैंसर जोखिमों से संबंधत हो सकते हैं।

ज्यादा नारियल पानी से हो सकता है हार्ट अटैक

नारियल पानी पीने के यूं तो कई फायदे हैं। लेकिन गर्मी में डिहाइड्रेशन से बचने के लिए रोजाना दो गिलास से अधिक नारियल पानी लेना सेहत के लिए नुकसानदेह हो सकता है।

पानी की कमी पूरी करने के लिए केवल नारियल पानी पर निर्भर रहना सही नहीं है। इसमें मौजूद पोटैशियम शरीर में जाकर इस तत्व को सामान्य से अधिक कर देता है। जिससे खासकर किडनी व हृदय से जुड़ी समस्याएं बढ़ जाती हैं। पोटैशियम शरीर के लिए जरूरी इलेक्ट्रोलाइट है। सामान्य रूप से व्यक्ति को रोजाना 4700 मिग्रा पोटैशियम की जरूरत होती है। 250 मिली. नारियल पानी में 600 मिग्रा. पोटैशियम होता है। यह शरीर की तंत्रिकाओं, मांसपेशियों और हृदय के सुचारू कार्य करने के लिए जरूरी है।

इन बातों का ध्यान रहे

कई बार हीट स्ट्रोक, डिहाइड्रेशन और डायरिया के पेशेंट्स शरीर में इलेक्ट्रोलाइट और पानी की कमी को पूरा करने के लिए दिन में कई बार नारियल पानी का सहारा लेते हैं। लेकिन दिनभर में दो गिलास (500 एमएल) से अधिक यह पानी नहीं पीना चाहिए। हार्ट फेल्योर के बढ़ते चांस किडनी शरीर में मौजूद जरूरत से ज्यादा पोटैशियम को बाहर निकालती है। लेकिन इसके मरीजों में इसकी अधिक मात्रा बाहर नहीं निकल पाती और किडनी फैल्योर की आशंका बढ़ जाती है।

इसके अलावा पोटैशियम की अधिकता से हृदय की मांसपेशियां कमजोर होने लगती हैं जिससे धड़कनें अनियमित हो जाती हैं जिससे हार्ट फेल्योर के चांस भी बढ़ते हैं। इतना है जरूरी शरीर में पानी की कमी को फल व सलाद से पूरी कर सकते हैं। ये विटामिन और मिनरल तत्व का अच्छा स्त्रोत होते हैं।

कच्चे पपीते की ड्रिंक दूर भगाए गठिया का दर्द

पैर की उंगलियों, घुटनों और एडी में गस के दर्द होता है तो समझिए कि खून में यूरिक एसिड की मात्रा बढ़ गई है। जब यूरिक एसिड क्रिस्टल के रूप में हमारे हाथ और पैरों के जोड़ों में जम जाता है तो उसे गाउट की बीमारी बोलते हैं। हालांकि इस समस्या से बचने के लिए एक ड्रिंक जो कि कच्चे पपीते और पानी से तैयार की जाती है, जिसको दिनभर पीने से गाउट के दर्द में धीरे - धीरे आराम मिल जाता है।

वायु प्रदूषण से बच्चों को एलर्जी का खतरा

बढ़ता प्रदूषण हर दिन जीवन लिए खतरा बनता जा रहा है। एक शोध में बताया गया है जीवन के पहले एक साल तक बाह्य वायु प्रदूषण के संपर्क में आने से भोजन, मिट्टी, पालतू जानवरों और कीटों से एलर्जी होने का खतरा ज्यादा होता है। शोध के परिणाम दर्शाते हैं कि शैशवावस्था के दौरान यातायात संबंधी वायु प्रदूषण के संपर्क में आने से बच्चे एलर्जी के कारकों के प्रति संवेदनशील हो सकते हैं।

ब्रोकली खाने से नहीं होगी ये बीमारी

एक नए अध्ययन में दावा किया गया है कि एक सप्ताह में तीन या चार बार ब्रॉकली खाने से टाइप 2 मधुमेह, हृदय रोग, अस्थमा और कई तरह के कैंसर के पनपने का खतरा कम हो सकता है। ऐसे जीन्स की पहचान की गई है, जो ब्रोकली में फीनोलिक यौगिकों के जमाव को नियंत्रित करते हैं। जिन लोगों के आहार में इन यौगिकों की एक तय मात्रा होगी, उन्हें इन बीमारियों की चपेट में आने का खतरा कम होगा।

कैसे रहेगी ताजगी बरकरार

अक्सर हम सब्जियां खरीद कर उन्हें फ्रिज और किचन की टोकरी में रख देते हैं। कुछ चीजों की जगह तो जैसे फिक्स-सी हो गई है। आलू, प्याज जैसी सब्जियों के लिए किचन की टोकरी, तो नींबू, टमाटर और दूसरी सब्जियां फ्रिज की टोकरी में रख दी जाती हैं। यह सोचे बिना कि कौन-सी सब्जी कहां स्टोर करनी चाहिए। लेकिन क्या आप जानते हैं, अगर सब्जियों को देखकर उन्हें सही जगह स्टोर किया जाए, तो वह लंबे समय ताज़ा बनी रहती हैं। आइए जानें ऐसी ही कुछ जरूरी बातें, जो आपकी सब्जियों को बनाए रखेंगी कई दिनों तक फ्रेश।

प्याज

अक्सर लोग प्याज लाने के बाद उसे पॉलीथीन में ही रख देते हैं, लेकिन ऐसा नहीं करना चाहिए। ऑक्सीजन की कमी उसकी लाइफ को कम कर देती है। प्याज को अंधेरी, सूखी और ठंडी जगह पर रखा जाए, तो वह लंबे समय तक ठीक रहती हैं, लेकिन ज़्यादा ठंडी जगह पर नहीं रखना चाहिए। इन्हें अखबार में या फिर कागज के बैग में छोटे-छोटे छेद करके लपेट देना चाहिए। दूसरी बात जो ध्यान रखनी चाहिए, आलू और प्याज को कभी भी एक साथ स्टोर नहीं करना चाहिए क्योंकि आलू में से जो गैस निकलती है वह प्याज को खराब कर सकता है।

नींबू

अक्सर सभी घरों में नींबू काफी तेजी से इस्तेमाल और पसंद किए जाते हैं। अक्सर लोगों को सवाल होता है कि इन्हें लंबे समय तक जूसी और ताज़ा कैसे रखा जा सकता है? तो आपको बता दें कि नींबू को सिर्फ रेफ्रिजरेटर में ऐसे ही न रखें। इन्हें ज़िप लॉक में रखकर टाइट बंद कर दें। इन्हें काउंटर पर खुला छोड़ने से परहेज करें। ऐसा करने से नींबू का रस सूख जाता है। वहीं, कुछ लोगों का कहना है कि नींबूओं की नमी बरकरार रखने के लिए इन्हें पानी में डालकर छोड़ दें।

केला

केलों को सड़ने से बचाने का सबसे आसान तरीका है, उसके क्राउन (केले का ऊपरी भाग, जहां उसकी जड़े मिलती हैं) को प्लास्टिक से लपेट कर रख दें। केले में से इथाइलीन नामक गैस निकलती है, जो कि फलों को पकाती है। इसकी जड़ को प्लास्टिक बैग से लपेटकर, उसमें पैदा होने वाली गैस को बचे हुए भाग तक पहुंचने से बचाया जा सकता है। इसकी ज़्यादातर गैस जड़ों के माध्यम से ही निकलती है। आप सही केलों को गुच्छे से अलग करके पके हुए केलों को अलग कर सकते हैं क्योंकि पके हुए केले ज़्यादा गैस रिलीज़ करते हैं। इसके अलावा, जड़ों को एक साथ अलग न करें, इससे भी केले जल्दी ब्राउन होते हैं।

टमाटर

टमाटर को स्टोर करने से पहले हमें इस बात को जान लेना चाहिए कि उन्हें ठंडी जगह पर रखना चाहिए या नहीं। हम में से बहुत से लोग सोचते हैं कि फलों और सब्जियों को खराब होने से बचाने के लिए सबसे अच्छा तरीका है उन्हें रेफ्रिजरेटर में रख देना, लेकिन यह फॉर्मुला हर बार काम नहीं करता। बिना पके टमाटरों को कमरे के तापमान पर ही रखा जाना चाहिए, ताकि वह ज़्यादा जूसी और टेस्टी बन जाएं। ज़्यादा तापमान में वह अपना फ्लेवर खो देते हैं। सिर्फ पूरे पके हुए टमाटरों को ही प्लास्टिक बैग में करके फ्रिज में रखा जा सकता है लेकिन ध्यान रखें कि उन्हें इस्तेमाल करने के आधे घंटे पहले ही उन्हें फ्रिज से निकाल कर कमरे के तापमान पर ले आएं।

आलू

लगभग हर घर की किचन में दिखने वाला आलू, काफी बहुमुखी होता है। लेकिन जब हम इन्हें अंकुरित देखते हैं, तो बहुत बुरा लगता है। इन्हें फ्रिज में रखने की जरूरत नहीं होती। बस, इन्हें जाली वाले बैग में रख दें। अगर आप इन्हें ठंडी जगह पर स्टोर कर देंगे, तो इनमें उपस्थित स्टार्च शुगर में बदलने लगता है, जिससे आपके खाने का स्वाद खराब हो जाता है। इन्हें रोशनी में बाहर निकाल कर ही रखें और आलूओं को कभी भी धोकर स्टोर न करें क्योंकि नमी से आलू खराब हो जाते हैं।

मसाले

जीरा, धनिया, गरम मसाला, हल्दी, काली मिर्च, दालचीनी- ये कुछ ऐसे मसाले हैं, जिन्हें किचन में रखने के बाद देखने की जरूरत पड़ती है। अक्सर, हम इन्हें महत्वपूर्ण नहीं समझते और किचन के कैबिनेट में रखकर भूल जाते हैं। उन मसालों को इस्तेमाल करने से बचें, जिनकी टेस्ट और खुशबू खत्म हो चुकी हो। रोशनी, हवा, गर्मी और नमी मसालों के दुश्मन हैं। आप इन्हें टिन के जार में स्टोर कर सकते हैं लेकिन ध्यान रखें कि डिब्बे टाइट बंद हो और उन्हें गैस से दूर रखें।

पनीर

पनीर अक्सर सभी लोगों का फेवरिट होता है इसे प्लास्टिक बैग में लपेट के इसके टेस्ट को खराब नहीं करना चाहिए। इसे स्टोर करते समय ध्यान रखना चाहिए कि यह आसानी से सांस ले सके और सूखे नहीं। इन्हें स्टोर करने का सबसे अच्छा तरीका है पार्चमंट पेपर। यही नहीं, आप इन्हें सुरक्षित रखने के लिए टेप का इस्तेमाल भी कर सकते हैं। इसे न ज्यादा टाइट बंद करना है और न ही ज्यादा ढीला। प्लास्टिक के अलावा, आप इसे एल्यूमीनियम फॉइल पेपर में लपेट सकते हैं। लंबे समय तक ताज़गी बनाए रखने के लिए जब भी आप इसे खोलें, तो कोशिश करें फिर से नए फॉइल में ही लपेटें। इसके साथ ही, अगर आप फ्रिज में पनीर रख रहे हैं, तो ध्यान रहे कि पनीर फ्रिज के नीचे वाले भाग में ही रखें। साथ ही, पनीर को फ्रिजर में रखने से उसकी नरमी खत्म हो जाती है। पनीर के कटे हुए किनारों को टूटने से बचाने के लिए उसके किनारों पर जैतून का तेल और कनोला तेल लगाया जा सकता है।

साइड इफेक्ट से बचाता है आड़ू

रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाला आड़ू पेट और लिवर को भी दुरुस्त रखता है। इसमें मौजूद बीटा कैरोटिन विटामिन-ए का निर्माण करता है जो रेटिना को स्वस्थ रखने के साथ आंखों की रोशनी भी बढ़ाता है। शरीर से विषैले तत्वों को बाहर निकालकर रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाला आड़ू पेट और लिवर को भी दुरुस्त रखता है। इसमें मौजूद बीटा कैरोटिन विटामिन-ए का निर्माण करता है जो रेटिना को स्वस्थ रखने के साथ आंखों की रोशनी भी बढ़ाता है। यह एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है जो ब्रेस्ट कैंसर की आशंका को कम करने के साथ कीमोथैरेपी के साइड इफेक्ट से भी बचाता है। एनीमिया के रोगियों के लिए यह फायदेमंद है।

न्यूट्रीशन इंडेक्स

175 ग्राम आड़ू लगभग 68 कैलोरी ऊर्जा प्रदान करता है। इसमें 10 प्रतिशत कार्बोहाइड्रेट और 6 फीसदी फाइबर होता है। साथ ही इसमें 11 फीसदी विटामिन-ए और 19 फीसदी विटामिन-सी होता है। आड़ू में बहुत कम फैट (1 प्रतिशत) होता है इसलिए डाइटिंग करने वालों के लिए यह अच्छा होता है। इसमें कैल्शियम, पोटैशियम व आयरन तत्व होते हैं।

कितनी मात्रा जरूरी

प्रतिदिन 2-3 आड़ू खाए जा सकते हैं।

ध्यान रखें...

इसे दूसरे फलों के साथ मिलाकर न खाएं। भोजन के तुरंत बाद खाने की बजाए इसे आधे घंटे बाद खाएं।

इनके लिए मनाही

जिन्हें एलर्जी और शरीर में सूजन की समस्या हो वे इसे खाने से पहले डॉक्टरी सलाह लें।

किचन में शामिल करें ये जड़ी-बूटी

जब भी हम खाना खाने टेबल पर बैठते हैं, तो खाने का स्वाद ही हमारी भूख को संतुष्ट कर पाता है। सिर्फ इसी वजह से कुछ मास्टर्स अपनी डिश बनाने और उसे एक नया स्वाद देने के लिए मसालों से लेकर जड़ी-बूटी और कई चीजों का इस्तेमाल कर रहे हैं। आयुर्वेदिक कुकिंग में स्वाद बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसमें इस बात का भी ध्यान रखा जाता है कि खाने को सिर्फ स्वादिष्ट ही नहीं बने, बल्कि उसमें सभी सामग्री को एक साथ डालकर, किस प्रकार स्वास्थ्य को फायदा पहुंचाया जाए। हर

सामग्री का अपना एक अलग गुण होता है, जिसके इस्तेमाल से आप शरीर को लाभ पहुंचा सकते हैं।

जड़ी-बूटी, एक तरह से स्वाद को निखारने और मजेदार बनाने के लिए इस्तेमाल में लाई जाती हैं। अगर यह जड़ी-बूटी किचन में देखने को मिले, तो शायद ही कोई कुक ऐसा होगा जो, मामूली डिश को ज़ायकेदार बनाने से चूकेगा। यह ऐसी जड़ी-बूटी हैं, जो खाने में जान डाल देने वाली हैं। आप इन्हें कई तरह से अपने खाने में शामिल कर सकते हैं। जैसे स्प्रिग (टहनी) को काटकर आप एक सामग्री की तरह इस्तेमाल कर सकते हैं या पास्ता में डाल सकते हैं। इसके अलावा आप इससे करी और मिश्रण भी तैयार कर सकते हैं। तो चलिए आपको बताते हैं कुछ आयुर्वेदिक जड़ी-बूटी, जिनके इस्तेमाल से आप अपने खाने को एक नया स्वाद देने के साथ शरीर को स्वास्थ्य संबंधित कई फायदे दे सकते हैं। आइए बताते हैं इन्हें आप किस तरह अपने किचन में प्रयोग में ला सकते हैं।

कढ़ी पत्ता

साउथ इंडियन क्यूज़ीन की शान कढ़ी पत्ता सबसे ज़्यादा तीखे मीट, फ्राइड खाना समेत सांभर, रसम, उपमा, डोसा के भरावन मिश्रण और चटनी बनाने में इस्तेमाल किया जाता है। कई लोग तो इसे दाल में तड़का लगाने में भी शामिल करते हैं। इसका तीखा स्वाद, भारतीय मसालों के अलावा काली मिर्च के साथ बहुत बढ़िया होता है। खाना बनाते समय तेल में तड़का लगाने के लिए इसकी महक ही काफी होती है।

तेजपत्ता

इस खुशबूदार पत्ते में कई आरोग्य गुण होते हैं। रसोई में यह दाल, करी, बिरयानी, राजमा और छोले के स्वाद को बढ़ाने के लिए प्रयोग में लाया जाता है। यह सूखा होता है। डिश में इसका हल्का स्वाद देने के लिए आप एक घंटे के लिए खाने को हल्की आंच पर रखकर छोड़ सकते हैं। यह खाया नहीं जाता, इसलिए डिश के बन जाने के बाद इसे निकालकर फेंक दिया जाता है। मार्किट में इसकी ताज़ा पत्तियां भी उपलब्ध हैं। ऐसा कहा जाता है कि रात में ताजे तेजपत्ता को पानी में भिगोकर रखने और सुबह उसी पानी का सेवन करने से ब्लड शुगर लेवल पर नियंत्रण रखा जा सकता है।

पुदीना

पुदीना या मिंट अक्सर सभी के रसोईघर में मौजूद होता है। यह सिर्फ एक मेडिकल गुण रखने वाला ही नहीं, बल्कि डिश को अच्छा स्वाद देने के लिए भी इस्तेमाल किया जाता है। भारतीय घरों में पुदीना चटनी, ज्यादातर सभी तरह के खाने के साथ परोसी जाती है। कई बार मिंट का ताज़ा स्वाद गर्मियों में जूस और ड्रिंक्स में भी शामिल किया जाता है। पुदीना, पाचन क्रिया को सही कर, खांसी, ज़ुखाम, शरीर के दर्द और थकान को ठीक करने में मदद करता है।

होली बासिल (तुलसी)

स्टिर फ्राई खाने को हल्का तीखा स्वाद देने के लिए आप इसका इस्तेमाल कर सकते हैं।

रेसिपी

चोको चिप केक

सामग्री

वनीला एसन्स 1 टेबल स्पून, दूध 2/3 कप, चीनी 1 कप, मैदा 1 + 1/4 कप, अंडे 3, बेकिंग सोडा 1 + 1/4 टेबल स्पून, मक्खन 150 ग्राम, चोको चिप 1 कप।

विधि

चीनी और मक्खन को किसी बड़े बाउल में निकालकर अच्छी तरह से तब तक फेंटे जब तक मक्खन चीनी के साथ अच्छे से मिल नहीं जाता (फेंटने के लिए आप मिक्सर का उपयोग कर सकते है)। अंडों को फोड़कर मिक्सर में 1 मिनट तक फेंटना है। अंडे दुगने लगने लगेंगे। एक छलनी मे मैदा और बेकिंग सोडा डाल कर छान लीजिये, ताकि इसमें हवा भर जाए। अंडों को चीनी वाले घोल के साथ अच्छे से फेट लीजिए। इसके बाद वनीला एसेंस चीनी वाले घोल में डाल दे। उसके बाद दूध डाल दीजिये और अच्छी तरह फेट लीजिए। इसमें मैदा डाल कर अच्छी तरह से फिर से फेट लीजिए। केक को बर्तन में डालने से पहले उस बर्तन में चारों तरफ तेल या घी लगा ले, उपर से एक छोटी चम्मच मैदा चारो तरफ डाल दीजिये। फिर मैदा के घोल को केक बनाने वाले बर्तन मे डाल दीजिए और उपर से चोको चिप डाल दीजिए। ध्यान रहे इसे चम्मच से दबाना नहीं है बर्तन को हिला-हिला कर केक के पेस्ट को एक समान कर लीजिए। माइक्रोवेव में 20 मिनट टाइम सेट कर दीजिए या ओवन मे 180 डिग्री पर प्री हीट कर लीजिए और 20 से 25 मिनट पर पकने दीजिए। केक मे चाकू डाल कर देख लीजिए केक चाकू से चिपक तो नहीं रहा। केक बनकर तैयार है।

बसंती हलवा

सामग्री

2 कप कसा हुआ कद्दू, 1 कप दूध, 200 ग्राम खोया, 1/2 कप चीनी, 1/2 कप मेवा (बादाम, किशमिश, काजू), 1/2 टी स्पून इलायची पाउडर, 1 चुटकी केसर, 1 टे.स्पून देसी घी।

सजाने के लिए: चांदी का वर्क, 1/2 कप सूखा नारियल (कसा हुआ)।

विधि

कद्दू को छीलकर धो लें और कद्दूकस करके पानी डालकर उबाल लें। ठंडा होने पर हाथों से निचोड़कर सारा पानी निकाल दें। कड़ाही में घी डालकर उसमें कद्दू डालकर धीमी आंच पर भून लें। दूध में खोया और केसर डालकर अच्छी तरह मिलाएं और कड़ाही में डाल दें। जब दूध हलवे में अच्छी तरह मिल जाए, तब उसमें चीनी, इलायची पाउडर और मेवे डालकर 15 मिनट तक चलाये, गर्मागर्म बसंती हलवा चांदी के वर्क और सूखे नारियल से सजाकर सर्व करें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**